वर्ष 73 » अंक 209 » पृष्ठ 12

रीवा, मंगलवार 28 अप्रैल, 2026

» वैशाख शुक्ल पक्ष 12, विक्रम संवत 2083

» नगर » मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

> अपने भीतर एक ऐसी जगह खोजो जहां आनंद हो, और वही आनंद तुम्हारे दर्द को जला देगा।
> – जोसेफ कैंपबेल

ऑफ बीट

299 की ड्रेस के लिए गंवाए एक लाख रुपए

मुंबई में साइबर ठगी का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। एक निजी अस्पताल में काम करने वाली नर्स फेसबुक पर 299 रुपये की ड्रेस के चक्कर में करीब 1 लाख रुपये गंवा बैठी। पीड़ित नर्स ने फेसबुक पर ड्रेस का विज्ञापन देखा। उसने दिए गए लिंक पर क्लिक कर संपर्क किया। शुरुआत में उससे सिर्फ 299 रुपये का भुगतान कराया गया, लेकिन इसके बाद ठगों ने अलग-अलग बहाने बनाकर पैसे मांगने शुरू कर दिए। ठगों ने शिपिंग चार्ज, जीपीएस फीस, ट्रैकिंग शुल्क, वेरिफिकेशन और एड्रेस कन्फर्मेशन के नाम पर बार-बार पैसे ट्रांसफर करवाए। हर बार यह भरोसा दिलाया गया कि पूरी राशि रिफंड कर दी जाएगी और ऑर्डर जल्द डिलीवर होगा। 16 से 20 अप्रैल के बीच नर्स ने कई ट्रांजेक्शन कर करीब 1 लाख रुपये भेज दिए। जब न तो ड्रेस मिली और न ही पैसे वापस हुए, तब उसे ठगी का एहसास हुआ।

आईपीएल में आज

पंजाब बनाम राजस्थान

समय : शाम 7.30 बजे से

प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर

परिणाम: बेंगलुरु ने दिल्ली को 09 विकेट से हराया।

संक्षिप्त खबरें

1882 अरब के निवेश से रोजगार बढ़ने के आसार

नई दिल्ली, जेएनएन। सोमवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर के साथ दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में एक नया अध्याय जुड़ गया। यह समझौता राजधानी स्थित भारत मंडपम में आयोजित एक भव्य समारोह में हुआ। इसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर भारत की आर्थिक साझेदारियों को मजबूत करना है। इस ऐतिहासिक समझौते पर भारत के केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार एवं निवेश मंत्री टॉड मैक्ले ने हस्ताक्षर किए। एफटीए के तहत भारतीय उत्पादों को न्यूजीलैंड के बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। इससे भारत के निर्यातकों के लिए नए अवसर खुलेंगे और व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी। समझौते का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 5 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। इसके साथ ही, अगले 15 वर्षों में लगभग 20 अरब डॉलर (करीब 1882 अरब रुपए) के निवेश की संभावना जताई गई है, जो कृषि, विनिर्माण, तकनीक और नवाचार जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देगा।

नारी शक्ति वंदन: पक्ष और विपक्ष के आरोप-प्रत्यारोपों के चलते हंगामे के साथ खत्म हुआ विधानसभा का विशेष सत्र

कांग्रेस ने कभी महिलाओं का भला नहीं किया: सीएम

कांग्रेस बोली- मौजूदा स्थिति में ही लागू करें आरक्षण

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र हंगामे के साथ समाप्त हो गया। लोकसभा में गिर चुके संविधान के 131वें संशोधन विधेयक 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर सदन में पक्ष-विपक्ष ने एक दूसरे पर जमकर आरोप लगाए। चर्चा की शुरुआत में ही कांग्रेस ने बर्हिगमन किया, तो संकल्प पारित होने से पहले भी कांग्रेस ने संशोधन प्रस्ताव पर मतदान नहीं होने पर फिर से वाकआउट कर दिया।

चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जब भी महिलाओं के हक की बात होती है, कांग्रेस विरोध करती है। जबकि नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि महिलाओं को मौजूदा स्थिति पर आरक्षण तत्काल लागू किया जाए।

विशेष सत्र से विधानसभा में कार्य मंत्रणा समिति की बैठक हुई।

विधानसभा में दिन भर चली चर्चा के बाद मुख्यमंत्री ने सदन में कहा कि विरोध की जड़ें कांग्रेस के इतिहास में है। कांग्रेस ने जब भी महिलाओं के हितों की बात होती है, उसका विरोध किया है। महिला आरक्षण के मामले में भी कांग्रेस कभी परिसीमन का बहाना बनाकर रोड़े अटकाती है, तो कभी उत्तर दक्षिण की बात कर देश को गुमराह करने की कोशिश करती है। आजादी के बाद लंबे समय तक सत्ता पर रही कांग्रेस ने कभी भी महिलाओं को आरक्षण देने की बात नहीं कही। कांग्रेस हमेशा से ही समाज को 'बांटो और राज्य करो' के फार्मूले पर चलकर काम करती है, क्योंकि उन्हें इस बात का डर है कि यदि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिल जाता है, तो उनके वंशवाद की नींव हिल जाएगी। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी की दादी ने संविधान संशोधन के जरिए आपातकाल के समय महिला आरक्षण को न कहा था।

सीएम ने कहा कि 16 अप्रैल का संविधान संशोधन नहीं गिरता तो 33 प्रतिशत आरक्षण मिलने के बाद लोकसभा में 543 सीटों की संख्या 850 हो जाती। विधेयक पास होने पर महिला सांसदों की संख्या 243 होती। मध्यप्रदेश से महिला सांसदों की संख्या दोगुनी हो जाती। इसी तरह मध्यप्रदेश में सदस्यों की संख्या 345 हो जाती। इसमें प्रदेश की अनुसूचित जाति-जनजाति की महिलाओं को भी लाभ मिलता। कांग्रेस ने 1953 में जनगणना बंद करने का पाप किया था।

सीएम ने कहा कि ओबीसी नेता पीएम चौधरी चरण सिंह की सरकार गिराई थी। सीताराम केसरी के साथ जो किया, वह किसी से छिपा नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने ओबीसी वर्ग को आगे बढ़ाया है। मध्यप्रदेश में ओबीसी वर्ग की उमा भारती, बाबूलाल गौर और शिवराज सिंह चौहान जैसे नेताओं को मुख्यमंत्री को बनाया गया। कांग्रेस ने न तो सुभाष यादव को मुख्यमंत्री बनाया और न ही एसटी वर्ग से आने वाली जमुना देवी को ही सीएम बनाने की पहल की।

सरकार का फोकस परिसीमन पर: सिंघार

इससे पहले नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि सरकार महिला आरक्षण को लेकर स्पष्ट बात नहीं कर रही है। सरकार वास्तव में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देना चाहती है, तो उसे राजनीतिक कुटिल चाल से ऊपर उठना होगा। भाजपा केवल परिसीमन पर फोकस कर रही है, क्योंकि वह चाहती है कि उनकी सरकार बनती रहे। भाजपा ने महिलाओं से वायदा कर दिया कि उन्हें 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा, लेकिन नहीं मिला, क्योंकि उनकी नीयत में महिलाओं को आरक्षण देना है ही नहीं। यह इतिहास में लिखा जाएगा। भाजपा की डबल इंजन सरकार की कथनी और करनी में अंतर हैं। सिंघार ने कहा कि भाजपा सरकार 2029 और 2047 की बात करती है,लेकिन उसका ध्यान मध्यप्रदेश के मुद्दों पर नहीं है। ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण क्यों नहीं दिया गया।

नेता प्रतिपक्ष ने पूछे तीखे सवाल

- मुख्यमंत्री 33 प्रतिशत आरक्षण देना चाहते हैं, तो फिर उनके मंत्रिमंडल में 9 महिलाओं को मंत्री क्यों नहीं बनाया गया?
- जब नारी शक्ति वंदन अधिनियम वर्ष 2023 में पारित हो गया था, तो पिछले 3 वर्षों में परिसीमन और जनगणना क्यों नहीं कराई गई?

सीएम ने रखा संकल्प कांग्रेस का बर्हिगमन

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल। विधानसभा के विशेष सत्र में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'महिलाओं के सर्वांगीण विकास एवं सशक्तिकरण के लिए देश की संसद एवं सभी विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण, परिसीमन की प्रक्रिया पूरी कर तत्काल प्रभाव से लागू किए जाने' के लिए संकल्प प्रस्तुत किया। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने संकल्प को जैसे ही चर्चा के लिए मान्य किया, कांग्रेसी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सदन से बहिर्गमन किया। सदन की कार्रवाई शुरू होते ही कांग्रेस ने टोकाटाकी शुरू कर दी थी। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की आपत्ति यह थी कि उन्होंने अशासकीय संकल्प की सूचना पहले दी थी। नियमानुसार पहले उसी पर चर्चा होना चाहिए। इस पर सत्ता पक्ष ने कहा कि परंपरा रही है कि शासकीय संकल्प आता है तो बाकी संकल्पों की बजाय सरकार के संकल्प पर ही चर्चा होती है। विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने भी दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद शासकीय संकल्प को चर्चा के लिए मान्य कर लिया। इसके बाद कांग्रेस के सोहन बाल्मीकि ने सरकार के संकल्प में संशोधन की मांग की और कहा कि संसद एवं सभी विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण लोकसभा की वर्तमान 543 सीटों पर ही तत्काल प्रभाव से लागू किए जाए।

ईरान-अमेरिका वार्ता: पाक की मध्यस्थता पर सवाल

होर्मुज पर सैन्य नियंत्रण की तैयारी कर रहा ईरान

वॉशिंगटन/ तेहरान/ तेल अवीव, जेएनएन। पश्चिम एशिया संकट में एक तरफ सैन्य गतिविधियां तेज हो रही हैं, वहीं दूसरी ओर कूटनीतिक प्रयास भी जारी हैं, लेकिन दोनों के बीच संतुलन बनता नहीं दिख रहा है। ईरान ने होर्मुज पर सैन्य नियंत्रण स्थापित करने की योजना का संकेत दिया है, वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ अहम बैठक करने वाले हैं।

इधर, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कूटनीतिक गतिविधियां तेज की हैं। ईरान ने पाकिस्तान के माध्यम से अमेरिका को संघर्ष समाप्त करने के एक 'स्थायी समाधान' का नया प्रस्ताव भेजा है, हालांकि, इसमें परमाणु मुद्दे को फिलहाल अलग रखा है। इसके अलावा अघारची ने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक से भी बातचीत की, जहां होर्मुज जलडमरूमध्य और शांति बहाली पर चर्चा हुई। इसके बाद वे रूस पहुंचे।

तनाव के बीच एक अहम घटना सामने आई, जब ईरान ने ओमान के पास एक केमिकल टैंकर को रोका, जिसमें 12 भारतीय क्रू सदस्य मौजूद थे।

इजराइली ने लेबनान पर हमले जारी रखे हैं। हिज्बुल्लाह ने आत्मघाती हमले फिर शुरू करने की चेतावनी दी है। संगठन ने कहा कि 'सुसाइड स्क्वॉड' को सक्रिय किया जा सकता है।

पुतिन बोले- अपनी आजादी के लिए लड़ रहा ईरान

ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। रूस ने ईरान के प्रति खुला समर्थन जताया। पुतिन ने कहा कि ईरानी जनता साहस और वीरता के साथ अपनी आजादी और संप्रभुता के लिए लड़ रही है। उन्हें ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई का संदेश मिला है।

ट्रंप की चेतावनी: सीजफायर पर तीन दिन में फैसला करो

इधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान के पास युद्ध समाप्त करने और सीजफायर पर सहमत होने के लिए 'सिर्फ तीन दिन' बचे हैं। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान तेल निर्यात नहीं कर पाता, तो उसकी पाइपलाइन में दबाव बढ़ेगा, जिससे विस्फोट हो सकता है। पाइपलाइन फटती है, तो उसे दोबारा बनाना लगभग असंभव होगा।

ईरानी सांसद बोले- पाक का झुकाव अमेरिका की ओर

ताजा घटनाक्रम में ईरान के एक वरिष्ठ सांसद ने पाकिस्तान की मध्यस्थता की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ईरान की संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता इब्राहिम रेजई ने कहा कि पाकिस्तान भले ही ईरान का दोस्त हो, लेकिन वह अमेरिका और ईरान के बीच एक निष्पक्ष मध्यस्थ नहीं बन सकता। पाकिस्तान अक्सर ट्रंप और अमेरिका के हितों की तरफ झुका रहता है और उनके खिलाफ खुलकर कुछ नहीं कहता।'

आप के सात सांसदों का भाजपा में विलय मंजूर

नई दिल्ली, जेएनएन। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने आप के सात बागी सांसदों के भाजपा में विलय को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद उच्च सदन में राजनीतिक समीकरणों में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। अब राज्यसभा में भाजपा के सांसदों की संख्या 106 से बढ़कर 113 हो गई है, जबकि आम आदमी पार्टी की संख्या घटकर सिर्फ 3 रह गई है। भाजपा में शामिल होने वाले सात सांसदों में राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, विक्रमजीत साहनी, स्वाति मालीवाल और राजेंद्र गुप्ता शामिल हैं। इस फैसले से पहले आप ने सभापति से इन सांसदों की सदस्यता खत्म करने की मांग की थी। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने पत्र लिखकर दलबदल कानून के तहत इन्हें अयोग्य घोषित करने की अपील की थी।

राज्यसभा के शक्ति संतुलन में बदलाव

पहली बार: आम नागरिक भी बन सकेंगे अंतरिक्ष के यात्री

बेंगलुरु, जेएनएन। भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक ऐतिहासिक बदलाव करते हुए इसरो ने पहली बार अपने एस्ट्रोनॉट कैडर को आम नागरिकों के लिए खोलने का निर्णय लिया है। इसरो की एस्ट्रोनॉट चयन समिति ने सिफारिश की है कि गगनयान मिशन के दूसरे बैच में सिविलियन विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाए। प्रस्ताव के अनुसार, दूसरे बैच में वायुसेना के 6 पायलटों के साथ 4 सिविलियन विशेषज्ञ शामिल होंगे। ये विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित पृष्ठभूमि से होंगे। पहले बैच में केवल वायुसेना के टेस्ट पायलटों को शामिल किया गया था, क्योंकि शुरुआती मिशन में सुरक्षा और तकनीकी दक्षता सर्वोपरि होती है। अब तकनीक परिपक्व हो रही है, तो आम नागरिकों के लिए भी अंतरिक्ष के दरवाजे खुलने लगे हैं।

ट्रेनिंग में लगेंगे 4.5 साल: एक एस्ट्रोनॉट को चयन से लेकर मिशन के लिए तैयार करने में लगभग 54 महीने यानी साढ़े चार साल का समय लगता है। इसरो का लक्ष्य है कि दूसरा बैच अगले 72 महीनों में और तीसरा बैच 96 महीनों में पूरी तरह तैयार हो जाए। हालांकि, सिविलियन एस्ट्रोनॉट्स को तुरंत अंतरिक्ष में नहीं भेजा जाएगा। योजना के अनुसार, उन्हें चौथे मानव मिशन से चालक दल में शामिल किया जाएगा।

वसुंधरा के कथित पत्र का मामला: हाईकोर्ट ने लगाई राजस्थान पुलिस को फटकार

कहा- 29 अप्रैल को हर हाल में तीनों आरोपियों को अदालत में पेश करें

जबलपुर, जेएनएन। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने पूर्व निर्देश के बावजूद मध्य प्रदेश कांग्रेस आइटी सेल के तीनों कार्यकर्ताओं को पेश न किए जाने के रवैये को आड़े हाथों लिया है। इसी के साथ राजस्थान पुलिस को जमकर फटकार लगाई। साथ ही सख्त निर्देश दिया कि 29 अप्रैल को हर हाल में तीनों आरोपियों को कोर्ट के समक्ष पेश किया जाए। कोर्ट ने पुलिस की ओर से दिए गए 'मिस कम्युनिकेशन' के तर्क को दरकिनार कर दिया। कोर्ट ने राजस्थान पुलिस को दो दिन की मोहलत दी है। साथ ही गिरफ्तारी से जुड़े दस्तावेज व सीसीटीवी फुटेज भी प्रस्तुत करने का निर्देश दे दिया है। मामला राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे सिंधिया के नाम से वायरल फर्जी पत्र से संबंधित है। इसी सिलसिले में मप्र कांग्रेस आइटी सेल के तीन कार्यकर्ताओं को शिकंजे में लिया गया था। कोर्ट ने कहा कि निर्देशों के बावजूद आरोपियों को पेश नहीं करना गंभीर लापरवाही है।

मिस कम्युनिकेशन की दलील खारिज: सुनवाई के दौरान राजस्थान पुलिस की ओर से यह दलील दी गई कि आरोपियों को पेश न कर पाने के पीछे 'मिस कम्युनिकेशन' (सूचना में गड़बड़ी) कारण रहा। हालांकि अदालत ने इस तर्क को अस्वीकार्य मानते हुए कहा कि यह कोई उचित वजह नहीं है, खासकर तब जब मामला व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़ा हो।

चेतावनी वैज्ञानिकों ने की समुद्र के भीतर नए और चिंताजनक खतरे की पहचान

'फैंटम गैस' लीक से बढ़ेगी ग्लोबल वार्मिंग

न्यूयॉर्क सिटी, जेएनएन। दुनिया के वैज्ञानिकों ने समुद्र के भीतर एक नए और चिंताजनक खतरे की पहचान की है, जिसे 'फैंटम गैस लीक' कहा जा रहा है। यह ऐसी गैस रिसाव की घटना है, जिसका स्रोत स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देता, लेकिन इसका असर पृथ्वी की जलवायु पर गंभीर हो सकता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक समुद्र की गहराइयों से बड़ी मात्रा में मीथेन गैस निकल रही है, जो ग्लोबल वार्मिंग को तेजी से बढ़ा सकती है। इस खोज का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यह रिसाव काफी समय तक नजरों से दूर रहा। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर उत्सर्जन की निगरानी मुख्यतः जमीन और उद्योगों पर केंद्रित है, जबकि समुद्र से होने वाले उत्सर्जन पर कम ध्यान दिया जाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर इस तरह के रिसाव का सही आकलन नहीं किया गया, तो वैश्विक कार्बन बजट का अनुमान गलत साबित हो सकता है। इसलिए उन्होंने सैटेलाइट मॉनिटरिंग, अंडरवॉटर ड्रोन और उन्नत सेंसर सिस्टम को मजबूत करने की सिफारिश की है। यह खोज वैश्विक जलवायु नीतियों के लिए एक नई चुनौती पेश करती है। अब तक जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयास मुख्य रूप से औद्योगिक उत्सर्जन को कम करने पर केंद्रित थे।

'फैंटम' यानी ड्रिलिंग के बिना गैस का उत्सर्जन

'फैंटम गैस लीक' वह स्थिति है, जब गैस उत्सर्जन ऐसे स्थानों से होता है जहां कोई स्पष्ट औद्योगिक गतिविधि जैसे तेल या गैस ड्रिलिंग नहीं होती। इस बार यह रिसाव खुले समुद्र के उन हिस्सों में हुआ, जिन्हें पहले स्थिर माना जाता था। इस खोज में सैटेलाइट तकनीक और समुद्र के भीतर लगाए सेंसर की मदद ली गई। यूनिवर्सिटी ऑफ सरे के वैज्ञानिकों ने अपने शोध में बताया कि 'समुद्र तल से असामान्य मीथेन के गुबार निकलते देखे गए हैं।'

इसलिए खतरनाक है मीथेन: मीथेन अत्यंत शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस है। 100 साल के समय-फ्रेम में यह कार्बन डाइऑक्साइड से 25 गुना ज्यादा असरदार होती है। समुद्र की सतह का तापमान बढ़ता है, तो नीचे मौजूद मीथेन हाइड्रेट अस्थिर हो जाते हैं और गैस के रूप में निकलने लगते हैं। इससे खतरनाक 'फीडबैक लूप' बनता है।

अचानक और अनियंत्रित उत्सर्जन से खतरा

- यह रिसाव अप्रत्याशित है, इसलिए कंट्रोल करना या पहले से अनुमान लगाना मुश्किल है।
- समुद्र के अंदर गैस रिलीज होने से ऑक्सीजन स्तर और समुद्री जीवों के जीवन पर असर पड़ सकता है।
- देशों द्वारा तय किए गए उत्सर्जन लक्ष्यों का आकलन गलत हो सकता है क्योंकि यह 'छिपा हुआ' उत्सर्जन है।
- तापमान बढ़ने से हीटवेव, तूफान, बाढ़ और सूखे जैसी घटनाएं और ज्यादा तीव्र हो सकती हैं।

लद्दाख में 5 नए जिलों को मंजूरी, अब 7 जिले

लेह, जेएनएन। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने के लिए उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने पांच नए जिलों के गठन को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही लद्दाख में जिलों की संख्या 2 से बढ़कर 7 हो जाएगी। नए जिलों में नुब्रा, शाम, चांगथांग, जांस्कर और द्रास शामिल हैं। इन क्षेत्रों में लंबे समय से अलग जिले बनाने की मांग उठ रही थी। केंद्र सरकार का गृह मंत्रालय पहले ही इस प्रस्ताव को मंजूरी दे चुका था।

दिल्ली को 75 पर ढेर कर 39 गेंद में जीती आरसीबी (पेज : 11)

दैनिक जागरण रीवा संस्करण की 73वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
बृजवासी
डेयरी एण्ड क्रीमरी
बृजवासी प्रसाद तिवारी
बरहुला वाले
महामंत्री
कांग्रेस सद्भावना प्रकोष्ठ
जिला कांग्रेस कमेटी रीवा ग्रामीण
जिला-रीवा (म.प्र.)
सहयोगी प्रतिष्ठान-
बृजवासी हॉस्पिटल
डभौरा रोड, रामबाग चौराहा
जिला-रीवा (म.प्र.)
100% शुद्ध खोवे से निर्मित मिठाईयाँ, खोवा, पनीर, दही, क्रीम, मक्खन एवं नमकीन आदि।
शॉप नं. 03,04 सिरमौर चौराहा, रीवा (म.प्र.)

दैनिक जागरण
रीवा संस्करण की
73वीं वर्षगांठ पर
हार्दिक शुभकामनाएं
मा. बहन कु. मायावती जी
राष्ट्रीय अध्यक्ष
एवं पूर्व मुख्यमंत्री (उ.प्र.) बसपा
अमरनाथ पटेल
(डब्लू भैया)
जिला प्रभारी, मऊगंज
पूर्व विधानसभा प्रत्याशी, देवतालाब 72,
जिला मऊगंज (म.प्र.)

दैनिक जागरण रीवा संस्करण की 73वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
REWA HOSPITAL RESEARCH CENTRE Pvt. Ltd.
विंध्य क्षेत्र का पहला NABH मान्यता प्राप्त, 100 बिस्तरीय सर्वसुविधा युक्त
मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल
एन.ए.बी.एच. मान्यता प्राप्त अस्पताल
रीवा हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर
पी.टी.एस.रोड, समान, रीवा
सोनोग्राफी/ आई.सी.यू./ एन.आई.सी.यू./ डायलिसिस/ एण्डोस्कोपी
उपलब्धियां
मध्य प्रदेश के सभी शासकीय कर्मचारियों एवं उनके आश्रित परिवारों को CGHS इलाज की सुविधा उपलब्ध। भूत पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रित परिवारों को ECHS के माध्यम से इलाज की सुविधा उपलब्ध।
आयुष्मान जन आरोग्य योजना से कैंसर एवं अन्य बीमारियों के इलाज की सुविधा, सभी प्रकार के मेडिक्लेम की सुविधा उपलब्ध
24x7 इमरजेन्सी / कैजुअल्टी / फार्मेसी / पैथोलॉजी / एम्बुलेन्स / डिजिटल एक्सरे
उपलब्ध विभाग
• यूरोलॉजी • न्यूरोसर्जरी
• कार्डियोलॉजी • गैस्ट्रोलॉजी
• प्लास्टिक सर्जरी • मेडिसिन
• सर्जरी • गायनी एवं आब्स
• पिडियाट्रिक्स • आर्थोपेडिक्स
पता:- पी.टी.एस.रोड, समान, रीवा (म.प्र.)
संपर्क- 6260807980, 07662-359042

दैनिक जागरण रीवा संस्करण की 73वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल
VIHAAN HOSPITAL & RESEARCH CENTER
आयुष्मान योजना के तहत
मुफ्त इलाज की सुविधा उपलब्ध एवं समस्त प्रकार के मेडिक्लेम व ECHS से निःशुल्क इलाज की सुविधा
24/7 Emergency Services
उपलब्ध सुविधाएं
• जनरल मेडिसिन
• अस्थि रोग
• स्त्री एवं प्रसूति रोग
• शिशु रोग
• जनरल सर्जरी
• प्लास्टिक सर्जरी
• नाक कान गला (ENT) विभाग
• अत्याधुनिक पैथालॉजी
• नेफ्रोलॉजी एवं डायलिसिस
• अत्याधुनिक ICU/NICU
• आधुनिक उपकरणों से युक्त OT
आयुष्मान के अंतर्गत आने वाले विभाग
✓ प्लास्टिक सर्जरी ✓ आर्थोपेडिक्स ✓ स्पाइन सर्जरी
✓ यूरोसर्जरी ✓ मैक्सिलो ✓ डायलिसिस
✓ जनरल मेडिसिन ✓ फेसियल सर्जरी ✓ स्त्री रोग
✓ जनरल सर्जरी
पता : एन.एच.-7, लैण्डमार्क होटल के पास, रतहरा, रीवा (म.प्र.)
मो. : 9009072800, 9074514614

दैनिक जागरण रीवा संस्करण की 73वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
NATIONAL HOSPITAL
नेशनल हॉस्पिटल
आयुष्मान में नि:शुल्क
• कीमोथेरेपी एवं कैंसर सर्जरी
• पथरी का दूरबीन के द्वारा ऑपरेशन
• प्रोस्टेट, हार्निया, हाइड्रोसील
8516903347,18008890620, 8608600604
पता: नेशनल हॉस्पिटल समान तिराहा न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.)

दैनिक जागरण
रीवा संस्करण की 73वीं वर्षगांठ पर
हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
विजय मिश्रा
एम.डी.
अरविंद मिश्रा
डायरेक्टर
विनीत मिश्रा
डायरेक्टर
विकास मिश्रा
डायरेक्टर
मे. विजय कुमार मिश्रा कंस्ट्रक्शन
प्राइवेट लिमिटेड, रीवा

नाला तो साफ कर रहे, मलबा कौन हटाए!

नाले, नालियों का कचरा किनारे छोड़ चले जाते हैं, फिर वापस समा जाता है नाले में

जागरण, रीवा। हाल में पदस्थ हुए निगमायुक्त ने मातहतों को शहर के नाले, नालियों की सफाई करने के सख्त निर्देश दिए हैं, जिनके द्वारा आयुक्त के निर्देशों के परिपालन में नाले-नालियों की सफाई तो की जा रही है, किन्तु नाले -नालियों से निकाला गया कचरा नाले के किनारे ही छोड़ दिया जाता है, जिसमें से कई स्थानों से बाद में कचरा हटाया नहीं जाता, निकाला गया कचरा कुछ समय बाद पुन: नाले में ही समा जाता है, जिससे सफाई का कोई महत्व ही नहीं रह जाता। तत्कालीन आयुक्त ने भी पिछले वर्ष मातहतों को शहर में खुले पड़े नाले-नालियों को ढंकने के निर्देश दिए थे, किन्तु उक्त निर्देशों का पालन नहीं हुआ, अभी भी शहर के मध्य कई खतरनाक नाले व नालियां खुले पड़े दुर्घटना को न्यौता दे रहे हैं, अमहिया क्षेत्र में ही वर्षाकाल के दौरान खुले नाले में बहने से दो वर्षीय बालक को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था, किन्तु इसके पश्चात भी निगम आयुक्त के निर्देशों का पालन नहीं किया गया। दो-ढाई माह फिर से बरसात का आगाज हो जाएगा, इस बार भी खुले नाले-नालियां ढंक पाएंगे अथवा नहीं ये बता पाना मुश्किल होगा।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था की साख पर सवाल

अमेरिकी राष्ट्रपति की मौजूदगी में आयोजित रात्रिभोज-कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति द्वारा की गई गोलीबारी चिंता का विषय है। यहां एक बड़ा सवाल यह पैदा हुआ है कि हमलावर का इरादा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर सीधे हमले का था या सिर्फ विरोध जताने की आपराधिक कोशिश? दोनों ही स्थितियों में यह हमला निंदनीय और अफसोसजनक है। इससे अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था की साख पर सवाल पैदा होते हैं कि एक बंदूकधारी व्हाइट हाउस के कार्यक्रम में कैसे प्रवेश कर गया? यह अमेरिकी एजेंसियों के लिए जांच का विषय होगा कि इस हमले के पीछे केवल वैचारिक विरोध है या जेहादी मानसिकता या किसी दुश्मन देश की साजिश या ड्रग माफिया की कारस्तानी? ध्यान रहे, अमेरिका की सबसे बड़ी प्रतिष्ठा यही है कि वह तुलनात्मक रूप से अन्य देशों से ज्यादा सुरक्षित माना जाता है। उसने अपनी सुरक्षा के लिए पैसा पानी की तरह बहाया है और इसके बावजूद ऐसी कोताही गंभीर बात है। ईरान या अन्य देशों के लोगों को सुरक्षा देने का दावा करने वाले अमेरिका की अपनी उच्चस्तरीय सुरक्षा में लगी यह सेंध सबक है।

जिस वक्त गोलियां चलीं, उस समय वहां अमेरिकी राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति, रक्षा और विदेश मंत्री सहित अनेक संवाददाता भी मौजूद थे। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर हमलावर की तस्वीरें खुद जारी की हैं। उन्होंने बताया है कि संदिग्ध कैलिफोर्निया का रहने वाला है और घटना के समय उसके पास कई हथियार थे। हमलावर के पास अनेक हथियार का होना तो और भी चिंता की बात है। यह बात भी गौर करने की है कि ईरान पर हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने रक्षा और खुफिया कार्यों में लगे अनेक अधिकारियों को पद से हटाया है। क्या उनकी नई रक्षा टीम पर्याप्त सशक्त और सचेत नहीं है? कोई शक नहीं कि इस हमले के बाद कम से कम व्हाइट हाउस के कार्यक्रमों की सुरक्षा को चाक-चौबंद कर दिया जाएगा। इससे आगे बढ़कर ट्रंप को अपनी रणनीतियों की भी समीक्षा करनी चाहिए।

विश्व में ही नहीं, देश के स्तर पर भी ट्रंप की नीतियों के आलोचक बढ़ रहे हैं। जो बुद्धिजीवी ट्रंप के धुर समर्थक थे, वे भी ट्रंप के प्रति खुलकर असंतोष जताने लगे हैं। अपने प्रति बढ़ रही नाराजगी के बारे में भी ट्रंप को ईमानदारी से विचार करना चाहिए। याद हो कि पहले भी ट्रम्प पर दो बार हमला हो चुका है। इसके पहले 15 सितंबर 2024 में फ्लोरिडा गोल्फ कोर्स में ट्रंप को निशाना बनाने का प्रयास किया गया। ट्रंप वेस्ट पाम बीच में गोल्फ खेल रहे थे, जब 59 वर्षीय रयान वेस्ले राउथ ने एके-स्टाइल राइफल लेकर झाड़ियों में छिपकर निशाना साधा था। इस दौरान भी डोनाल्ड ट्रंप बचकर निकलने में कामयाब रहे थे। डोनाल्ड ट्रंप 13 जुलाई 2024 को पेन्सिलवेनिया में चुनाव प्रचार अभियान के दौरान खूनी हमले में बाल-बाल बचे थे। यह घटने अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ी करती आई हैं।

यह कहना ही चाहिए कि अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप दुनिया में समाधानों को नहीं, समस्याओं को बढ़ा रहे हैं। उनके गलत कदमों का खमियाजा दुनिया के ज्यादातर देश भुगत रहे हैं। सुरक्षा एक व्यापक विषय है। अमेरिकी रक्षा विशेषज्ञ भी इस बात को जानते होंगे कि दुनिया के अनेक इलाकों में असुरक्षा बोध का संचार करने के बाद अमेरिका अपनी सुरक्षा के प्रति सोलह आना आश्वस्त नहीं हो सकता। अमेरिका अगर चाहता है कि उसकी समस्या को दुनिया अपनी समस्या माने, तो उसे भी यह साबित करना होगा कि वह दुनिया की समस्या को अपनी मानता है। ध्यान रहे, अलग-अलग देशों के लिए अलग-अलग नीतियां असुरक्षा ही बढ़ाएंगी। पहले इराक, फिर अफगानिस्तान और अब ईरान के साथ जो व्यवहार हो रहा है, उसमें प्रशंसा के तत्व कम हैं और आलोचना के तत्व ज्यादा। युद्ध करने की बात हो या युद्ध समाप्त करने की, दोनों में ईरानी रणनीति बीस पड़ रही है। सबसे पुराने लोकतांत्रिक देश अमेरिका को फिर महान बनाना चाहिए, लेकिन ऐसे कदमों की भी जरूरत है, जिसे दुनिया मुक्त कंठ से महान माने।

प्रसंगवश

दलबदल कानून की प्रासंगिकता पर सवाल

आम आदमी पार्टी (आप) से जुड़े राज्यसभा के सात सांसदों ने जिस तरह अपने दल को छोड़ कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़ने की घोषणा की और भाजपा ने भी तत्तकाल उनका स्वागत किया, उसने एक बार फिर राजनीति में नैतिकता और दल-बदल कानून की प्रासंगिकता पर बहस छेड़ दी है।

देश के राजनीतिक परिदृश्य में एक दल को छोड़ कर दूसरे में शामिल होने को लोकतांत्रिक अधिकार के तौर पर देखा जाता है। मगर सच यह भी है कि जब जनप्रतिनिधियों ने सिद्धांतों के बजाय सुविधा के मुताबिक पार्टी बदलने को एक आम चलन बनाना शुरू कर दिया, तब इस पर लगाम लगाने की जरूरत पड़ी और इसी क्रम में दल-बदल विरोधी कानून अस्तित्व में आया। विडंबना यह है कि इस कानून के लागू होने के बावजूद अलग-अलग कारणों का हवाला देकर विधायकों या सांसदों के पाला बदलने या दूसरी पार्टियों में शामिल होने के मामले आए दिन सामने आते रहे हैं। मगर इस बार आम आदमी पार्टी से जुड़े राज्यसभा के सात सांसदों ने जिस तरह अपने दल को छोड़ कर भारतीय जनता पार्टी से जुड़ने की घोषणा की है, उसने एक बार फिर राजनीति में नैतिकता और दल-बदल कानून की प्रासंगिकता पर बहस छेड़ दी है। गौरतलब है कि राज्यसभा में आप के दस सांसद थे। उनमें से राघव चड्ढा सहित सात सांसदों ने पार्टी छोड़ दी। उनका मानना है कि चूंकि अलग होने वाले सांसदों की संख्या दो-तिहाई की कसौटी पर पूरी है, इसलिए दल-बदल विरोधी कानून के तहत यह गलत नहीं है।

संभव है कि आप छोड़ कर भाजपा में शामिल होने वाले इन नेताओं के लिए सिर्फ कानून के प्रावधानों पर खरा उतरना ही किसी कार्रवाई से बचने के लिए काफी है, लेकिन सवाल है कि क्या केवल तकनीकी तौर पर सही होकर ही खुद को नैतिकता की कसौटी पर भी उचित मान लिया जा सकता है! खैर, आम आदमी पार्टी की ओर से संबंधित सातों सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग करने की बात कही गई है। हवाला यह दिया गया है कि दल-बदल कानून में राज्यसभा और लोकसभा में किसी भी प्रकार का विभाजन या गुटबंदी करने पर स्पष्ट तौर पर मनाही की गई है, भले ही वहां दो-तिहाई बहुमत हो।

जाहिर है, आप के नेता अब दल-बदल से संबंधित कानूनी बारीकियों के मुताबिक कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं। मुख्यमंत्री राष्ट्रपति से मांग करना चाहते हैं कि जो पंजाब विधायकों के वोट से राज्यसभा सांसद चुने गए थे, उन्हें 'अयोग्य' करार दिया जाए। सवाल है कि राष्ट्रपति किसी भी सांसद को 'अयोग्य' कैसे घोषित कर सकते हैं? यह संवैधानिक अधिकार उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा सभापति को ही है, जिसकी अपनी एक प्रक्रिया है। 'आप' संसदीय दल के नेता संजय सिंह भी सभापति राधाकृष्णन को पत्र लिख कर सांसदों की सदस्यता खत्म करने की मांग करेंगे। मगर यह देखने की बात होगी कि इस मसले पर मान्यता का मुद्दा उठने पर अंतिम फैसला क्या आता है। एक सवाल अपना दल छोड़ कर सांसदों के भाजपा में शामिल होने और पार्टी के रूप में विलय से जुड़े संदर्भ का भी उठेगा। हालांकि पिछले कुछ समय से राघव चड्ढा की राजनीतिक सक्रियता जिस तरह उलझी हुई दिख रही थी, उसके मद्देनजर पहले से ही उनके पार्टी से बाहर होने की संभावना जताई जा रही थी। मगर उनके साथ जिस तरह छह अन्य नेताओं ने पार्टी छोड़ी है, उसे लेकर राजनीतिक हलके में थोड़ी हैरानी जताई जा रही है।

राजनीति में बिना किसी सैद्धांतिक आधार के सुविधा के मुताबिक दल बदलने की प्रवृत्ति और इसके सहारे सरकारों की स्थिरता के प्रभावित होने के हालात को रोकने के लिए दल-बदल कानून बनाया गया था। मगर पिछले कुछ वर्षों से इस कानून के तहत मिली छूट का लाभ उठा कर कई राज्यों में जिस तरह सरकारें बदली गईं, उसमें कहीं भी सैद्धांतिक कसौटी का ख्याल रखना जरूरी नहीं समझा गया। ऐसे अनेक मामले सामने आए, जिसमें सिर्फ परिस्थितियों का लाभ उठाने के लिए विचारधारात्मक प्रतिबद्धता के सवाल को दरकिनार कर दिया गया और ऐसे नेताओं के लिए दल-बदल कानून कोई बाधा नहीं बना। इसी क्रम में आप के सात सांसदों के भाजपा में शामिल होने पर फिर यह सवाल उठा है कि आखिर दल-बदल कानून की प्रासंगिकता क्या रह गई है।

मौसम का प्रभाव

आसमान के नीचे काम करने वाले मजदूरों पर कहर बरापा रही गर्मी

अर्थव्यवस्था और रोजगार पर भी खतरा

पत्रलेखा चटर्जी

देश इन दिनों भीषण गर्मी से जूझ रहा है। कई शहरों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। यह गर्मी उन करोड़ों मजदूरों को सबसे ज्यादा प्रभावित कर रही है, जिनकी आजीविका खुले आसमान के नीचे निर्भर है। ऐसे में, यह संकट नीति और प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने को मजबूर करता है।

खतरनाक गर्मी पूरे देश में लाखों लोगों को अपनी चपेट में ले रही है। राजधानी दिल्ली में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच चुका है, जबकि उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश के 35 जिलों में लू (हीटवेव) की चेतावनी जारी की गई है। इस भीषण गर्मी के चलते राज्य के कई हिस्सों में आग लगने की घटनाएं भी सामने आई हैं। मौसम विभाग ने लोगों को गर्मी के प्रति सावधानी बरतने का आग्रह किया गया है। जैसे—धूप में लंबे समय तक न रहें, दिन के समय केवल तभी बाहर निकलें, जब बहुत जरूरी हो; बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें; खूब पानी पिएं; हल्के और ढीले कपड़े पहनें; घर से बाहर निकलते समय सिर ढककर रखें; और यदि चक्कर आना, सिरदर्द, तेज बुखार, उल्टी या कमजोरी महसूस हो, तो डॉक्टर से संपर्क करें। ये सभी अच्छी सलाहें हैं, लेकिन भीषण गर्मी और लू की प्रचंडता को देखते हुए हमें इससे कहीं आगे बढ़कर सोचने की जरूरत है।

एक अनुमान के मुताबिक, देश के कार्यबल का करीब तीन-चौथाई हिस्सा यानी करीब 38 करोड़ मजदूर ऐसे काम करते हैं, जिनमें उन्हें सीधे धूप और गर्मी का सामना करना पड़ता है। इनमें खेती, निर्माण कार्य और अन्य असंगठित क्षेत्र के काम शामिल हैं, जिन पर देश की करीब आधी अर्थव्यवस्था निर्भर करती है। आने वाले वर्षों में गर्मी का संकट और गहरा सकता है।वैश्विक आकंडों के मुताबिक 2030 तक करीब 20 करोड़ लोगों को जानलेवा गर्मी का सामना करना पड़ सकता है।

वहीं, बढ़ती गर्मी के कारण दुनिया भर में लाखों नौकरियां खत्म होने की आशंका है। स्पष्ट है कि भारत में बढ़ी लू की समस्या अब सिर्फ मौसमी नहीं रह गई है, बल्कि आर्थिक और सामाजिक संकट बन चुकी है, जो हर दिन गंभीर होती जा रही है। ग्रीनहाउस गैसों के कारण जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ रहा है, लू की घटनाएं पहले से ज्यादा बार हो रही हैं, ज्यादा समय तक चल रही हैं, और काफी असर डाल रही हैं। पिछले चालीस वर्षों में, लू वाले दिनों की संख्या और उनकी अवधि—दोनों में लगातार बढ़ोतरी हुई है, जबकि 'हीट हॉटस्पॉट' (लू के केंद्र) का दायरा भी लगभग डेढ़ गुना बढ़ गया है।

उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के इलाके, तटीय क्षेत्र, और खासतौर पर विशाल इंडो-गंगेटिक मैदान, जहां 60 करोड़ से अधिक लोग रहते हैं और जो देश का सबसे महत्वपूर्ण कृषि क्षेत्र है, आज इस संकट से सबसे ज्यादा जूझ रहा है। इन मैदानी इलाकों में दिन की तेज गर्मी और हवा में बढ़ती नमी (पिछले दस वर्षों में करीब 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी) मिलकर बेहद खतरनाक 'नम-गर्मी की लहरें' पैदा कर रही हैं। यह स्थिति 'वेट-बल्ब तापमान' को बढ़ा देती है, यानी ऐसा स्तर, जहां गर्मी और नमी मिलकर इन्सान के शरीर की प्राकृतिक ठंडक प्रणाली (पसीने) को बेअसर कर देती है। नतीजतन, एक सामान्य गर्म दिन भी लाखों किसानों और खुले में काम करने वाले मजदूरों के लिए जानलेवा बन जाता है, क्योंकि उनके पास इनसे बचने का कोई ठोस साधन नहीं होता। जो चीज पहले कभी-कभार हुआ करती थी, वह अब भारत की जलवायु का हिस्सा बन गई है।

इन सबके बावजूद, सरकार की प्रतिक्रिया अब भी सीमित और संकीर्ण नजर आती है। मौजूदा 'हीट एक्शन प्लान' मुख्य रूप से छोटे और अस्थायी उपायों तक ही सिमटे हुए हैं। ये योजनाएं उस बड़ी और जटिल तस्वीर को नजरअंदाज करती हैं, जिसमें गर्मी के बदलते स्वरूप शामिल हैं-जैसे रात के तापमान में तेजी से बढ़ोतरी, शहरों में 'हीट आइलैंड प्रभाव' का बढ़ना, और बढ़ती नमी से पैदा हो रही असहनीय परिस्थितियां, जो अब इंडो-गंगेटिक मैदान के बड़े हिस्से को प्रभावित कर रही हैं। सेंटर फॉर फाइनेंशियल अकाउंटबिलिटी के अनुसार, 'भारत की नीतियां अभी तक ऐसे व्यापक ढांचे विकसित नहीं कर पाई हैं, जो जलवायु अनुकूलन को आवास, श्रमिक सुरक्षा और शहरी योजना से जोड़ सकें। हकीकत यह है कि भारत अब भी लू को दीर्घकालिक विकास चुनौती के बजाय अल्पकालिक आपदा मानता है। जलवायु-अनुकूल बुनियादी ढांचे (जैसे छायादार बाजार क्षेत्र, आराम करने की जगहें, ठंडक वाले केंद्र और साफ-सफाई की सुविधाएं) की कमी का सीधा असर उन लोगों पर पड़ता है, जो पहले से ही कमजोर हैं। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, महिला विक्रेताओं की आय घटती है, स्वास्थ्य जोखिम बढ़ते हैं और कर्ज का बोझ भी बढ़ता जाता है।'

अच्छी खबर यह है कि भारत में राज्य और शहर के नेता अपनी खुद की गर्मी से निपटने की रणनीतियां लेकर आ रहे हैं। उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु ने लू को राज्य-विशिष्ट आपदा घोषित कर दिया है, जिससे राहत, मुआवजे और तैयारियों के लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष के संसाधनों का उपयोग किया जा सकेगा। केरल, तेलंगाना और कई अन्य राज्यों ने भी ऐसा ही किया है।

लेकिन खराब शहरी योजना, खत्म होते हरे-भरे इलाके और निर्बाध बनती इमारतें—ये सभी शहरी इलाकों में गर्मी की समस्या को बढ़ा रहे हैं। हमें ऐसी व्यापक रणनीतियों की जरूरत है, जो जलवायु अनुकूलन को बेहतर आवास, मजदूरों की सुरक्षा और समझदारी भरी शहरी योजना से जोड़ें। अभी भी, भारत में लू को देश के विकास के लिए लंबे समय तक बने रहने वाले खतरे के बजाय, बस छोटी-मोटी आपात स्थिति की तरह ही देखा जा रहा है।

गर्मी से आर्थिक नुकसान बहुत ज्यादा है और कुछ समूहों पर इसका असर दूसरों के मुकाबले कहीं ज्यादा पड़ता है। झुलसा देने वाली गर्मी काम के घंटे को कम कर देती है, उत्पादन घटा देती है और चिकित्सा खर्च बढ़ा देती है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन का अनुमान है कि 2030 तक भारत गर्मी के तनाव की वजह से अपने कुल काम के घंटों का लगभग 5.8 प्रतिशत हिस्सा खो सकता है (जो 3.4 करोड़ पूर्णकालिक नौकरियां खोने के बराबर है) और इसमें खेती और निर्माण क्षेत्र को सबसे ज्यादा नुकसान होगा। अब हमें गर्मी-रोधी बुनियादी ढांचे, मजदूरों के लिए ठोस सुरक्षा उपायों, और ऐसी सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों पर पैसा खर्च करने की जरूरत है, जो सचमुच लिंग-भेद का ध्यान रखें।

खुला मंच

ये है असली घोषणापत्र

गुरमीत बेदी

घोषणा पत्र तो आपने बहुत से देखे होंगे। दक्षिणपंथियों का भी देखा होगा, उत्तर पंथियों का भी देखा होगा, पूर्वपंथियों का भी देखा होगा और पश्चिम पंथियों का भी देखा होगा। इसके अलावा और कई छोटे-मोटे पंथियों के भी देखे होंगे जो चुनाव के दिनों में कुकुरमुत्तों की तरह उग आते हैं । इनमें से 90 फीसदी घोषणा पत्र महज़ कागज का पुलिंदा बनकर रह जाते हैं । लेकिन मैं इस दावे के साथ मैदान में आया हूं कि मेरा घोषणा पत्र एकदम असली है, शुद्ध है और इसमें कहीं भी कोई मिलावट नहीं है, जैसे इंडिया में देसी घी और दूध में कोई मिलावट नहीं होती। अगर होती भी है तो सिर्फ मन का वहम होता है। मैंने अपने घोषणा पत्र में लोगों को कोई सब्ज़बाग नहीं दिखाए हैं। कोई भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश या देश बनाने की बात नहीं कही है। कहीं भी ईमानदारी की कोई बात नहीं कही है। कोई चीज मुफ्त में देने की बात भी नहीं कही है। जो कुछ कहा है, ईश्वर को साक्षी मानकर कहा है। इसलिए जो लोग ईश्वर पर भरोसा रखते हैं, उन्हें मेरे घोषणा पत्र पर भी भरोसा करना होगा।

मेरे तमाम वादे लंबी अवधि के हैं। मैं वादों को 5 साल या 10 साल की सीमा में नहीं बांधना चाहता। क्योंकि 10 साल के बाद भी इलेक्शन आएंगे। फिर में कोई नया घोषणा पत्र बनाने की जहमत नहीं उठाऊंगा। मेरा यह घोषणा पत्र अगले 50 सालों की अवधि पर आधारित होगा और इसे अमलीजामा पहनाने की मियाद भी 50 साल ही रहेगी। अब आप पूछेंगे कि इसमें है क्या? तो जनाब, इसमें वही सब है जो आम आदमी हर दिन झेलता है- बस फर्क इतना है कि मैंने उसे वादे की शक्ल दे दी है।

मैंने वादा किया है कि ट्रैफिक जाम पहले जैसा ही रहेगा, ताकि लोगों को जीवन में ठहराव का महत्व समझ आता रहे। मैंने यह भी तय किया है कि महंगाई समय-समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रहेगी,मैंने बेरोजगारी खत्म करने का कोई झूठा वादा नहीं किया, बल्कि उसे 'राष्ट्रीय धैर्य परीक्षा' का दर्जा देने का प्रस्ताव रखा है। इसी तरह मैंने भ्रष्टाचार को 'अनौपचारिक प्रोत्साहन योजना' के रूप में स्वीकार करने की बात कही है। शिक्षा के क्षेत्र में भी मैंने क्रांतिकारी कदम उठाया है- डिग्रियां मिलती रहेंगी, ज्ञान मिले या न मिले । स्वास्थ्य सेवाओं में भी - बीमारियां आएंगी, जाएंगी और डॉक्टरों की व्यस्तता बनी रहेगी। इससे लोगों को अस्पतालों के दर्शन भी होते रहेंगे। मेरे घोषणा पत्र में कोई भी वादा ऐसा नहीं है जिसे पूरा करने के लिए मुझे कुछ करना पड़े। मैं केवल यह सुनिश्चित करूंगा कि कुछ भी बदले नहीं- क्योंकि बदलाव से उम्मीदें पैदा होती हैं । इस असली,घोषणा पत्र को दिल से स्वीकार कीजिए।

न्याय प्रक्रिया

व्यक्तिगत आरोपों या सोशल मीडिया दबाव के कारण जज का हटना न्यायिक स्वतंत्रता के लिए घातक

न्यायपालिका में अविश्वास, लोकतंत्र पर आघात

आलोक मेहता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरह अरविंद केजरीवाल हाल के वर्षों में चुनाव आयोग, संसद और अदालत जैसी संवैधानिक संस्थाओं के निर्णयों को चुनौती देते हुए उनकी विश्वसनीयता पर गंभीर संकट खड़े कर रहे हैं। सरकार और पार्टी के विरुद्ध अभियान चलाते हुए ये अब सीबीआइ और इडी के साथ वरिष्ठ न्यायाधीशों पर भी पूर्वाग्रह, पक्षपात के आरोप लगा रहे हैं। यानी ये जनता और दुनिया को बताना चाहते हैं कि न्यायपालिका पर भी भरोसा न किया जाये। यह लोकतंत्र के लिए बेहद खतरनाक है। यही कारण है कि दिल्ली हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने केजरीवाल सहित प्रतिपक्ष के नेताओं को गंभीर चेतावनी दी है। केजरीवाल ने शराब नीति घोटाले में निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट में खुद पेश होकर न्यायाधीश के विरुद्ध दलीलें पेश करते हुए खूब प्रचार लूटा। यदि इस मामले में उनकी ओर से कोई सामान्य वकील पेश हुआ होता, तो उसकी बातों का प्रचार नहीं हो सकता था।

अरविंद केजरीवाल ने न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा के समक्ष शराब नीति मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने के लिए अपनी दलील पेश की और सीबीआइ की याचिका की सुनवाई कर रही न्यायाधीश के खिलाफ कई आपत्तियां रखीं। बाद में एक अतिरिक्त हलफनामा दायर कर अपने नये आवेदन में केजरीवाल ने न्यायमूर्ति से जुड़े हितों के टकराव की आशंका जतायी। उन्होंने आरोप लगाये कि न्यायाधीश के बेटे और बेटी को केंद्र सरकार के कानूनी सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है, जो सीबीआइ के माध्यम से इस मामले में पक्षकार हैं। उनका तर्क इस कानूनी सिद्धांत पर आधारित था कि पूर्वाग्रह की उचित आशंका भी न्यायाधीश को हटाने की मांग के लिए पर्याप्त है। उनका कहना था कि न्याय न केवल होना चाहिए, बल्कि दिखना भी चाहिए।

सामान्य नियम-परंपरा के अनुसार कई मामलों में जज स्वयं किसी प्रकरण या व्यक्ति से कोई पुराना संबंध होने पर अलग हट जाते रहे हैं। फिर प्रभावशाली केजरीवाल की तरह कोई सामान्य व्यक्ति अदालत में तारीखें या फैसला टलवाने के लिए जज की जाति, धर्म या कोई अन्य कारण बताकर जज को बदलने की मांग करने लगे, तब अदालत क्या सुनेगी? सच तो यह है कि फैसले के बाद भी ऐसा आरोप लगाने पर अदालत की अवमानना के आधार पर सजा तक हो सकती है। केजरीवाल ने अपनी याचिका की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा के एबीएपी (अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद) के साथ उनके वैचारिक जुड़ाव की संभावना की ओर इशारा किया था, जो वकीलों का एक संगठन है और जिसे आरएसएस से संबद्ध माना जाता है। केजरीवाल ने न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा से अपने मामले से हटने की मांग करते हुए पक्षपात की आशंका जतायी।

सीबीआइ ने केजरीवाल के मामले से खुद को अलग करने के अनुरोध का विरोध करते हुए तर्क दिया कि इस तरह तो कई न्यायाधीश सरकारी मामलों की सुनवाई के लिए अयोग्य होने लगेंगे। एजेंसी के वकील ने दिल्ली हाई कोर्ट को बताया कि ऐसे दावे कानूनी रूप से निराधार हैं और संपूर्ण न्यायिक व्यवस्था को बाधित कर सकते हैं। अच्छा यह हुआ कि न्यायाधीश स्वर्णकांता शर्मा ने केस से हटने वाली केजरीवाल की याचिका खारिज करते हुए सख्त संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत आरोपों या सोशल मीडिया दबाव के कारण जज का हटना न्यायिक स्वतंत्रता के लिए घातक है।

अदालत ने केजरीवाल की दलीलों को निराधार बताते हुए कहा कि जजों की क्षमता पक्षकार नहीं, बल्कि उच्च अदालतें तय करती हैं और न्याय प्रक्रिया केवल मेरिट पर चलती है। निश्चित रूप से देश की अदालतों में नियुक्त होने वाले हर जज की छात्र जीवन से लेकर पारिवारिक पृष्ठभूमि रहती है। उनके माता-पिता, भाई-बहन, पति-पत्नी, मित्र किसी न किसी कार्य, संस्था, व्यवसाय, राजनीतिक संगठन से जुड़े हो सकते हैं। उच्च न्यायालयों के जज तो एक लंबे कानूनी अनुभव के बाद नियुक्त होते हैं। उस दौरान वे किसी संस्था के सार्वजनिक कार्यक्रम में भी जाते रह सकते हैं। यूं पिछले पचास-साठ साल में कई वरिष्ठ जज न केवल राजनीतिक पार्टी से आये, बल्कि पार्षद, विधायक अथवा सांसद रहे, या कई वर्ष तक जज रहने के बाद सांसद बन गये। तो क्या उन सबके कामकाज और फैसलों पर राजनीतिक पूर्वाग्रह के आरोप लगाये जा सकते थे या लगाये जा सकते हैं?

भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका को संविधान का संरक्षक माना जाता है। हालांकि समय-समय पर यह प्रश्न उठता रहा है कि क्या न्यायपालिका वास्तव में पूरी तरह राजनीति से मुक्त रही है? पिछले करीब साढ़े सात दशकों में कई ऐसे उदाहरण सामने आये हैं, जहां न्यायाधीशों का राजनीति से प्रत्यक्ष या परोक्ष संबंध देखा गया। न्यायपालिका ने कई बार अपनी स्वतंत्रता सिद्ध की है, परंतु राजनीति से उसके संबंधों ने बार-बार प्रश्न भी खड़े किये हैं। आपातकाल में न्यायपालिका पर राजनीतिक प्रभाव दिखाई पड़ा था। तब वरिष्ठता को दरकिनार कर जस्टिस एएन रे को प्रधान न्यायाधीश बनाया गया था। जस्टिस बहरुल इस्लाम पहले कांग्रेस के सांसद रहे, फिर न्यायाधीश और फिर पुनः राजनीति में आ गये। वह भारतीय न्यायिक इतिहास का अनोखा और विवादास्पद उदाहरण था। जस्टिस विजेंद्र जैन न्यायाधीश बनने से पहले कांग्रेस पार्टी के नेता रहे। उन्होंने दिल्ली नगर निगम के पार्षद के रूप में कार्य किया।

बाद में उन्होंने वकालत शुरू की, फिर दिल्ली हाई कोर्ट में न्यायाधीश नियुक्त हुए और कई महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई की और ऐतिहासिक फैसले दिये। हाल के वर्षों में भी रिटायर होने के बाद कुछ बड़े न्यायाधीश सांसद या राज्यपाल बने। राजनीतिक विवादों के बाद न्यायाधीशों की नियुक्ति में कार्यपालिका की भूमिका सीमित हुई और कॉलेजियम प्रणाली शुरू हुई। लेकिन तब परिवारवाद और पक्षपात के आरोप स्वयं कानूनविद लगाने लगे। पर जब आरोपी ही जज तय करने लगेंगे, तब न्याय व्यवस्था का क्या होगा? इस क्रम में सुप्रीम कोर्ट ने भी केंद्रीय जांच एजेंसी, प्रवर्तन निदेशालय के छापों की कार्रवाई में बाधा डालने के मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि इसे केंद्र-राज्य के संबंधों के संवैधानिक अधिकार नहीं माना जा सकता है।

जीवन दर्शन

परिस्थितियों के अनुकूल ढलने से ही सफलता

हम सभी अंतर्मुखी और बहिर्मुखी शब्दों से अच्छी तरह परिचित हैं। ये शब्द बोलते ही हमारे परिचित चेहरे 'अंतर्मुखी' या 'बहिर्मुखी सांचे' में फिट हो जाते हैं। इन दोनों शब्दों के अलावा एक और शब्द है 'ऑर्टोवर्ट'। यह एक ऐसा शब्द है जो अंतर्मुखी और बहिर्मुखी दोनों के बीच संतुलन स्थापित करता है अथवा सेतु का निर्माण करता है। किसी भी चीज की अधिकता अथवा न्यूनता दोनों ही दिक्कत उत्पन्न करती है। जहां संतुलन उत्पन्न हो जाता है, वहां सब सही हो जाता है।

ऑर्टोवर्ट को और अधिक सरल तरीके से समझते हैं। इसका सरल अर्थ हुआ—वह व्यक्ति जो अपनी ऊर्जा और व्यवहार को परिस्थितियों के अनुरूप या दूसरों को देखते हुए कुशलता से ढाल लेता है। ऑर्टोवर्ट व्यक्ति न तो पूरी तरह से बहिर्मुखी होता है और न ही पूरी तरह अंतर्मुखी, अपितु उसके अंदर दोनों के गुणों का समावेश होता है। इन गुणों का प्रयोग वह परिस्थितियों और वातावरण के अनुरूप करता है और बड़ी से बड़ी परेशानी और समस्या का हल निकाल लेता है। ऑर्टोवर्ट व्यक्ति के अंदर अनुकूलन क्षमता कूट-कूट कर भरी होती है। जो व्यक्ति अनुकूलन क्षमता के गुणों से भरा होता है, वह कठिन और विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखता है।

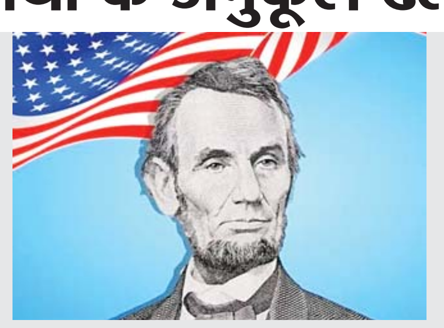

ऐसे में कई बार अनहोनी और दुर्घटनाएं हो जाती हैं। वहीं 'ऑर्टोवर्ट' व्यक्ति कुशलता से बड़ी दुर्घटनाओं को होने से रोक लेते हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन 'ऑर्टोवर्ट' थे। वे स्वयं को परिस्थितियों के अनुरूप बहुत ही सहजता और सरलता से ढाल लेते थे। उन दिनों अमेरिका में गृहयुद्ध छिड़ने के कारण अब्राहम लिंकन की रातों की नींद उड़ी हुई थी। एक दिन इलिनॉय से उनका कोई पुराना साथी व्हाइट हाउस पहुंचा। द्वार रक्षक बोला, 'यह समय उनसे मिलने का नहीं है। वे अभी कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक में हैं ।' यह सुनकर वह व्यक्ति बोला, 'तुम बस एब को इतना बता दो कि ओरलैंडो केलॉग आया है और उन्हें 'हकलाते इंसाफ' वाला किस्सा सुनाना चाहता है, वे मुझे तुरंत बुला लेंगे।' संदेश सुनते ही लिंकन ने उसे तुरंत अंदर लाने का आदेश दिया। फिर वे अपनी कैबिनेट की ओर मुखातिब होकर बोले, ''सज्जनों, ये मेरे बहुत ही आत्मीय और पुराने मित्र ओरलैंडो केलॉग हैं। ये हमें 'हकलाते इंसाफ' का किस्सा सुनाना चाहते हैं। वह बहुत दिलचस्प किस्सा है। इसलिए फिलहाल सब काम रोक कर वह किस्सा सुनते हैं।'' इसके बाद ओरलैंडो केलॉग वह किस्सा सुनाते रहे और अब्राहम लिंकन ठहाके पर ठहाके लगाते रहे, जबकि कैबिनेट के अन्य राजनीतिज्ञ और राष्ट्रीय समस्याएं प्रतीक्षा करती रहीं। वे लोग यह नहीं जानते थे कि अब्राहम लिंकन का यही अलहदा अंदाज समस्याओं और चुनौतियों से निपटने का कुशल हथियार था और वाकई उनके 'ऑर्टोवर्ट' व्यक्तित्व ने ही उन्हें इतिहास पुरुष के रूप में स्थापित कर दिया।

प्रत्येक व्यक्ति अपने अंदर 'ऑर्टोवर्ट' गुणों का विकास कर सकता है। वर्तमान समय में व्यक्तियों को 'ऑर्टोवर्ट' होना चाहिए क्योंकि यह जीवन के सबसे बुरे पड़ाव को भी आराम से पार कर लेता है क्योंकि उसके अंदर स्वयं को परिस्थितियों के अनुरूप मोड़ने की कला आ जाती है।

रेनू सेनी

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

विद्या मित्रं प्रवासेषु, भार्या मित्रं गृहेषु च!
व्याधितस्यौषधं मित्रं, धर्मो मित्रं मृतस्य च !!

भावार्थ

विद्या की यात्रा, पत्नी का घर, रोगी का औषधि व मृतक का धर्म सबसे बड़ा मित्र होता है।

थल सेना प्रमुख ने कैडेट्स को रोल मॉडल बनने किया प्रेरित

सैनिक स्कूल पहुंचे जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने ताजा की यादें

रीवा। सैनिक स्कूल में थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, पीवी एसएमए बीएसएम का आगमन अपरान्ह 12 बजे हुआ। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि ने सैनवा मेमोरियल पर श्रद्धांजलि अर्पित की, तत्पश्चात विद्यालय के परेड ग्राउंड पर कैडेट्स की परेड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर विद्यालय के मानेकशॉ सभागार में विशेष सभा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने कमांडर जेएस खोत प्रशासनिक अधिकारी, डॉ. एनके झा पीजीटी मैथ्स, प्रभाकर चक्रवर्ती पीजीटी फिजिक्स, हवलदार उमाशंकर एम एवं संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय के चिकित्सक व विद्यालय के पुरा छात्र डॉ सौरभ पटेल को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कर्नल जी पी सिंह, रिटायर्ड हवलदार योगेश तिवारी व नायक अनिल कुमार तिवारी (रिटायर्ड) को वेटरन अचीवर्स अवार्ड्स से सम्मानित किया गया।

पद अलंकरण से विभूषित हुए कैडेट्स

इसी श्रृंखला में मुख्य अतिथि ने कैडेट अभय प्रताप सिंह - स्कूल कैप्टन, कैडेट सीएच कुंदना-स्कूल गर्ल्स कैप्टन, कैडेट दिव्यांश यादव-स्कूल वाइस कैप्टन, कैडेट देवराज इन्दोरिया - स्कूल एडजुडेंट, कैडेट प्रशांत कुशवाहा - स्कूल मेस कैप्टन, कैडेट अनुराग सिंह-स्कूल स्पोर्ट्स कैप्टन को पद अलंकरण से विभूषित किया।

शिक्षकों को अपना प्रेरणास्रोत व मार्गदर्शक बताया

थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आपने उद्बोधन में अपने समय के शिक्षकों को याद करते हुए उन्हें अपना प्रेरणा स्रोत व मार्गदर्शक बताते कहा कि आज भी उनके शिक्षकों के शब्द उन्हें प्रेरित करते हैं। कैडेट्स को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने उन्हें रोल मॉडल बनने के लिए प्रेरित किया। इसके अतिरिक्त उन्हें जीवन में सफलता प्राप्त करने के मन्त्र बताते हुए मानसिक, शारीरिक व आध्यात्मिक रूप से मजबूत बनने पर बल दिया तथा उन्हें देश का भविष्य कहा। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सपनों को वास्तविकता में बदलने पर बल दिया व तकनीक का उचित प्रयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कैडेट्स से असफलता को सफलता की सीढ़ी मानकर निरंतर प्रयत्नशील रहने के लिए प्रेरित किया।

उप मुख्यमंत्री ने थल सेना अध्यक्ष का एयरपोर्ट में किया स्वागत

रीवा। भारतीय थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी वायुसेना के विशेष विमान से रीवा एयरपोर्ट पहुंचे। एयरपोर्ट में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने थल सेना अध्यक्ष का पुष्पगुच्छ भेंटकर आत्मीय स्वागत किया।

स्कूल को प्रदान की दो लाख की धनराशि

सैनिक स्कूल प्राचार्य कर्नल अविनाश रावल ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर मुख्य अतिथि को सम्मानित किया। इसी श्रृंखला में थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने विद्यालय को स्मृति चिन्ह व दो लाख रुपये की धनराशि प्रदान की। अंत में प्राचार्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया व राष्ट्रगान के साथ सभा का समापन हुआ।

जिला अधिवक्ता संघ रीवा चुनाव : कार्यकारिणी में पांच में से 4 महिला प्रत्याशियों की जीत

दो आरक्षित व दो अनारक्षित सीट में जीतीं

जागरण, रीवा। जिला अधिवक्ता संघ रीवा के वर्ष 2026 के चुनाव में कार्यकारिणी सदस्यों की मतगणना के उपरांत परिणाम घोषित किया गया। कार्यकारिणी सदस्यों में महिलाओं का दबदबा कायम रहा। कार्यकारिणी में पांच सदस्यों में से दो सदस्य महिलाओं के लिए आरक्षित था। इसमें अनुराधा सोनी सर्वाधिक 822 मत एवं अनामिका ओझा 779 मत पाकर अनारक्षित सीट से विजयी घोषित घोषित की गईं। इसके अलावा अनारिक्षित वर्ग से प्रसिद्ध कुमार द्विवेदी 757 मत पाकर विजयी घोषित किये गये। महिलाओं के लिए आरक्षित दो सीटों पर पूनम पटेल 677 मत एवं प्रीती सोधिया 535 मत पाकर निर्वाचित घोषित घोषित की गईं। घोषणा के बाद पांचों निर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यों को मुख्य निर्वाचन अधिकारी सूर्यनाथ पाण्डेय द्वारा 27 अप्रैल की शाम प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। चुनाव संचालन समिति में आबिद खान, राजेन्द्र सिंह, रेवाशंकर अवस्थी, मार्कण्डेय सिंह, अनिल श्रीवास्तव, कमलेन्द्र पाण्डेय, शब्देन्द्र सिंह और रघुवंश प्रताप सिंह बतौर निर्वाचन अधिकारी शामिल रहे।

उप मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर एनएसयूआई ने कहा जो छात्र बस का उपयोग नहीं करते उनसे बंद हो किराया वसूली

रीवा। एनएसयूआई प्रतिनिधिमंडल द्वारा उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा गया और छात्र हित में तत्काल निराकरण की मांग की गई। जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने कहा कि जो छात्र बस सेवा का उपयोग नहीं करते, उनसे जबरन शुल्क वसूली की जा रही है। जब बस दो राउंड ही लगाएगी और बस 35 से 40 सीटर ही है तो सात हजार बच्चों को कैसे ला पाएगी। इसलिए सभी छात्रों पर एक समान शुल्क लागू करना अन्यायपूर्ण है और इससे गरीब एवं मध्यमवर्गीय छात्रों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ रहा है। यदि इस मुद्दे का समाधान 10 दिनों के भीतर नहीं किया गया, तो एनएसयूआई जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में छात्रों के साथ उग्र एवं व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

टी.एल. बैठक आज

रीवा। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी की अध्यक्षता में 28 अप्रैल को टी.एल. बैठक का आयोजन किया गया है। कलेक्ट्रेट के मोहनसभागार में अपरान्ह 3 बजे से आयोजित बैठक में सीएम हेल्पलाइन, समय सीमा के पत्रों का निराकरण तथा आगामी 29 अप्रैल को मुख्य सचिव द्वारा व्ही.सी. के माध्यम से ली जाने वाली समीक्षा बैठक के एण्जेडा बिन्दुओं पर चर्चा की जायेगी।

कमिश्नर की टीएल बैठक आज

रीवा। कमिश्नर बीएस जामोद 28 अप्रैल को सुबह 11 बजे से कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करेंगे। बैठक में मुख्य सचिव की समीक्षा बैठक के एजेण्डा बिन्दुओं की भी विभागवार समीक्षा की जाएगी। बैठक में गेहूं उपार्जन, पेयजल व्यवस्था, संचारी रोगों से बचाव तथा ई आफिस व्यवस्था की भी समीक्षा की जाएगी। बैठक के बाद सतना और सीधी जिले की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों को अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएस की समीक्षा 29 अप्रैल को

रीवा। मुख्य सचिव अनुराग जैन 29 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से भोपाल से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कानून व्यवस्था, सुशासन, राजस्व, स्वास्थ्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य, शिक्षा, खाद्य, सहकारिता, महिला एवं बाल विकास विभाग, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग सहित अन्य विभागों के कार्यों की समीक्षा करेंगे।

कृषि आदान विक्रेता संघ ने पीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

रीवा। ऑल इंडिया एग्रो इनपुट डीलर एसोसिएशन नई दिल्ली के आह्वान पर कृषि आदान विक्रेता संघ रीवा/मऊगंज द्वारा एक दिन का सांकेतिक बंद कर जिला मुख्यालय रीवा एवं मऊगंज तथा सिरमौर, मनगवां, त्योंथर में प्रधान मंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में मांग की गयी है कि खाद पर जबरन लिंकिंग पर पूर्ण प्रतिबंध व एक्सपायर्ड कीटनाशक नीति एवं दोहरी लायसेंस प्रथा जैसी अन्य समस्याओं के उचित निराकरण के लिए उर्वरक एवं रसायन मंत्रालय के साथ-साथ केंद्रीय कृषि मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया जाय कि वह आगामी एक माह में इन समस्याओं के उचित निराकरण हेतु ठोस कदम उठाएं अन्यथा आगामी खरीफ सीजन के पूर्व मजबूरी में अनिश्चितकालीन बंद किया जाएगा।

शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
कामता सोनोग्राफी सेन्टर (अल्ट्रासाउण्ड)
डॉ. रश्मी शुक्ला
M.D. (Radio Diagnosis) G.S.V.M. Medical College Kanpur
Ex. J.R. AIIMS New Delhi
Ex. Consultant Radiologist Alpha Imaging & MRI Kanpur
Ex. Consultant Radiologist Noble Hospital Kanpur
ए-ब्लॉक, समदड़िया सेन्टर प्वाइन्ट, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.) 07662-451599, 9399312433

PIONEERS SCHOOL OF EXCELLENCE
Behind Vrindawan Colony Near Janta College Anantpur, Rewa (M.P.)
ADMISSION FEES में विशेष छूट 30.04.2026 तक
Nursery to 10th Class An English Medium School
CBSE Pattern
National School Award 2021 Winner
ADMISSION OPEN NOW
Session : 2026-27
Vacancy For - Pre-Primary teacher, PRT (science/mathematics) & office reception.
Phone No.: 8370073017, 9109143141

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी
MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे साय 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
कामता मेडिकल ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
9399312433
9981287311

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
डॉ. कोम्पल अग्रवाल
MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
परामर्श:- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुंहासे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।
मो.-7247097637
परामर्श शुल्क 300/-
परामर्श क्लीनिक: शॉप नं. 86 तानसेन कॉम्पलेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

BBS MEMORIAL HR. SEC. SCHOOL AZAD NAGAR, REWA (M.P.)
BBS KIDS ZONE 9424777617
More than 50 student Scored 90% in Board Examination
Vishesh 2025-26
Priyanshi 2025-26
Harshita 2025-26
मध्यप्रदेश टॉप 10 में निरंतर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन
NEET selected
IIT selected
ADMISSION OPEN For Nursery to 12th
NO ADMISSION FEE

दैनिक जागरण रीवा संस्करण की 73वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
PENTIUM POINT GROUP OF INSTITUTIONS
Approved by BCI, PCI, AICTE & MPHED
ADMISSION OPEN
JOB ORIENTED COURSES
LAW: BA LLB, BBA LLB, B.COM LLB, LLB, LLM
PHARMACY: B. Pharma, D. Pharma
MANAGEMENT: BBA, MBA
SPECIAL: BCA, M.SC (Biotech), M.Sc (Chemistry), PGDCA
OTHER: BA (All Stream), MA. (All Sub.), B.Sc (CS & Biotech), M.SC, B.Com, M.Com
07662438035, 9993208439, 8349633349, 9993484354
www.ppgirewa.com pptcrewa@rediffmail.com
Head Office: Hedgewar Nagar, Near College Chowk, Rewa (M.P.)
New Campus: Semariya Road, Karahiya, Rewa (M.P.)

दैनिक जागरण रीवा संस्करण की 73 वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
मनीष भार्गव
कार्यालय- भार्गव बिल्डिंग, सिविल लाईन्स बोदा रोड, रीवा (म.प्र.)
मो: 9425185235, 07662-403108

मेट्रो हॉस्पिटल, रीवा
आयुष्मान कार्ड के माध्यम से निःशुल्क डायलिसिस सुविधा उपलब्ध है
24/7 इमरजेंसी सेवा उपलब्ध है
अपॉइंटमेंट के लिए संपर्क करें: 07662-314775, 7771000668, 777100669
न्यू बस स्टैंड के पास, शारदा पुरम रोड, रीवा

REWA INTERNATIONAL PUBLIC SCHOOL
Affiliated to CBSE New Delhi | Affiliation No.- 1031367
Where Every Student is Valued .... Science, Art, Commerce
ADMISSION OPEN 2026-27 Nursery to 12th
Call: 9806154224, 8120154224
Add.: Ward 15, Gadariya, Ratahara, Rewa (M.P.)
Email: ripsrewaschool@gmail.com

मिनर्वा आई.व्ही.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(निः संतान दंपत्तियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज
सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ: IUI, IVF, ICSI; फ्रोजन एम्ब्रियो ट्रांसफर साइकिल (FET); एग फ्रीजिंग; एम्ब्रियो फ्रीजिंग; स्पर्म फ्रीजिंग
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा स्त्री एवं प्रसूति रोग
MBBS, MD (ऑब्स & गायनी)
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

मिनर्वा द मेडिसिटी
मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रीवा
जन्मजात बाल्य हृदय रोग एवं बाईपास सर्जरी
आयुष्मान कार्ड के तहत निःशुल्क इलाज
फोर्टिस हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा
विशेष सूचना
कार्डियक सर्जरी पुनः निःशुल्क उपलब्ध
असुविधा से बचने के लिए पूर्व में ही रजिस्ट्रेशन करवाएं
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैंड, रीवा (म.प्र.)
9893516364, 8770288324 | टोल-फ्री नंबरः- 18008892250

डॉ. बीरभान सिंह
एम.डी. (मेडिसिन)
DrNB (न्यूरोलॉजी) पी.जी.आई.एम.एस. रोहतक
कंसल्टेन्ट न्यूरोलॉजिस्ट
पता: श्रवण कुमारी स्कूल के पास, गुड़ रोड चिरहुला, रीवा (म.प्र.) मो. 7869516171

NARMADA PUBLIC HIGH SCHOOL
NURSERY TO CLASS 12th
ADMISSION OPEN Session- 2026-27
ENROLL NOW LIMITED SEATS
SMART CLASSES
EXPERIENCED TEACHERS
SPORTS & ACTIVITIES
MORAL VALUES & DISCIPLINE
SAFE TRANSPORT
8109944852, 8770723365
Add.: Beside Tamer Petrol Pump Ratahara Rewa (M.P.)

डॉ. अनुशा पाण्डेय
एम.बी.बी.एस., एम.एस. (ऑब्स एण्ड गायनी)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, लेप्रोस्कोपिक सर्जन
परामर्श समयः सुबह 11:00 बजे से सायं 07:00 बजे तक प्रतिदिन
निःशुल्क परीक्षण कैम्प हर महीने की 15 तारीख को
श्री समाधान सोनोग्राफी सेंटर
8085813545

विंध्य के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ
डॉ. पी.सी. द्विवेदी
एम.एस. (नेत्र)
सेवानिवृत्त एवं पूर्व विभागाध्यक्ष
का नया पता
समयः सुबह 10 बजे से 2 बजे तक
जूनियर MIG-3 हेडगेवार नगर
कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम के सामने, रीवा
आस्था मेडिकल स्टोर, ढेकहा तिराहा, रीवा
समयः शाम 5 बजे से 7 बजे तक
8966825155, 7225925922, 9179687302

दूसरे दिन भी जमीनी हकीकत देखने निकले अपर मुख्य सचिव

सुपर स्पेशलिटी, जिला अस्पताल सहित ग्रामीण अंचल के स्वास्थ्य केन्द्रों का किया निरीक्षण

स्वास्थ्य व्यवस्था को और सुदृढ़ करने व आभा रजिस्ट्रेशन को गति देने दिए निर्देश

जागरण,रीवा

अतिरिक्त मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य अशोक वर्णवाल ने अपने रीवा जिले के प्रवास के दौरान दूसरे दिन सोमवार को सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, कुशाभाऊ ठाकरे जिला अस्पताल सहित ग्रामीण अंचल के स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण किया तथा स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर करने के निर्देश दिये। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने स्वास्थ्य केन्द्र रायपुर कर्चुलियान एवं गुढ़ के निरीक्षण के दौरान संचालित हो रही ओपीडी का निरीक्षण किया तथा चिकित्सकों व अन्य स्टाफ को निर्देश दिये कि आने वाले मरीजों का बेहतर इलाज करें तथा स्वास्थ्य की जांच व ब्लड सेंपल व अन्य जांच अस्पताल में ही करायें। उन्होंने कोल्डचैन, लैब, पैथालॉजी कक्ष, एनआरसी व वार्डों का भ्रमण किया तथा व्यवस्थायें देखीं। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने स्टोर में दवाइयों व अन्य आवश्यक उपकरणों का निरीक्षण किया तथा निर्देश दिये कि अस्पताल में उपलब्ध दवाइयाँ दी जांय तथा इस बात का विशेष ध्यान रखें कि दवाइयाँ एक्सपायरी न हों। उन्होंने रायपुर कर्चुलियान में निर्माणाधीन ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट की गुणवत्ता ठीक न होने पर अप्रसन्नता व्यक्त की।

मशीनों का नियमित संचालन सुनिश्चित करें

जिला अस्पताल के निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव ने ओपीडी एवं ऑपरेशन थियेटर व डायलिसिस कक्ष का निरीक्षण किया। उन्होंने टोकन जनरेट करने वाली मशीन से टोकन जनरेट न होने पर कहा कि जो व्यवस्थायें मुहैया कराई गई हैं उनका नियमित संचालन सुनिश्चित करायें। श्री वर्णवाल ने मरीजों से उन्हें मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं व अस्पताल की व्यवस्थाओं के विषय में जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी का आभा का रजिस्ट्रेशन अनिवार्यत: कराया जाय।

सुपर स्पेशलिटी में देखा स्टोर

एसीएस ने सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों में संचालित विभिन्न विभागों तथा स्टोर का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने चिकित्सकों व स्टाफ को निर्देश दिये कि सभी स्वास्थ्य केन्द्र समय पर खुलें व मरीजों का बेहतर इलाज हो। निरीक्षण के दौरान संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएँ, सीएमएचओ डॉ. यत्नेश त्रिपाठी, सिविल सर्जन डॉ. प्रतिभा मिश्रा सहित चिकित्सक व स्टाफ उपस्थित रहा।

एसीएस ने मेडिकल कॉलेज में ली समीक्षा बैठक नियमित उपचार समीक्षा के दिए निर्देश

रीवा। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अशोक वर्णवाल ने मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित बैठक में मेडिकल कॉलेज के कार्यों की गहन समीक्षा की। एसीएस ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के सभी विभागाध्यक्ष अपने विभाग के कार्यों तथा उपचार व्यवस्था की नियमित समीक्षा करें। समीक्षा के बाद व्यवस्थाओं को बेहतर करने के प्रयास करें। अपने विभाग को बेहतर करने के लिए रिसर्च वर्क को प्राथमिकता दें। विद्यार्थियों से मौलिक रिसर्च कराकर रिसर्च पेपर राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय मेडिकल चैनलों में प्रकाशित कराएं। रिसर्च पेपर का प्रकाशन अपेक्षा के अनुसार नहीं है। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में कई बार रोगी जटिल परिस्थितियों में रेफर होकर आता है। ऐसे में कई बार उनको मौत के मुंह में जाने से हम नहीं बचा पाते। प्रसूति विभाग और शिशु रोग विभाग में होने वाली मौतों की निर्धारित प्रोटोकाल के अनुसार आडिट कराएं। विभागाध्यक्ष मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से समन्वय बनाकर आडिट में उजागर हुई कमियों को दूर कराएं जिससे मौत की घटनाओं को प्रभावी रूप से रोका जा सके। मेडिकल कॉलेज में उपचार सुविधाओं के विस्तार के लिए सही तथ्यों के साथ कार्ययोजना बनाएं। इसमें मशीनों, भवन, नर्सिंग स्टाफ तथा अन्य आवश्यक मानव संसाधनों का उल्लेख करें। वर्तमान में मेडिकल कॉलेज और उससे जुड़े अस्पतालों में 1550 बेड में भर्ती की सुविधा है। इनके अनुपात में नर्सों की भर्ती करें। बैठक में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अक्षय श्रीवास्तव, अधीक्षक संजय गांधी हॉस्पिटल डॉ. राहुल मिश्रा, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ. एसबी अवधिया, सीएमएचओ डॉ. यत्नेश त्रिपाठी तथा मेडिकल कॉलेज के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं निर्माण कार्यों से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे।

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की सराहना की

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि उपचार व्यवस्था पहले से बहुत बेहतर हो गई है। सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में उत्कृष्ट कार्य हो रहा है। इसके कॉर्डियोलॉजी विभाग का कार्य बहुत अच्छा है। इस अस्पताल को होने वाली आय को उपचार सुविधाओं को बेहतर करने में खर्च करें। दानदाताओं, डीएमएफ मद तथा निजी कंपनियों के सीएसआर मद से भी राशि प्राप्त कर आवश्यक उपकरणों की खरीद करें।

मेजर आपरेशन से प्रसव चिंताजनक : समीक्षा में एसीएस को बताया गया कि प्रसूति विभाग में 42794 रोगियों को भर्ती किया गया। जिसमें 30 प्रतिशत से अधिक का प्रसव मेजर आपरेशन होने की जानकारी देने पर चिंता जाहिर की। कहा कि पीडियाट्रिक विभाग में भी शिशुओं की भर्ती का डेटा सही नहीं प्रतीत होता है। सभी विभागाध्यक्ष अपने विभाग की जानकारी और डेटा भी ठीक से भरवाएं।

ऐसी व्यवस्था बनाओ, किसी भी रोगी को रेफर न करना पड़े : अपर मुख्य सचिव ने कहा कि मेडिकल कॉलेज से किसी भी रोगी को रेफर न करना पड़े, ऐसी व्यवस्था करें। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और जिला अस्पताल में भी उपचार व्यवस्थाएं बेहतर करें जिससे रेफरल कम से कम हो। उपचार के साथ-साथ मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पतालों में विभिन्न रोगों की जांचों की सुविधा भी बढ़ी है।

दिन में बरसी आग और रात में रिमझिम फुहार

गर्मी ने तोड़ा 10 साल का रिकॉर्ड, दिन का तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

जागरण रीवा। जिले में सोमवार को आसमान से आग बरसी और गर्मी ने 10 साल पुराना रीवा का रिकॉर्ड तोड़ दिया। पारा 44.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। दिन में इतनी तपिश थी कि घर से बाहर निकलना मुश्किल था। यदि तापमान 0.6 डिग्री और चढ़ जाता तो 56 साल पुराना रिकॉर्ड भी टूट जाता। हालांकि इस गर्मी के तेवर पर रात होते-होते ब्रेक लग गया। मौसम ने यू-टर्न ले लिया और रात में बारिश हो गई। रिमझिम बारिश ने मौसम में ठंडक घोल दी। वर्ष 1970 में अप्रैल महीने में अधिकतम तापमान 45 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। गौरतलब है कि अप्रैल महीने में इस कदर गर्मी की उम्मीद किसी ने नहीं की थी। मई आया नहीं और अप्रैल में ही गर्मी ने रिकॉर्ड तोड़ना शुरू कर दिया। गर्मी के कारण हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। मौसम विभाग ने पहले से ही यलो हीट वेब अलर्ट जारी कर रखा था। दो दिन भीषण गर्मी की चेतावनी दी थी। यह चेतावनी असर दिखा रही है। सोमवार को दिन में तापमान ने 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। 10 साल पहले 17 अप्रैल को अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। वर्ष 2026 में 27 तारीख को 10 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। दिन का तापमान 44.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। इतना ही नहीं, जिस तरह से गर्मी पड़ रही है, यदि आने वाले दिनों में हालात यही रहे और मौसम साफ रहा तो गर्मी 56 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ देगी। वर्ष 1970 में रीवा का अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सिस रिकॉर्ड किया गया था।

मौसम विभाग की मानें तो औसतन अप्रैल महीने में अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री और न्यूनतम 20.7 डिग्री सेल्सियस के आसपास ही रहता है। हालांकि इस बार गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। तापमान सीधे 6 डिग्री ऊपर तक पहुंच गया है। दिन में गर्मी ने कहर बरपाया। आसमान से आग बरसी। लोग तपते रहे। गर्म हवाओं के थपेड़ों ने दिन ढलने के बाद भी जलाया। हालांकि रात होते होते तक आसमान पर बादलों ने डेरा जमा लिया। यह बादल शाम से ही उमड़ने लगे थे। रात होते होते घने हो गए। रिमझिम बारिश भी शुरू हो गई। रिमझिम बारिश से मौसम में ठंडक घुल गई। लोगों को इस बारिश से गर्मी से बड़ी राहत मिली है।

मौसम विभाग का अलर्ट

मौसम केंद्र रीवा के अनुसार रीवा संभाग में अगले 3 दिन तक हीटवेब का अलर्ट है। 29 अप्रैल के बाद पश्चिमी विक्षोभ के कारण हल्की बूंदाबांदी हो सकती है, तब जाकर तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट आएगी। इसके लिए मौसम विभाग द्वारा लोगों को चेतावनी जारी की गई है कि दोपहर 12 से 4 बजे तक घर से बाहर न निकलें। ज्यादा पानी पिएं और ओआरएस घोल एवं छाछ, लस्सी लें। हल्के सूती कपड़े पहनें, सिर ढककर निकलें। बुजुर्ग-बच्चों का खास ख्याल रखें। लू लगने पर तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने निकाली रैली

जागरण, रीवा। गौ सम्मान आह्वान अभियान अंतर्गत शहर में गौ संरक्षण को लेकर जनांदोलन गति पकड़ता जा रहा है। इसी तारतम्य में सोमवार को गौ भक्तों ने शहर में रैली निकालकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। जिसमें बताया किक गाय भारतीय संस्कृति, कृषि व्यवस्था व ग्रामीण अर्थव्यवस्था कीआधारशिला है, किन्तु फिलहाल गौवंश की स्थिति दिन प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है जो चिंतनीय है। ज्ञापन के माध्यम से प्रमुखता से गौवंश को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग उठाई गई।

संजय गांधी अस्पताल के मुख्य द्वार पर डेथ प्वाइंट

एक वर्ष से अधिक समय बीत गया खुले गड्ढे को, कई वाहन चालक व पैदल चलने वाले आ चुके चपेट में

जागरण, रीवा। शहर के संजय गांधी अस्पताल के मुख्य पर स्थित डेथ जोन (खुले गड्ढे) को लगभग एक वर्ष से अधिक समय बीत गया, न तो इस गड्ढे का भराव करवाया जा रहा है न ही ऊपर से इसे ढंका जा रहा है, कई लोगों ने इस गड्ढे को पीकदान बना रखा है वहीं इस खुले गड्ढे का अब तक कई वाहन चालक व पैदल चलने वाले शिकार हो चुके हैं। कई बार मवेशी भी इसमें जा गिरते हैं, जिन्हें मशक्कत कर बाहर निकाला जाता है, रात-बिरात यह गड्ढा यहां आने वाले मरीज अथवा उनके परिजनों के साथ एम्बुलेंस चालकों को भी दिखाई नहीं पड़ता, जिससे कई बार वाहन इस गड्ढे की चपेट में आ जाते हैं और वाहनों के क्षतिग्रस्त होने के साथ ही वाहन चालक घायल हो जाते हैं, कई बार इस गड्ढे के बारे में अस्पताल प्रबंधन सहित प्रशासन का ध्यान भी इस ओर आकृष्ट किया गया, किन्तु इस दिशा में फिलहाल कोई कदम नहीं उठाया गया। लगता है इस डेथ जोन से किसी बड़ी घटना का इंतजार किया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष तक किए गए सभी कार्यों की प्रमाणित जानकारी तैयार करने के निर्देश

जागरण, रीवा। भारत सरकार के 'जल संचय, जन भागीदारी' अभियान एवं मप्र शासन के 'जल गंगा संवर्धन अभियान', स्वच्छता विभाग तथा सीएम हेल्पलाइन के संबंध में निगमायुक्त अक्षत जैन ने सोमवार को निगम सभागार में समीक्षा बैठक ली। बैठक के दौरान निगमायुक्त ने जल संचय जन भागीदारी अभियान तथा जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष तक किए गए सभी कार्य जैसे रेन वाटर हार्वेस्टिंग, पुराने संरचनाओं का जीर्णोद्धार, नालों की सफाई, पौधारोपण एवं अन्य सार्वजनिक कार्य की विस्तृत एवं प्रमाणित जानकारी तैयार की जाए। प्रत्येक कार्य का स्थान, तिथि, फोटो एवं संबंधित विवरण सहित सूची बनाकर एक सप्ताह के भीतर पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज कराई जाए, ताकि प्रगति का सही मूल्यांकन सुनिश्चित हो सके। साथ ही लक्ष्य अनुसार प्रगति पूर्ण करे। साथ ही, नगर निगम क्षेत्र में संचालित जनगणना कार्य की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 30 अप्रैल से पूर्व ऑनलाइन स्व-गणना पत्रक भरने के निर्देश दिए। इसके साथ ही प्रत्येक कर्मचारी को अपने स्तर पर कम से कम तीन अन्य व्यक्तियों का भी स्व-गणना फॉर्म भरवाने तथा इसकी समेकित जानकारी सीट के माध्यम से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। शहर में स्थित भयप्रद एवं जर्जर भवनों के संबंध में निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि सभी भवनों का पुनः चिन्हांकन कर नियमानुसार कार्रवाई पूर्ण की जाए, ताकि वर्षा ऋतु के पूर्व ऐसे भवनों को हटाकर संभावित दुर्घटनाओं एवं जन-धन की हानि से बचाव सुनिश्चित किया जा सके। निगमायुक्त ने स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी वार्ड नोडल अधिकारियों को अपने-अपने वार्डों में विशेष ध्यान देने, प्रतिदिन भ्रमण करने तथा कमियों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल दूर करने के निर्देश दिए।

नियम से गैस सिलेण्डर लेने वाले तप रहे धूप में व्यवसायिक उपयोग वालों को घर पहुंच सेवा

सिलेण्डर की मारामारी अभी नहीं हुई बंद, बुकिंग के सप्ताह भर बाद मिले रहे सिलेण्डर

जागरण, रीवा। शहर में रसोई गैस सिलेण्डर की मारामारी अभी भी बरकरार है, नियम से सिलेण्डर लेने वाले जहां घंटों कड़कड़ाती धूप में तपने को मजबूर हैं वहीं घरेलू गैस सिलेण्डरों का व्यावसायिक उपयोग करने वालों को गैस एजेन्सी संचालकों की मेहरबानी से घर पहुंच सेवा दी जा रही है। जबकि कमर्शियल गैस सिलेण्डर मिलने लगे हैं, फिर भी शहरा के अधिकतर होटल, रेस्टोरेंट व ठेला संचालक घरेलू गैस सिलेण्डरों का बेखौफ उपयोग कर रहे हैं। सिलेण्डरों को छिपाने की नियत से अब ये लोग खुला सिलेण्डर नहीं अपितु उसे बोरी में डालकर अपनी, दुकान, ठेलों पर रखते हैं, जिन पर खाद्य विभाग कोई कार्यवाही करने को तैयार नहीं। शहर के सिरमौर चौराहे पर ओवर ब्रिज के नीचे संचालित अवैध दुकानोंके दुकानदारों में 95 फीसदी दुकान घरेलू गैस सिलेण्डरों का व्यावसायिक उपयोग कर रहे हैं। आसपास के दुकानदार बताते हैं इनको सिलेण्डर लेने नहीं जाना पड़ता, एजेन्सी के कर्मचारी स्वयं सिलेण्डर लगाकर इनको देते हैं। जबकि कोई उपभोक्ता ब्लैक में गैस लिसेण्डर की मांग करे तो उससे 2500-3000 रुपए तक एक सिलेण्डर का वसूला जा रहा है, ये कारस्तानी भी गैस एजेन्सी के कर्मचारी ही अंजाम दे रहे हैं।

50 शीशी नशीली कफ सिरप और टैबलेट के साथ युवती गिरफ्तार

जागरण, रीवा। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत कबाड़ी मोहल्ले में पुलिस ने नशीली कफ सिरप और टैबलेट बेचते एक युवती को गिरफ्तार किया है। युवती के कब्जे से पुलिस ने 50 शीशी नशीली कफ सिरप और बड़ी मात्रा में टेबलेट जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी निशा मिश्रा ने बताया कि मुखबिर सूचना के बाद कबाड़ी मोहल्ले में रेड कार्रवाई की गई जहां आरोपी युवती आंचल लोनिया 22 वर्ष निवासी कबाड़ी मोहल्ले के कब्जे से नशीली कफ सिरप और प्रतिबंधित टैबलेट जब्त की गई है। थाना प्रभारी ने कि करीब ढाई माह पूर्व ही युवती जेल से छूटी थी जो दोबारा अवैध नशे के कारोबार में लिप्त हो गई। पुलिस ने तलाशी के दौरान युवती के घर से करीब 50 नग नशीली कफ सिरप व 480 कैप्सूल वा टैबलेट जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। आरोपी युवती लंबे समय से नशे का कारोबार में लिप्त है और एनडीपीएस का मामला दर्ज है।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

एसिड पीकर ठेला व्यापारी ने की खुदकुशी

महंगाई की मार का आरोप लगा रहे परिजन

जागरण, रीवा। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के निपनिया मोहल्ले में एक ठेला व्यापारी एसिड निगल कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर लिया। परिजनों का आरोप है कि परिवार का पेट पालने के लिए सब्जी का ठेला लगाता था, महंगाई की मार पड़ी तो उसने मौत को ही गले लगा लिया। घर के समीप की स्थित एक खेत में जाकर एसिड का घूट पिया और वहीं अचेत होकर गिर गया। उसके हाथ में उस वक्त भी खाली थैला भी दिखाई दे रहा था। परिजनों ने बताया कि निपनिया निवासी मृतक राम कुशल दहिया ठेला में सब्जी का व्यापार करता था और उसी से उसका परिवार चलता था। मृतक निरंतर 5 दिन से सौदा लेने के लिए मंडी का चक्कर लगा रहा था लेकिन महंगाई के कारण वह रोज ही खाली हाथ वापस आ जाता था। मृतक के पुत्र ने बताया कि उसका पिता इसी बात को लेकर चिंता में था। परिवार में आर्थिक संकट आने लगा लेकिन महंगाई कम नहीं हुई। व्यापारी राम कुशल काफी परेशान रहने लगा था। बीते दिवस तकरीबन 2 बजे जब राम कुशल दहिया मंडी से वापस आया तो वह घर ना जाकर पास के ही एक खेत में चला गया , अपने साथ सब्जी के जगह शायद एसिड लेकर आया था और उसी को पीकर उसने अपनी जान दे दी। परिवार में तीन बच्चे एवं मृतक की पत्नी का अब रो-रो कर बुरा हाल है। फिलहाल पुलिस मर्ग कायम कर पूरी घटना की जांच कर रही है।

न्यायालय अपर कलेक्टर, जिला रीवा (म०प्र०)

प्रकरण क्रमांक 0254/निगरानी/2024-25 रीवा दिनांक 13/04/2026

01. द्वारिका प्रसाद मिश्र तनय स्व. हनुमान प्रसाद मिश्रा निवासी ग्राम हटवा तहसील गुढ़ जिला रीवा (म.प्र.). --- निगरानीकर्ता

बनाम

01. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र तनय स्व. हनुमान प्रसाद मिश्र निवासी ग्राम हटवा तहसील गुढ़ जिला रीवा (म.प्र.) 02. सूर्य कुमार पाण्डेय तनय श्री रामदास पाण्डेय निवासी ग्राम गुढ़ तहसील गुढ़ जिला रीवा (म.प्र.) 03. सीता पुत्री रामसुख तिवारी निवासी ग्राम बगेसर तहसील रामपुर बाघेलान जिला सतना (म.प्र.) 04. गीता पुत्री रामसुख तिवारी निवासी ग्राम बगेसर तहसील रामपुर बघेलान जिला सतना (म.प्र.) 05. कुसुम पुत्री स्व. हनुमान प्रसाद मिश्र पत्नी श्री रमेश प्रसाद अग्निहोत्री निवासी ग्राम रौरा तहसील रायपुर कर्चुलियान जिला रीवा (म.प्र.) 06. शान्ती पुत्री स्व. हनुमान प्रसाद मिश्रा पत्नी रामराज पाण्डेय, निवासी ग्राम सूरा तहसील मनगवां जिला रीवा (म.प्र.) 07. सुशीला पिता स्व. हनुमान प्रसाद मिश्र पत्नी सुधाकर प्रसाद निवासी ग्राम सेमरिया तहसील हुजूर जिला रीवा (म.प्र.) 08. आशा तनय स्व. हनुमान प्रसाद मिश्र पत्नी श्री राजललन पाण्डेय निवासी ग्राम महिदल खुर्द, तहसील रामपुर बघेलान जिला सतना (म.प्र.) 09. मध्यप्रदेश शासन .... गैर निगरानीकर्तागण

//आम इश्तहार//

गैर निगरानीकर्तागण क्रमांक 01 से लगायत 08 तक को सूचित किया जाता है कि निगरानीकर्ता द्वारिका प्रसाद मिश्र तनय स्व. हनुमान प्रसाद मिश्रा निवासी ग्राम हटवा तहसील गढ़ जिला रीवा (म.प्र.) के द्वारा अनुविभागीय अधिकारी तहसील गुढ़ जिला रीवा मध्यप्रदेश के राजस्व प्रकरण क्रमांक 0508/अपील/2021-22 आदेश दिनांक 16.08.2024 के विरूद्ध मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के तहत निगरानी प्रस्तुत की गई है। उक्त प्रकरण में सुनवाई हेतु दिनांक 18.05.2026 को पेशी नियत है। अतः गैर निगरानीकर्तागण क्रमांक 01 से लगायत 08 तक को सूचित किया जाता है कि उक्त प्रकरण की पेशी दिनांक 18.05.2026 को समय 11:00 बजे दिन स्वतः या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर प्रकरण की सुनवाई की कार्यवाही में भाग लें, गैर निगरानीकर्तागण के उक्त दिनांक एवं समय में अनुपस्थित रहने पर गैर निगरानीकर्तागण के विरुद्ध प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

अपर कलेक्टर
जिला रीवा (म.प्र.)
आरएन- 85254

न्यायालय-नायब तहसीलदार वृत्त गोविंदगढ़ तहसील हुजूर जिला रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 151/ रीडर/ बृत्त गो./ 2026 रीवा दिनांक-27.04.2026

चक्रधर प्रसाद तिवारी तनय भैयालाल तिवारी निवासी ग्राम गोविंदगढ़ तहसील हुजूर जिला रीवा (म.प्र.)

बनाम

कालिका प्रसाद पिता सीता प्रसाद नफर 12 सभी निवासी गोविंदगढ़ जिला रीवा (म.प्र.)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील हुजूर वृत्त गोविंदगढ जिला रीवा (म.प्र.) के राजव प्रकरण 0024/अ-27/2026-27 का आवेदण चक्रधर प्रसाद तिवारी तनय भैयालाल तिवारी निवासी ग्राम गोविंदगढ़ तहसील हुजूर जिला रीवा (म.प्र.) द्वारा अनावेदक कालिका प्रसाद पिता सीता प्रसाद नफर 12 सभी निवासी गोविंदगढ़ जिला रीवा (म.प्र.) का प्रकरण मौजा गोविंदगढ़ की आराजी नं. 731/1, 732 कुल 02 किता भूमि का बटवारा नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है जो न्यायालय में विचाराधीन है अत: उक्त के संबंध में हर आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो विज्ञाप्ति प्रकाशित होने के दिनांक से 15 दिवस के अन्दर अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर दे समय अवधी के वाद कोई आपत्ति प्राप्त नहीं की जावेगी। प्रकरण पर कार्यवाही की जावेगी।

नायब तहसीलदार
बृत्त गोविंदगढ़
तहसील हुजूर जिला रीवा (म.प्र.)
आरएन 85038

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) तहसील-रायपुर कर्चुलियान, जिला-रीवा, (म०प्र०)

1. आम जनता द्वारा प्रतिनिधि शियाशरण केवट पिता रामगरीब केवट निवासी ग्राम रायपुर कर्चुलियान, जिला-रीवा (म.प्र.)
2. शासन मध्यप्रदेश जरिए हल्का पटवारी रायपुर तहसील रायपुर कर्चुलियान जिला-रीवा म.प्र.
--- आवेदकगण

विरूद्ध

वृषध्वज सिंह वगैरह निवासी ग्राम रायपुर तहसील रायपुर कर्चुलियान जिला रीवा (म.प्र.)
--- अनावेदकगण

//सार्वजनिक सूचना//

इस न्यायालय में मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा-115 के तहत ग्राम रायपुर, पटवारी हल्का एवं तहसील रायपुर कर्चुलियान की भूमि खसरा नंबर 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 751, 752, 753, 730, 731, 732, 733, 734, 735 कुल किता 20 रकबा 30.14 एकड़ के संबंध में प्रकरण क्रमांक 0076/अ-6 (अ)/2025-26 विचाराधीन है। प्रकरण में कलेक्टर महोदय जिला रीवा द्वारा प्रकरण क्रमांक 0024/अ-6 (अ)/मूल/2026-27 आदेश दिनांक 15.04.2026 द्वारा त्रुटि सुधार की अनुमति दी जाकर हितबद्ध व्यक्तियों/पक्षकरों को विधिवत सुनवाई का विधिक अवसर प्रदान करते हुए अभिलेखों के अवलोकन पश्चात गुणदोष पर प्रकरण का निराकरण किए जाने की अनुमति एवं निर्देश दिया गया है। प्रकरण चूंकि अंतिम तर्क के प्रकरण में विचाराधीन है अतएव इस सूचना के माध्यम से मौजा रायपुर तहसील रायपुर कर्चुलियान जिला रीवा की वादभूमियों खसरा नंबर 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 751, 752, 753, 730, 731, 732, 733, 734, 735 कुल किता 20 रकबा 30.14 एकड़ में हित धारित करने वाले हितबद्ध व्यक्तियों/भूमिस्वामीगणों/पक्षकारों को सूचित किया जाता है कि वह विचाराधीन प्रकरण में इस न्यायालय में नियत अग्रिम पेशी दिनांक **04.05.2026** के पूर्व अपने पक्ष समर्थन में दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहते है नियत अवधि के अंदर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि के पश्चात प्राप्त दावों पर कोई विचार नहीं किया जाकर प्रकरण का निराकरण गुणदोष के आधार पर किया जावेगा।
(मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से आज दिनांक 17.04.2026 को जारी एवं उद्घोषित)

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
तहसील-रायपुर कर्चुलियान, जिला रीवा (म.प्र.)
R-85394

कार्यालय नगर पालिक निगम, सतना म.प्र.

क्रमांक .... /यो.शा/न.पा.नि./2026 सतना दिनांक 27.04.2026

दावा आपत्ति

मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह/निकाह का आयोजन दिनांक 01.05.2026 को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्र. 02 में आयोजित है। जिसके तारतम्य में दिनांक 30.03.2026 से 15.04.2026 तक निकाय में हितग्राहियों से आवेदन.पत्र मगाये गये थे। प्राप्त आवेदन.पत्रों में भौतिक सत्यापन के साथ ही श्रीमान उपायुक्त महोदय द्वारा गठित जांच समिति के द्वारा दिनांक 19.04.2026 तक पात्र/अपात्र की अनुशंसा किया जाना था। जांच समिति के परीक्षण उपरांत कुल 105 पात्र एवं 50 अपात्र आवेदन.पत्र प्राप्त हुए। जिसकी सूची कार्यालय नगर पालिक निगम सतना के कक्ष क्र . 03 के सूचना पटल पर व निगम के जोन कार्यालय क्र 1, 2, 3, 4 एवं 5 में अवलोकन हेतु उपलब्ध है। प्राप्त सभी आवेदन.पत्रों में शहर के निवासरत रहवासियों से दावा.आपत्ति दिनांक 28.04.2026 से 29.04.2026 तक चाही गई है। दिनांक 29.04.2026 के बाद किसी भी आपत्ति को ग्राह नही किया जावेगा। प्राप्त दावा आपत्तियों में नियमानुसार कार्यवाही करते हुये दिनांक 30.04.2026 को अंतिम पात्र सूची का प्रकाशन किया जावेगा।

योजना प्रभारी
नगर पालिक निगम सतना म.प्र.

NAME CHANGE

1. JAMUNI DEVI W/O-RAMNARAYAN LODH Village Post-kanchan pur Rewa M.P. Pin No. 486447 Do herbey Solmnly affirm and declare as under and that is my Aadhar Card vide no. 327079032837. 1. That I am Permanent Resident of above noted address. 2. My Son's army no. 14446506F Rank HAV Name RAMBHADRA LODH. 3. That in the army record my Son's name mentioned i.e TERASIYA DEVI, but now I have changed my name from TERASIYA DEVI To JAMUNI DEVI and Date of birth is 01/01/1926. 10 hat it is requisted may please my name from TERASIYA DEVI To JAMUNI DEVI in the army service records of my son. that the above statement of mine is true and correct.
Verification :- Verified that the above contents of the affidavit are true and correct best of my knowledge and belief.

R-85255 JAMUNI DEVI

उत्तर मध्य रेलवे

क्रमांकः-झाँसी/डब्ल्यू/टी/टेण्डर जनरल/87 दिनांकः 24.04.2026

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्याः झाँसी-इन्जी.-मुख्यालय-2026-87, **कार्य का नामः पार्ट (ए)-** प्रोवीजन ऑफ़ 5.4 किमी. आरसीसी बाउंड्री वाल एट परीछा एंड चिरगांव स्टेशन यार्ड टू प्रिवेंट एन्क्रोचमेंट इन झाँसी-परौना सेक्शन अंडर एडीईएन/एचक्यू-I/झाँसी। **पार्ट (बी)-** प्रोवीजन ऑफ़ 3.0 किमी. आरसीसी बाउंड्री वाल एट मोठ स्टेशन यार्ड टू प्रिवेंट एन्क्रोचमेंट इन झाँसी-परौना सेक्शन अंडर एडीईएन/एचक्यू-I/झाँसी।	
अनुमानित लागत (₹): ₹ 6,95,81,747.01	**अमानत राशि (₹)** ₹ 13,91,600.00
निविदा बन्द होने की तिथि : 18.05.2026 at 15:00 hrs.	
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 12 माह	

निविदा दिनांक **18.05.2026** को **15:00** बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 913/26 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

संक्षिप्त खबरें

आज प्रदेश में लौटेंगे जंगली भैंसे, सुधरेगी जैव विविधिता

विसं भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चीता पुनर्स्थापना की ऐतिहासिक सफलता के बाद अब जंगली भैंसों की वापसी से प्रदेश की जैव-विविधता में एक नया आयाम जुड़ेगा। प्रदेश में एक सदी से अधिक समय से विलुप्त हो चुकी जंगली भैंस (वाइल्ड बफेलो) प्रजाति की पुनर्स्थापना की रणनीति साकार हो रही है। मुख्यमंत्री 28 अप्रैल को बालाघाट जिले के सूपखार एवं टोपला क्षेत्र में कार्यक्रम के अंतर्गत जंगली भैंस पुनर्स्थापना अभियान का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री सूपखार में 4 जंगली भैंसों को उनके नए प्राकृतिक आवास में छोड़ेंगे। इनमें 3 मादा और एक नर जंगली भैंसा शामिल हैं।

सीजीआईटी के नियमितीकरण आदेश पर रोक

जबलपुर। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक जैन की एकलपीठ ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, आईजीआरएमएस, भोपाल के श्रमिक देवीलाल उर्फ देवा से जुड़े मामले में अंतरिम आदेश पारित किया। केंद्रीय औद्योगिक अधिकरण, सीजीआईटी के नियमितीकरण संबंधी निर्देशों पर रोक लगा दी है। प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर जवाब-तलब कर लिया। सीजीआईटी-कम-लेबर कोर्ट, जबलपुर से प्रकरण से संबंधित रिकार्ड भी तलब किए हैं। याचिकाकर्ता आईजीआरएमएस भोपाल की ओर से अधिवक्ता अर्नव तिवारी ने दलील दी कि याचिकाकर्ता सांस्कृतिक व शैक्षणिक संस्था है न कि व्यावसायिक इकाई जबकि संबंधित श्रमिक सीधे तौर पर कर्मचारी नहीं बल्कि आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से कार्यरत था। कोर्ट ने तर्क सुनने के बाद कहा कि अगली सुनवाई तक सीजीआईटी द्वारा दिया गया।

रिश्वत लेते सचिव, सरपंच पति रंगे हाथों गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता, भोपाल। सोमवार को खरगोन जिले की ग्राम पंचायत भोमवाड़ा के सचिव और सरपंच पति को लोकायुक्त इंदौर की टीम ने 8,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ग्राम भोमवाड़ा की रहने वाली कविता यादव को दो साल पहले प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कुटीर निर्माण के लिए 1.25 लाख रुपये स्वीकृत हुए थे। नियमानुसार यह राशि चार किश्तों में मिलनी थी, जिसमें से कविता को दो किश्तें (कुल 65,000 रुपये) मिल चुकी थीं। जब कविता ने अपनी तीसरी और चौथी किश्त (कुल 60,000 रुपये) जारी करवाने की गुहार लगाई, तो पंचायत सचिव जितेन्द्र सिंह पंवार और सरपंच पति चिंताराम भीमारे ने इस काम के बदले 8,000 रुपये की रिश्वत की मांग शुरू कर दी।

संशोधन प्रस्ताव पर मतदान को लेकर विधानसभा में हंगामा

भाजपा बोली संशोधन पर मतदान का नियम नहीं, नारेबाजी करते कांग्रेस विधायकों ने किया वर्हिगमन

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र हंगामेदार रहा। विपक्ष दल कांग्रेस शासकीय संकल्प पर दिए गए अपने संशोधन प्रस्ताव पर मतदान करने की मांग करता रहा, जिसका सत्ता पक्ष ने यह कहते हुए विरोध किया कि जब संकल्प पारित हो गया, तो फिर संशोधन प्रस्ताव का कोई महत्व नहीं होता। दरअसल कांग्रेस के मुख्य सचेतक सोहन बाल्मीकि ने शासकीय संकल्प पर दिए गए अशासकीय संशोधन प्रस्ताव पर चर्चा कराने की मांग की थी। जिस पर सत्ता पक्ष ने एतराज जताया। लेकिन इस पर विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नारी शक्ति वंदन अधिनियम के शासकीय संकल्प के साथ चर्चा कराने की अनुमति दी थी। दिनभर दोनों प्रस्तावों पर सत्ता और विपक्षी विधायकों ने चर्चा की। शाम को जब सदन में शासकीय संकल्प को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वक्तव्य पूरा किया, तो कांग्रेस ने संशोधन प्रस्ताव पर मतदान कराने की मांग की। इस पर स्पीकर ने लॉबी में हस्ताक्षर के जरिए मतदान कराने की बात कही, लेकिन तभी सत्ता पक्ष के विधायकों और मंत्रियों ने इस पर एतराज जताया। संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि नियम में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि किसी अशासकीय संशोधन प्रस्ताव पर मतदान कराया जाए, फिर भी आसंदी के पास अधिकार है, वह जो निर्णय लें, वह मान्य होगा। मंत्री राकेश सिंह ने भी यही बात दोहराई। इस पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि कांग्रेस ने संशोधन प्रस्ताव पहले दिया था, इसलिए उस पर मतदान पहले होना चाहिए। मुख्यमंत्री के शासकीय संकल्प की सूचना विपक्ष को समय पर नहीं दी गई। इस पर विजयवर्गीय ने कहा कि पहले मुख्यमंत्री का संकल्प प्रस्ताव दिया गया था और इसकी जानकारी सभी को दी गई थी। इस मुद्दे को लेकर सदन में सत्ता और विपक्षी सदस्यों के बीच वाद विवाद होने लगा। तभी स्पीकर तोमर ने सभी को शांत करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा सदन में प्रस्तुत शासकीय संकल्प पर पहले चर्चा और उस पारित करने पर सदन की राय जानी। सत्ता पक्ष ने संकल्प को पारित करने के लिए हां बोला। स्पीकर द्वारा यह प्रक्रिया दो बार दोहराई गई और शासकीय संकल्प पारित कर दिया गया। इसके उपरांत संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने प्वाइंट ऑफ ऑर्डर रखते हुए आसंदी से कहा कि जब संकल्प पारित हो गया तो फिर संशोधन प्रस्ताव नहीं लाया जा सकता। इस पर स्पीकर ने भी सहमति जताई। जिससे कांग्रेस विधायक नाराज हो गए और नारेबाजी करते हुए, उन्होंने सदन का वर्हिगमन कर दिया।

विधायक कांग्रेस को करें बेनकाब

विशेष सत्र प्रारम्भ होने से पहले सीएम हाउस में भाजपा विधायक दल की बैठक हुई। इसमें सीएम मोहन यादव, प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित पार्टी के सभी मंत्री और विधायक मौजूद रहे। बैठक में खंडेलवाल ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के विरोध के कारण सदन में पारित नहीं हो सका। यह बात जनता को मालूम होनी चाहिए। विधायक अपने क्षेत्र में जनता को बताएं कि कांग्रेस की वजह से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण नहीं मिल सका है।

पास बनवाकर सदन में ट्रैक्टर लेकर पहुंचे कांग्रेस विधायक, पुलिस से भिड़े

विशेष सत्र में शामिल होने कांग्रेस के विधायक पूरी तैयारी से पहुंचे थे। कांग्रेस विधायक अभिजीत शाह ट्रैक्टर-ट्राली लेकर सदन में जा रहे थे। इसका पास भी उन्होंने बनवा लिया था। मगर मंत्रालय के आगे पुलिस ने उन्हें रोक लिया। पुलिस का कहना था कि ट्रैक्टर विधानसभा में नहीं जा सकता। इसे लेकर शाह पुलिस अधिकारियों से भिड़ गए। वे बारबार पास दिखाते रहे। देर तक उनका पुलिस से विवाद होता रहा। ट्राली में रखे गेहूं भी सड़क पर बिखरा दिए। काफी बहस के बाद भी पुलिस ने ट्रैक्टर नहीं छोड़ा तो शाह गेहूं की सूखी बालियां का गट्ठा लेकर सदन पहुंचे और प्रदर्शन किया।

कांग्रेस आरक्षण को लेकर चलाएगी मुहिम

इधर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के निवास पर कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें विशेष सत्र में पार्टी की रणनीति के अलावा महिला आरक्षण को लेकर भाजपा की पोल खोलने मुहिम चलाने का निर्णय लिया गया। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि पार्टी के विधायक अपने क्षेत्रों में महिलाओं और जनता को बताएं कि कांग्रेस मौजूदा स्थिति में ही महिलाओं को तत्काल 33 प्रतिशत आरक्षण देने के पक्ष में है, लेकिन सत्ताधारी भाजपा ऐसा नहीं कर रही है।

33 प्रतिशत आरक्षण देने दोनों तैयार पर, परिसीमन पर रात तक तकरार

कुछ छीनने नहीं, देने वाला है संशोधन : खंडेलवाल

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल। बैतूल विधायक व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहाकि यह केवल विधेयक नहीं, बल्कि देश के सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक भविष्य की दिशा तय करने वाला है। दुनिया के कई देशों में महिलाओं की स्थिति पर ध्यान देने की आवश्यकता है और भारत भी उन देशों में शामिल हो सकता है, जहां 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। क्योंकि जब तक आधी आबादी को पूरा न्याय नहीं मिलेगा, तब तक महिला विकास की परिकल्पना साकार नहीं हो सकती। अफ्रीका के रवांडा व फिनलैंड, स्वीडन, स्पेन सहित दुनिया में कई देशों में महिला जनप्रतिनिधि 60 प्रतिशत तक हैं, जबकि हमारे देश में अभी भी लोकसभा में 14 और विधानसभाओं में 13 प्रतिशत महिलाएं हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम कुछ छीनने नहीं, बल्कि देने वाला संशोधन है। इससे महिलाओं की हालत सुधरेगी।

तीन पुराने कानून में ही परिसीमन जुड़ा था : चिटनिस

भाजपा विधायक अर्चना चिटनिस ने कहाकि 27 सितंबर 2023 को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने जिस नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर हस्ताक्षर किए थे और जो कानून भी बना, उसमें भी परिसीमन जुड़ा था। मगर अब उसे ही कांग्रेस नकार रही है। कांग्रेस से जुड़ा परिवार शुरू से ही महिला विरोधी रहा है। जहां राहुल गांधी 33 साल की उम्र में सांसद बन गए तो प्रियंका 52 साल में संसद में पहुंच सकीं। जो घर में महिलाओं को बढ़ावा नहीं दे सकते, वे देश की महिलाओं को आगे कैसे बढ़ा सकते हैं। इनकी चुनरी में वो दाग लगा है कि मिट नहीं सकेगा। बिल का विरोध और उसे गिराना इनक्री क्रूरता है।

जहां अधिकार है वहां उपचार है: गौर

मंत्री कृष्णा गौर ने संकल्प को आधी आबादी का सम्मान बताते हुए कहाकि मुख्यमंत्री की मंशा और अभिलाषा महिलाओं को लोक सभा और विधान सभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें राजनीतिक रूप से सशक्त करना है। देश की करोड़ों महिलाओं को उम्मीद थी कि यह बिल पारित हो जाएगा तो उनकी राजनैतिक आकांक्षाओं को पंख मिल जाएंगे। वह देश के निर्माण में नीति बन जाएगी। मगर जिस प्रकार का आचरण कांग्रेस और विपक्ष का सदन में दिखाया, उससे महिलाओं की आकांक्षाओं पर पानी फेर दिया। महिलाओं को सामाजिक न्याय मिलने का अवसर था विधि विज्ञान में एक सिद्धांत है -जहां अधिकार है, वहीं उपचार है।

बरैया बोले महिलाएं तो 2000 सालों से पैरों की जूती, सीएम की आपत्ति

कांग्रेस विधायक **फूल सिंह बरैया** ने कहा कि महिला और पुरुष गाड़ी के दो पहिए हैं, लेकिन एक पहिया अब भी पिछड़ा हुआ है, जिस पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। महिलाएं सदियों से सामाजिक रूप से दबाई जाती रही हैं और इस मानसिकता को बदलना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि महिलाएं 2000 वर्षों से पैरों की जूती बनी आ रही हैं, कांग्रेस तो अभी 150 साल पुरानी है। इतना सुनते ही सदन में हंगामा होने लगा। मंत्री कृष्णा गौर ने इसे महिलाओं का अपमान बताते हुए बरैया से माफी की मांग की। सीएम बोले- स्पष्ट करें आपकी भावना क्या है? विवाद के बीच मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बरैया की बात पर आपत्ति जताते हुए कहा कभी देवदासी प्रथा, कभी हजारों साल पुरानी घटनाओं का जिक्र, आखिर आप कहना क्या चाहते हैं? यह स्पष्ट करें। सदन में महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा हो रही है, मुद्दे से भटकने की बजाय सार्थक बहस होनी चाहिए। देश में महिलाओं के अधिकारों के लिए लंबे समय से संघर्ष होता रहा है।

बंगाल में उस शेरनी से जीत नहीं पा रहे, इसलिए विधेयक लाए: राजेंद्र सिंह

कांग्रेस विधायक **राजेंद्र सिंह** ने कहा कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने से कांग्रेस ने कब मना किया, कभी विरोध नहीं किया। मगर संसद में जब भी महिलाओं व ओबीसी को आरक्षण देने की बात आई, भाजपा ने विरोध किया है। 1989 में तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव लाए तो भाजपा ने समर्थन वापस लेकर सरकार गिरा दी। 1996 में तत्कालीन पीएम देवगौड़ा महिला आरक्षण का प्रस्ताव लाए तो कांग्रेस ने पूरा समर्थन दिया। जबकि भाजपा ने विरोध किया। सिंह ने अध्यक्ष से कहा कि यदि मेरी एक भी बात असत्य हो तो फांसी दे दीजिए। उन्होंने पीएम मोदी के पारिवारिक जीवन पर टिप्पणी करते हुए कहाकि भाजपा का महिला आरक्षण से सरोकार नहीं है, पब्लिसिटी के लिए विधेयक लाई थी। भाजपा 2023 में पारित हो चुके विधेयक को तीन साल बाद नए नाम से इसलिए लाई, क्यों बंगाल में चुनाव थे। वहां शेरनी से जीत नहीं पा रहे हैं तो यह विधेयक ले आए।

महिला आयोग का गठन नहीं : कटारे

उपनेता प्रतिपक्ष **हेमंत कटारे** ने कहा कि महिलाओं के हितैषी होने का दावा करने वाली भाजपा सरकार के कार्यकाल में पिछले सात साल से महिला आयोग खाली पड़ा है, जिससे महिलाओं से जुड़े हजारों आवेदनों पर संज्ञान नहीं लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सदन में दो विचारों की टकराहट है। एक तरफ मोदी हित और दूसरी ओर महिला हित। उन्होंने कहा कि यदि आप मोदी हित देखेंगे, तो कुछ साल चलेंगे और यदि महिलाओं को हित में काम करेंगे, तो उनका लंबे समय तक आशीर्वाद मिलता रहेगा। कटारे ने कहा कि वर्ष 1989 में महिला आरक्षण बिल का भाजपा ने विरोध किया था। इस पर पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि वे उस समय सांसद थे। कटारे ने जो भी बोले तथ्य के आधार पर बोले, इस पर कटारे ने कहा कि जब भाजपा ने बिल का विरोध किया था, तो तब शायद आप सदन में मौजूद नहीं रहे होंगे, कही चाय पीने चले गए होंगे। चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक ओमकार सिंह मरकाम ने कहा कि वे सदन में अभी से वादा करते हैं कि वे अगले विधानसभा और लोकसभा चुनाव में मध्यप्रदेश में 33 प्रतिशत महिलाओं को टिकट दिए जाएगे।

आईपीएस के बाद आईएएस अफसर को मिली जान से मारने की धमकी, मंत्री पर लगे आरोप

जबलपुर स्मार्ट सिटी के सीईओ आईएएस अरविंद शाह से जुड़ा मामला, एसोसिएशन ने की सीएम को शिकायत

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह पर एक आईएएस अधिकारी को जान से मरवाने की धमकी देने और अपमानित करने के गंभीर आरोप लगे हैं। मामला जबलपुर स्मार्ट सिटी के सीईओ आईएएस अरविंद शाह से जुड़ा है, जिन्होंने मंत्री पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए शिकायत आईएएस एसो. से की है। घटना के बाद से आईएएस अरविंद शाह सदमे में हैं। उन्होंने लिखित शिकायत मुख्य सचिव अनुराग जैन को भी की है। मामले में आईएएस एसो. ने सीएम को शिकायत की है और जल्द ही मुख्यमंत्री से मिलकर कड़ा विरोध दर्ज कराने की तैयारी कर ली है। प्रदेश में इससे पहले करैरा में पदस्थ आईपीएस डॉ आयुष जाखड़ से अभद्र व्यवहार का आरोप बीजेपी विधायक प्रीतम लोधी पर लगा था, जबकि आलीराजपुर में पदस्थ जनपद पंचायत सीईओ पिया काग को मंत्री नागर सिह चौहान के भाई इंदर सिह ने धमकी दी थी।

मंत्री के विरोध में एसोसिएशन

शाह ने एसो. के अध्यक्ष मनु श्रीवास्तव को घटना की जानकारी दी। इसके बाद एसोसिएशन अपने अधिकारी के पक्ष में खड़ा हो गया है। एसो. अध्यक्ष मनु श्रीवास्तव से मुलाकात के लिए पहुंचे शाह ने सपरिवार उन्हें आपबीती सुनाई और मुख्य सचिव को भी इस घटना से अवगत करा दिया गया है। मनु श्रीवास्तव ने दावा किया कि आईपीएस अफसर, जनपद पंचायत की महिला सीईओ और अब आईएएस अधिकारी के साथ अभद्र व्यवहार हुआ है। एसोसिएशन मामले को लेकर आने वाले दिनों में विरोध स्वरूप बड़ा कदम उठाने की तैयारी कर रही है।

आधे घंटे अपमानित किया और अपशब्द कहे: शाह

आरोप है कि मंत्री आवास पर पहुंचने के बाद अरविंद शाह पर राकेश सिंह आगबबूला हो गए। इस दौरान नगर निगम के कमिश्नर राम अहिरवार भी मौजूद थे। आईएएस के मुताबिक, मंत्री ने उन्हें करीब आधे घंटे तक लगातार अपमानित किया और अपशब्द कहे। मंत्री इतने गुस्से में थे कि उन्होंने शाह को धमकाते हुए कहा कि उनके एक इशारे पर पूरी सिख कौम तलवारें लेकर उन्हें खत्म कर देगी। मंत्री ने यह भी कहा कि वे उन्हें सजा दिलाने के लिए मुख्यमंत्री से बात कर चुके हैं और उन्हें उनके गृह नगर सिंगरौली तक परेड कराकर भेजा जाएगा। नगर निगम आयुक्त राम अहिरवार ने स्थिति को संभालने के लिए शाह को बिना शर्त माफी मांगने की सलाह दी। शाह के अनुसार, हालात को देखते हुए उन्होंने मंत्री से तीन बार हाथ जोड़कर माफी भी मांगी, लेकिन मंत्री का व्यवहार नहीं बदला।

देर रात महिला अफसर का शपथ पत्र जारी

इस घटनाक्रम के बाद देर रात जबलपुर स्मार्ट सिटी की महिला अधिकारी दिलप्रीत भल्ला का शपथ पत्र वायरल हुआ। इसमें आईएएस अधिकारी अरविंद शाह पर महिला ने अनावश्यक परेशान करने, अकारण वेतन रोकने और अभद्र भाषा में डांटकर दफ्तर से भगाने की शिकायत की है। महिला ने सीएम डॉ. यादव के नाम भेजे शपथ पत्र में बताया है कि वह जबलपुर स्मार्ट सिटी में एडमिनिस्ट्रेटिव एग्जीक्यूटिव के पद पर बीते 1 साल से काम कर रही है। जब उसे मार्च माह का वेतन नहीं मिला तो वह कारण जानने के लिए आईएएस शाह के चेंबर में गई थी। महिला का दावा है कि इसी दौरान शाह ने न केवल उसके साथ अभद्रता की बल्कि मंत्री सिंह के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर अपने चैंबर से बाहर निकाल दिया। महिला ने परिजनों के साथ मंत्री सिंह के बंगले पर जाकर पूरी घटना बताई। ननि कमिश्नर रामप्रकाश अहिरवार मौजूद थे और शाह भी मंत्री के बंगले पर पहुंचे। लोनिवि मंत्री सिंह ने आईएएस अधिकारी को केवल समझाइश दी थी। इस दौरान शाह ने कहा था कि उनके शब्द गलत हो सकते हैं, लेकिन भाव गलत नहीं था। मगर उन्होंने न तो कोई खेद जताया और न ही माफी मांगी। महिला का आरोप है कि शिकायत से बचने के लिए शाह, आईएएस एसोसिएशन के जरिए अपनी गलती छुपाने की कोशिश कर रहे हैं और मंत्री पर ही आरोप लगा रहे हैं।

टैक्सपेयर्स की उलझनें सुलझाएगा आयकर विभाग, भोपाल से टैक्स टॉक की शुरुआत

एमपी-सीजी के 12 शहरों में अगले तीन दिन लगेंगे स्पेशल कैंप

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में सोमवार को आयकर विभाग द्वारा आउटरीच प्रोग्राम के तहत टैक्स टॉक का आयोजन किया गया। इसमें नए आयकर अधिनियम 2025 और इसी माह से शुरू हुए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कर दाखिल करने के नियमों पर विस्तार से जानकारी दी । मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त (पीसीसीआईटी) मोना मोहंती के अनुसार, इस कार्यक्रम का मकसद करदाताओं को नए नियमों की सरल भाषा में कानूनी जानकारी देना था। कार्यक्रम में शहर के बड़े कारोबारी, चार्टर्ड अकाउंटेंट और कर सलाहकार बड़ी संख्या में शामिल हुए। इसके अलावा आयकर विभाग के आला अफसरों ने प्रेजेंटेशन के जरिए नई टैक्स नीति को समझाया।

सरल हो गया टैक्स भरने का सिस्टम

अपने संबोधन के दौरान पीसीसीआईटी मोना मोहंती ने नए टैक्स नियमों को लेकर कहा कि अब सरकार का जोर टैक्स सिस्टम को अधिक पारदर्शी और सुगम बनाने पर है। उन्होंने खासतौर पर वित्त वर्ष 2026-27 के प्रावधानों का जिक्र करते हुए कहा कि नए बदलावों के बाद अब करदाताओं के लिए टैक्स भरना पहले से कहीं ज्यादा आसान हो जाएगा। विभाग का मकसद है कि करदाता को किसी भी तरह की तकनीकी परेशानी न हो और वे नई सुविधाओं का लाभ उठाकर अपना रिटर्न समय पर दाखिल कर सकें। इस दौरान आयकर विभाग के अफसरों ने साफ किया कि 2026-27 के नियमों में तकनीक का बेहतर इस्तेमाल किया गया है और इसके जरिए विभाग व जनता के बीच सीधे संवाद की सुविधा भी मिली है।

इंदौर, जबलपुर, समेत एक दर्जन स्थानों पर लगेंगे शिविर

इस दौरान नए आयकर स्लैब को लेकर भी चर्चा हुई। अभिषेक मिश्रा, अक्षय जैन और सत्येंद्र मेहरा जैसे विशेषज्ञों ने नए स्लैब में शामिल टैक्स छूट के लिए भरे जाने वाले ऑनलाइन फॉर्म और रिटर्न के तकनीकी पहलुओं को आसान उदाहरणों के साथ समझाया। विभाग के मुताबिक, भोपाल के बाद 28 से 30 अप्रैल के बीच मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 12 अलग-अलग शहरों में इसी तरह के कैंप लगाए जाएंगे। इनमें इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, रायपुर, बिलासपुर जैसे शहर शामिल होंगे। इस दौरान आयकर विभाग द्वारा जारी किए जाने वाले नोटिसों को लेकर भी यह जानकारी दी गई कि पिछले रिटर्न्स और वर्तमान रिटर्न में अंतर होने या फिर किसी भी तरह की गलती होने पर एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) की मदद से ये नोटिस जारी किए गए हैं। इसके निदान के लिए विभाग द्वारा दी जा रही नज 2.0 की सुविधा ली जा सकती है।

आदेश मोनालिसा विवाद के बाद पीएचक्यू ने जारी की नई गाइडलाइन, आंगनवाड़ी रिकॉर्ड और 10वीं की मार्कशीट सबसे अहम सबूत

पाक्सों में आधार कार्ड और पासपोर्ट उम्र का अंतिम प्रमाण नहीं

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश के पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) ने पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज होने वाले मामलों में पीड़ितों की उम्र तय करने के लिए नई और सख्त गाइडलाइन जारी की है। पिछले महाकुंभ के दौरान चर्चा में आई मोनालिसा की उम्र को लेकर हुए विवाद के बाद, पीएचक्यू ने सभी जिलों के एसपी और भोपाल-इंदौर के पुलिस कमिश्नरों को निर्देश दिए हैं कि पॉक्सो से जुड़ी किसी भी एफआईआर से पहले उम्र की पुष्टि के लिए 10वीं की अंकसूची, स्कूल रिकॉर्ड और आंगनवाड़ी रजिस्टर ही एज प्रूफ (उम्र का प्रमाण) होंगे। आधार और पासपोर्ट को नहीं माना जाएगा अंतिम प्रमाण स्पेशल डीजी (महिला सुरक्षा एवं कल्याण) अनिल कुमार द्वारा जारी निर्देश के मुताबिक, आधार कार्ड, समग्र आईडी, पासपोर्ट, राशन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस जैसे दस्तावेजों को उम्र का अंतिम प्रमाण नहीं माना जाएगा। स्पेशल डीजी के अनुसार, यह निर्देश मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर पीठ द्वारा दिए गए विभिन्न फैसलों के आधार पर जारी किए गए हैं। पीएचक्यू ने ऐसे मामलों की जांच कर रहे अफसरों के लिए नया स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार किया है।

मोनालिसा केस के बाद ऐसे मामले सुर्खियों में

यह कदम हाल ही में मध्य प्रदेश की रहने वाली और प्रयागराज महाकुंभ के दौरान सोशल मीडिया के जरिए चर्चाओं में आई मोनालिसा के मामले के बाद उठाया गया है, जिसमें राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने खरगोन एसपी से लड़की की उम्र सत्यापित करने को कहा था। गौरतलब है कि मोनालिसा ने पिछले दिनों अपने परिचित युवक के साथ शादी की है, लेकिन लड़की के परिवार ने उसकी शादी को चुनौती देते हुए उसे नाबालिग बताया था। इसके उलट मोनालिसा ने खुद को बालिग बताया है। ऐसे में यह मामला काफी पेचीदा हो गया है। इसके बाद पुलिस प्रशासन ने भविष्य के विवादों को रोकने के लिए जन्म प्रमाण पत्र से जुड़े दस्तावेजों की प्राथमिकता तय कर दी है। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने इस मामले में एमपी-केरल के डीजीपी को तलब किया है, जबकि प्रदेश पुलिस आरोपी फरमान के खिलाफ पॉक्सो और एट्रोसिटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर चुकी है।

एसओपी में ये बिंदु शामिल

- **10वीं की मार्कशीट:** यदि पॉक्सो की पीड़िता या पीड़ित ने 10वीं की बोर्ड परीक्षा दी है, तो बोर्ड सर्टिफिकेट में दर्ज जन्मतारीख को ही असली माना जाएगा और पुलिस को सबूत के तौर पर इसे अनिवार्य रूप से जब्त करना होगा।
- **स्कूल ड्रॉपआउट-** यदि पॉक्सो पीड़ित ने पढ़ाई बीच में छोड़ दी है, तो कक्षा 1 में प्रवेश के समय के स्कूल के एडमिशन रजिस्टर को आधार बनाया जाएगा। यदि स्कूल रिकॉर्ड में अंतर मिलता है, तो माता-पिता द्वारा घोषित तिथि को प्राथमिकता दी जाएगी।
- **आंगनवाड़ी रिकॉर्ड -** वर्ष 2000 के बाद से हर आंगनवाड़ी में भी जन्म का रिकॉर्ड रखा जाता है। जांच अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जन्मतिथि को लेकर उलझन होने पर पीड़ित के माता-पिता या परिजनों से संबंधित आंगनवाड़ी की जानकारी लें और वहां के रजिस्टर से जन्मतिथि का प्रमाण जब्त करें।
- **अस्पताल और पंचायत के दस्तावेज-** पीएचक्यू ने साफ किया है कि पिछले दो दशकों के दौरान अधिकांश जन्म अस्पतालों में हुए हैं, इसलिए वहां के रिकॉर्ड को भी सबूत के तौर पर मान्य किया जा सकता है। इसके अलावा ग्राम पंचायतों के जन्म रिकॉर्ड से भी जन्मतिथि को लेकर होने वाली शंका का समाधान किया जा सकता है।

रेलवे नहीं सर्विस प्रोवाइडर रखते हैं वेटिंग टिकट का रिफंड : कानूनगो

जागरण, भोपाल। ऑनलाइन रेलवे की वेटिंग टिकट कन्फर्म न होने से रेलवे को कोई फायदा नहीं होता। रिफंट में काटी गई राशि भी रेलवे के खाते में नहीं जाती, बल्कि ऑनलाइन टिकट बुक करने वाले सर्विस प्रोवाइडर ही यह शुल्क लेते हैं। रेलवे की फूड सर्विस में सुधार तो आया है, लेकिन अभी भी काफी गुंजाइश है। यह बात रेलवे यात्रियों के मानवाधिकारों, सुविधाओं और शिकायतों को लेकर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने सोमवार को राजधानी कही। वे यहां आयोजित जागरूकता संवाद में चर्चा कर रहे थे। यह संवाद रेलवे व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया गया था। इसमें लोगों की शिकायतों का निदान कर सुझाव भी लिये गए। ऑनलाइन टिकट कंफर्म न होने पर शुल्क में कटौती से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहाकि यह राशि रेलवे के खाते में नहीं जाती। ऑनलाइन टिकट बुकिंग की सुविधा देने वाले इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर यह शुल्क लेते हैं। जो लोग यह सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं, वे भी गरीब हैं। उन्होंने इसे अपनी आय का हिस्सा बना रखा है। यह कार्यक्रम उपयोगकर्ता सलाहकार समिति, पश्चिम मध्य रेलवे मंडल के सदस्य कमलेश सेन ने आयोजित किया था।

कोच में हो सेनेटरी पेड की मशीन: चर्चा में महिलाओं ने रेल यात्रा के दौरान सेनेटरी पेड की जरूरत पर सवाल उठाया। साथ ही रेलवे कोच में सैनिटरी पैड की व्यवस्था करने का सुझाव महिलाओं ने दिया। कानूनगो ने कहाकि प्रयास किया जा रहा है कि प्लेटफॉर्म पर मेडिकल शॉप में सैनिटरी पैड मिलें। वहीं ट्रेनों कोच में वेंडिंग मशीन लगाने पर भी विचार किया जा रहा है। ताकि महिलाओं को यात्रा के दौरान विकट स्थिति से बचाया जा सके। चर्चा के दौरान आरएसी टिकट का किराया वापस न मिलने का मुद्दा भी लोगों ने उठाया। इस पर कानूनगो ने कहाकि इस पर आयोग विचार कर चर्चा करेगा।

संक्षिप्त समाचार

शिवाजी पर विवादित बोल धीरेंद्र ने मांगी माफी

नागपुर, जेएनएन। छत्रपति शिवाजी महाराज और समर्थ रामदास स्वामी के बारे में अपनी टिप्पणी को लेकर विवादों में घिरे बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने माफी मांग ली। रविवार को नागपुर में प्रेस कान्फ्रेंस में धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- कुछ लोगों ने मेरे बयान का गलत अर्थ निकाला। मैं जिस स्वराज और हिंदू राष्ट्र की अवधारणा का सम्मान करता हूं, उसमें छत्रपति शिवाजी महाराज का स्थान सर्वोच्च है। उनके बारे में नकारात्मक बोलना तो दूर, मैं ऐसा सपने में भी नहीं सोच सकता। उन्होंने आगे कहा- संदर्भ बिल्कुल अलग था।

कुकर बम ब्लास्ट: शारिक को 10 साल की सजा

नई दिल्ली, जेएनएन। मंगलुरु कुकर धमाके के आरोपी शारिक को 10 साल की सजा सुनाई गई है। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने मंगलुरु कुकर धमाका मामले में आतंकी आरोपी मोहम्मद शारिक को 10 साल की सख्त कैद की सजा सुनाई है। शारिक ने अदालत के सामने अपना जुर्म कबूल कर लिया था। आइए जानते हैं कि ये घटना क्या थी और इसे कैसे अंजाम दिया गया था। यह घटना 19 नवंबर, 2022 को मंगलुरु में कंकनडी के पास हुई थी। जांचकर्ताओं ने बताया कि शारिक कथित तौर पर कदरी मंजूनाथ मंदिर में बम लगाने जा रहा था, तभी रास्ते में ही धमाका हो गया, जिससे एक बड़ी त्रासदी टल गई।

स्वर्णकांता से न्याय की उम्मीद खत्म: केजरीवाल

नई दिल्ली, जेएनएन। अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को वीडियो जारी कर कहा, 'शराब नीति घोटाला मामले में मैं हाईकोर्ट में न खुद पेश होऊंगा और न ही कोई मेरी तरफ से दलीलें रखेगा।' उन्होंने कहा, हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से न्याय मिलने की उम्मीद नहीं है। पूर्व सीएम ने जस्टिस स्वर्णकांता को लेटर भी लिखा। इसमें कहा, 'मैंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनते हुए महात्मा गांधी के सत्याग्रह का रास्ता अपनाने का फैसला किया है। इसकी वजह है कि जस्टिस स्वर्णकांता के दोनों बच्चे केंद्र सरकार के वकील के पैनल का हिस्सा हैं। इसमें साफ तौर पर हितों का टकराव दिखता है।' उन्होंने कहा, 'सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता जस्टिस स्वर्णकांता के दोनों बच्चों को केस देते हैं।

माली के रक्षामंत्री सादियो की बम धमाके में मौत

बमाको, जेएनएन। माली के रक्षा मंत्री सादियो कामारा की बम धमाके में मौत हो गई। शनिवार को राजधानी बमाको से करीब 15 किमी दूर काटी शहर में उनके घर पर आत्मघाती कार से हमला किया गया। हमले में सादियो की दूसरी पत्नी और दो पोते भी मारे गए। यह जानकारी उनके परिवार और अधिकारियों ने दी। एक रिश्तेदार ने उनकी मौत की पुष्टि की, जबकि उनके साले ने फेसबुक पोस्ट में इसकी जानकारी दी। हमले के पीछे अल-कायदा से जुड़ा जिहादी संगठन जेएनआईएम और तुआरेग विद्रोही समूह एफएलए का गठजोड़ बताया जा रहा है। दोनों संगठनों ने मिलकर यह हमला किया। इस हमले के साथ ही देश के कई हिस्सों में भी हिंसा भड़क गई। रिपोर्टों के मुताबिक राष्ट्रपति असीमी गोइता को सुरक्षित जगह ले जाया गया।

'चंद्रकांता' फेम भरत कपूर का निधन

नई दिल्ली,जेएनएन। फिल्म इंडस्ट्री से बुरी खबर सुनने को मिली है। लेजेंडरी एक्टर भरत कपूर अब हमारे बीच नहीं रहे। 80 साल की उम्र में वो दुनिया को छोड़कर चले गए। मुंबई के सायन अस्पताल में 27 अप्रैल दोपहर 3.30 बजे उनका निधन हुआ। शाम को 6.30 बजे परिवारवालों और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में उनका अंतिम संस्कार किया गया. करीबी दोस्त अवतार गिल ने भरत कपूर के निधन की खबर को कंफर्म किया है. अवतार गिल ने इमोशनल होते हुए बताया कि सोमवार शाम को 6.30 बजे भरत कपूर का अंतिम संस्कार किया गया था। वो 3 बजे के आसपास एक्पायर हुए थे। एक्टर पिछले 3 दिनों से अच्छा महसूस नहीं कर रहे थे। उनके मल्टीपल ऑर्गन्स फेल होने शुरू हो गए थे। उन्हें अस्पताल भर्ती कराया गया था।

इंटरव्यू के दौरान पत्रकार पर भड़के अमेरिकी राष्ट्रपति... कहा- मुझे क्लीन चिट मिल चुकी है, एंकर ने हमलावर का बयान टीवी पर पढ़ दिया था

मैं रेपिस्ट नहीं हूं, तुम हमलावर की बकवास पढ़ रही हो: ट्रंप

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक इंटरव्यू के दौरान महिला पत्रकार पर भड़क गए। यह मामला हिल्टन होटल में फायरिंग के आरोपी कोल टॉमस एलन के मैसेज से जुड़ा था। एलन ने हमले से 10 मिनट पहले परिवार को एक मैनिफेस्टो (लिखित बयान) भेजा था। इसमें उसने 'पेडोफाइल, रेपिस्ट और गद्दार' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था, लेकिन उसने किसी का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया। इसी मामले को लेकर पत्रकार नोरा ओ डोनल ने जब ट्रंप से पूछा कि क्या ये आरोप उन्हीं की तरफ इशारा करते हैं? इस पर ट्रंप ने कहा कि मैं न तो रेपिस्ट हूं, न ही किसी का रेप किया है। उन्होंने नाराजगी जताते हुए ये भी कहा, 'आपने एक बीमार आदमी की बकवास टीवी

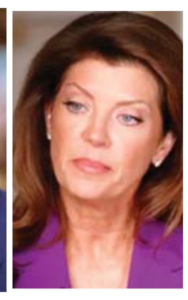

पर पढ़ दी। मुझे उन चीजों से जोड़ा गया, जिनसे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। मुझे पहले ही पूरी तरह क्लीन चिट मिल चुकी है।' इस पर नोरा ने साफ किया कि वे मेरे शब्द नहीं थे, बल्कि आरोपी ने लिखे थे। इस पर ट्रंप ने कहा कि ऐसे आरोप टीवी पर पढ़ना ही गलत था।

गोलीबारी के दौरान डर नहीं लगा: ट्रम्प

इंटरव्यू में जब ट्रम्प से पूछा गया कि क्या वे खुद निशाने पर थे, उन्होंने कहा कि मुझे पक्के तौर पर नहीं पता। हालांकि, घटना के दौरान मुझे डर नहीं लगा, क्योंकि दुनिया ऐसी ही है और ऐसी घटनाएं हो सकती हैं। ट्रम्प ने कहा कि पहले मुझे लगा था कि यह छोटी घटना है, लेकिन फिर समझ आया कि मामला गंभीर है। उस वक्त एक आर्टिस्ट शो कर रहा था और माहौल सामान्य लग रहा था, लेकिन अचानक सब बदल गया। ट्रम्प ने कहा कि सुरक्षा टीम मुझे तुरंत बाहर ले जाना चाहती थी, लेकिन मैं देखना चाहता थे कि क्या हो रहा है। बाद में एजेंट्स ने मुझे नीचे झुकने को कहा तो मैं और मेलानिया दोनों जमीन पर लेट गए और फिर सुरक्षित जगह ले जाया गया। उन्होंने बताया कि मैं आधे रास्ते तक खड़े होकर जा रहा था, फिर एजेंट्स के कहने पर नीचे झुक गया, क्योंकि वहां खतरा ज्यादा था। मैंने पहले भी ऐसी स्थितियां देखी हैं, लेकिन मेलानिया के लिए यह नया अनुभव था।

हमलावर पर कड़ी कार्रवाई की तैयारी

वॉशिंगटन में हाई-प्रोफाइल डिनर शूटिंग मामले में आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा। इस मामले ने अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों को हिला कर रख दिया है। कैलिफोर्निया के टॉरेंस का रहने वाला 31 वर्षीय कोल टॉमस एलन वॉशिंगटन की संघीय अदालत में पहली बार पेश होगा।

एलन पर आरोप है कि उसने व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन डिनर के दौरान सुरक्षा घेरे को तोड़ने की कोशिश की। इस कार्यक्रम में उस समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मौजूद थे। अभी तक औपचारिक आरोप तय नहीं हुए हैं। जांच एजेंसी के अधिकारियों के मुताबिक एलन पर एक एजेंट पर हमला करने और हिंसक अपराध के दौरान हथियार के इस्तेमाल का मामला बन सकता है। वॉशिंगटन की शीर्ष संघीय अभियोजक जीनिन पिरो ने संकेत दिया है कि इस मामले में और गंभीर धाराएं भी जोड़ी जा सकती हैं। कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने कहा है कि हत्या की कोशिश सहित अन्य आरोपों की जांच जारी है।

टीएमसी सांसद मिताली की कार पर हमला, सांसद और ड्राइवर घायल

गोगहाट से आरामबाग रैली करने जा रहीं थीं मिताली, 3 भाजपा कार्यकर्ता गिरफ्तार

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल के हुगली में सोमवार को टीएमसी सांसद मिताली बाग की कार पर हमला हुआ। हमला उस वक्त हुआ, जब मिताली बाग गोगहाट से आरामबाग में अभिषेक बनर्जी के रोड शो में शामिल होने जा रही थीं। हमले में कार के शीशे टूट गए। सांसद और उनके ड्राइवर को चोट आई है। दोनों को आरामबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमले के बाद कैमरे के सामने मिताली बाग फूट-फूटकर रो पड़ीं। उन्होंने कहा, 'मेरी गाड़ी की हालत देखिए।

उन लोगों ने बड़े-बड़े पत्थर फेंके। मैं किसी तरह जान बचाकर निकली हूं।' टीएमसी का आरोप है कि भाजपा समर्थकों ने गोगहाट में सांसद की गाड़ी पर ईंट-पत्थर और लाठियों से हमला किया। टीएमसी ने अपने ट्वीट में कहा- गृह मंत्री अमित शाह ने धमकी दी थी कि जो भी घर से बाहर निकलेगा, उसे उल्टा लटका दिया जाएगा। उसी के बाद यह हमला हुआ। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान सिंतु संत्रा, सनातन संत्रा और राजकुमार रॉय के रूप में की गई है। दावा है कि तीनों भाजपा कार्यकर्ता हैं। भाजपा प्रवक्ताओं और स्थानीय नेताओं ने इसे मिताली बाग द्वारा किया गया एक 'नाटक'बताया है।

सीएम ममता बनर्जी को एनसीएससी ने भेजा नोटिस

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की कथित जातिसूचक टिप्पणी को लेकर विवाद बढ़ गया है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। तीन दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी गई है। आयोग ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने ग्रुप बाइकिंग पर लगाई रोक

कलकत्ता हाईकोर्ट ने दूसरे चरण की वोटिंग खत्म होने तक ग्रुप बाइकिंग पर 48 घंटे के लिए रोक लगा दी है। चुनाव के समय अक्सर हिंसा, डराने-धमकाने या वोटर्स को प्रभावित करने की कोशिशें होती हैं, इसलिए इन सब पर रोक लगाने के लिए खास तौर पर बाइक को लेकर सख्त पाबंदियां लगाई गई हैं।

मोदी का खुला खत-'भय बहुत हुआ, अब भरोसा चाहिए'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव प्रचार की समय-सीमा खत्म होने के बाद राज्यवासियों के नाम एक खुली चिट्ठी लिखी है और लोगों से अपील की है कि सभी मिलकर बंगाल को विकसित बनाने का संकल्प लें। उन्होंने पत्र में भी लिखा है कि बंगाल के लोग विकासित बंगाल के लिए संकल्पित हैं। चिट्ठी में पीएम ने लिखा है कि भय बहुत हुआ, अब भरोसा चाहिए और राज्य में भाजपा चाहिए।

बंगाल में लोग राम मंदिर चाहते हैं : शाह

गृहमंत्री अमित शाह ने अंतिम चुनावी रोड शो चंदननगर विधानसभा में किया। शाह ने दावा किया कि राज्य में इस बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है। इसी दौरान शाह ने कहा कि कुछ लोगों से बात की, तो उन्होंने कहा कि वह बंगाल को बाबरी मस्जिद नहीं चाहते हैं, वह बंगाल में राम मंदिर चाहते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने मप्र हाईकोर्ट का आदेश पलटा

नए अपराध पर अपने आप रद्द नहीं होगी जमानत

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक फैसला लेते हुए जमानत रद्द करने का फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि नए अपराध में शामिल होने के आधार पर अकेले वैधानिक प्रावधान को रद्द नहीं किया जा सकता है, जब तक कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 480(3) के तहत वैधानिक प्रावधान पूरी तरह से रद्द न किया जाए।

न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति अतुल एस. चंद्रकर की पीठ ने मध्य प्रदेश के नारायण के खिलाफ इस फैसले पर अपील की। नारायण को मध्य प्रदेश एक्साइज एक्ट की धारा 34(2) के तहत दर्ज मामले में 20 नवंबर 2024 को जमानत मिल गई थी। बाद में अभियोजन पक्ष ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में जमानत रद्द करने की याचिका दायर की, जिसे उच्च न्यायालय ने स्वीकार कर लिया। सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के इस आदेश को रद्द कर दिया और नारायण की जमानत बहाल कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने धारा 480(3) की व्याख्या करते हुए स्पष्ट किया कि सख्त जमानत की शर्त केवल ऐसे अपराध में दी जा सकती है जहां सजा सात साल या उससे अधिक की कैद हो या बीएनएसएस के अन्य अध्यायों में शामिल हो।

15 साल साथ रहे, बच्चा भी है... तो यौन उत्पीड़न कैसे

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक विधवा के लिव-इन-रिलेशनशिप को लेकर सवाल उठाए हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना ने पूछा आरोपी और शिकायतकर्ता के साथ 15 साल साथ में रहे, उनका एक बच्चा भी है अब बलात्कार का आरोप लगा रही है तो बिना शादी के क्यों गई? दरअसल सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जवल भुइयां की बेंच मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के इसी फैसले को चुनौती देने वाली महिला शिकायतकर्ता की याचिका पर सुनवाई कर रही है। सुनवाई के दौरान महिला के वकील ने कहा कि आरोपी शिकायतकर्ता के एक रिश्तेदार का दोस्त था और जब वह बहुत कम उम्र (18 साल) में विधवा हो गई, तो उसकी कमजोर स्थिति का फायदा उठाते हुए उसे अपनी बातों में फंसा लिया। इसी भरोसे के साथ महिला रिलेशनशिप में गई, लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया।

बेटे की फिल्म का गाना देख रो पड़े आमिर खान

आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस में बनी उनके बेटे जुनैद खान और साई पल्लवी स्टारर फिल्म 1 मई को रिलीज हो रही है। रविवार को मुंबई में फिल्म का म्यूजिकल इवेंट रखा गया था, जिसमें आमिर की गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट भी बेटे के साथ पहुंची थीं। म्यूजिकल इवेंट में आमिर खान ने एक्ट्रेस साई पल्लवी और बेटे जुनैद खान के साथ बैठकर फिल्म देखी। इस बीच एक्टर काफी भावुक नजर आए। एक हिस्से में गाना देखकर आमिर रो पड़े और वहीं बैठे-बैठे अपनी टी-शर्ट से आंसू पोछते दिखे। कुछ देर बाद उन्होंने फिल्म का गाना भी गुनगुनाया। इसके अलावा भी इवेंट से आमिर खान का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है, जिसमें वो मंच पर माइक थामे खड़े हैं। इवेंट के होस्ट उन्हें कुछ कहते हैं, तभी आमिर, नेचर्स कॉल का इशारा करते हुए कहते हैं, 'दो मिनट जाकर आऊं?' ये देख वहां मौजूद हर कोई हंस पड़ा। यही नही, इवेंट के बीच का एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें भी आमिर नेचर्स कॉल का इशारा कर झुककर इवेंट से निकलते नजर आ रहे हैं।

आमिर ने साई पल्लवी को कहा, देश की बेस्ट एक्ट्रेस

इवेंट में फिल्म पर बात करते हुए आमिर खान ने फिल्म एक दिन की लीड एक्ट्रेस साई पल्लवी को देश की बेस्ट एक्ट्रेस कहा है। उन्होंने कहा, अगर मैं आज अपने दिल पर हाथ रखकर कहूं तो मेरे लिए साई कंट्री की बेस्ट एक्ट्रेस हैं। इवेंट में आमिर खान की गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट भी बेटे के साथ पहुंची थीं। उन्होंने बेटे का हाथ थामे एंट्री ली और उसे संभालती नजर आईं।

1 मई को रिलीज होगी फिल्म

फिल्म एक दिन से साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं। मंसूर खान और आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी इस फिल्म को सुनील पांडे ने डायरेक्ट किया है। फिल्म को 1 मई को हिंदी के अलावा तेलुगु और तमिल भाषा में रिलीज किया जाएगा।

नेतन्याहू को हटाने के लिए एकजुट हुए दो पूर्व पीएम

तेल अवीव, जेएनएन। इजराइल में दो पूर्व प्रधानमंत्रियों नफ्ताली बेनेट और येर लैपिड ने मौजूदा पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ एक साथ चुनाव लड़ने का फैसला किया है। उनका मकसद लंबे समय से सत्ता में रहे नेतन्याहू को हटाना है। दोनों पहले भी 2021 में साथ आए थे और उन्होंने अलग-अलग विचारधाराओं वाली पार्टियों को जोड़कर 12 साल से चली आ रही नेतन्याहू की सत्ता गिरा दी थी। अब दोनों नेताओं ने फिर से साथ आने और एक नई पार्टी बनाने का फैसला किया है। इस पार्टी का नाम 'टुगेदर' रखा गया है। इसकी अगुवाई बेनेट करेंगे। वे ही पीएम उम्मीदवार भी होंगे। इजराइल में अक्टूबर 2027 में चुनाव होने हैं लेकिन माना जा रहा है कि नेतन्याहू इसी साल अक्टूबर में संसद भंग कर चुनाव करा सकते हैं। 2022 में टूट गया था गठबंधन 2021 में हुए समझौते के तहत पहले बेनेट प्रधानमंत्री बने और बाद में लैपिड को यह जिम्मेदारी संभालनी थी। हालांकि यह सरकार बहुत कम बहुमत पर टिकी थी। इसमें दक्षिणपंथी, वामपंथी, मध्यमार्गी और एक अरब पार्टी शामिल थी।

पूर्व डीआईजी के ठिकाने पर ईडी के छापे

चंडीगढ़, जेएनएन। पूर्व डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम , 2002 के तहत उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 11 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की है। यह कार्रवाई सीबीआई और एसीबी चंडीगढ़ द्वारा दर्ज मामलों के आधार पर की जा रही है। ईडी की टीमें धारा 17 के तहत पंजाब और चंडीगढ़ के कुल 5 शहरों में सर्च ऑपरेशन चला रही हैं।

'सरके चुनरी तेरी' विवाद

महिला आयोग के समक्ष संजय दत्त ने मांगी माफी

नई दिल्ली, जेएनएन। बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त सोमवार को राष्ट्रीय महिला आयोग के समक्ष पेश हुए और विवादित गाने 'सरके चुनरी तेरी' को लेकर माफी मांगी। इस गाने पर महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने और अश्लीलता फैलाने के आरोप लगे थे, जिसके बाद आयोग ने उन्हें नोटिस जारी किया था। सुनवाई के दौरान संजय दत्त ने आयोग के सामने अपना पक्ष रखा और मामले की गंभीरता को स्वीकार करते हुए खेद जताया। उन्होंने सकारात्मक पहल करते हुए 50 आदिवासी बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाने का भी आश्वासन दिया। इस गाने में अभिनेत्री नोरा फतेही भी नजर आई हैं, जिन्हें आयोग ने व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए समन भेजा है।

चर्चा में 'खेला होबे' से चर्चा में आईं सयानी घोष कैसे बनीं टीएमसी की स्टार प्रचारक

चुनावी रील्स और बयानों में छाईं 'सुरीली सयानी'

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में चुनावी शोर में एक नाम जो बार-बार सुनाई दे रहा है और जिस पर मीडिया और सोशल मीडिया में खूब चर्चा हो रही है, वो नाम है तृणमूल कांग्रेस की 33 वर्षीय सांसद सयानी घोष का। सयानी ना सिर्फ आक्रामक भाषण दे रही हैं बल्कि राजनीतिक मंचों से अपने गायन से भी ध्यान खींच रही हैं। 2021 विधानसभा चुनाव में हार के बाद सयानी घोष ने 2024 में टीएमसी के टिकट पर जाधवपुर से लोकसभा चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। बांग्ला भाषी फिल्मों में अदाकारी और गायन ने राजनीति में आने से पहले ही उन्हें पश्चिम बंगाल में लोकप्रिय बना दिया था। कोलकाता के चर्चित साउथ पॉइंट हाई स्कूल से पढ़ाई करने के बाद उन्होंने कलकत्ता यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन की है।

खेला होबे नारे पर पुलिस ने किया था गिरफ्तार: साल 2021 में ही सयानी घोष को त्रिपुरा में गिरफ्तार भी किया गया था। दरअसल त्रिपुरा में स्थानीय चुनावों के समय सयानी ने भाजपा की एक नुक्कड़ सभा के पास से गुज़रते हुए नारा लगाया था- 'खेला होबे।' 'खेला होबे' साल 2021 में पश्चिम बंगाल चुनाव में दिया गया ममता बनर्जी का नारा था। इस नारेबाजी के बाद अगरतला के एक पुलिस थाने में सयानी घोष पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया था और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। पुलिस थाने के बाहर टीएमसी समर्थकों और कुछ अज्ञात लोगों के बीच झड़प भी हुई थी।

बंगाल की राजनीति में चर्चित चेहरा

साल 2023 में जब वो टीएमसी की यूथ विंग की अध्यक्ष थीं, पश्चिम बंगाल के कथित भर्ती घोटाले की जांच कर रही ईडी ने उनसे दस घंटों तक पूछताछ की थी। 1993 में कोलकाता में पैदा हुईं सयानी घोष आज पश्चिम बंगाल की राजनीति के सबसे चर्चित युवा चेहरों में से एक हैं। बांग्ला फ़िल्मों ने उन्हें समूचे बंगाल में पहचान दी और राजनीति में आने से पहले ही वो सांस्कृतिक जगत का एक चर्चित चेहरा बन चुकी थीं।

संसद में आक्रामक और चुटीला अंदाज

संसद के भाषणों ने उन्हें एक अलग पहचान दी। उनके भाषण सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं। वो बांग्ला, हिंदी और अंग्रेजी में धाराप्रवाह भाषण देती हैं। संसद में हाल ही में दिए एक चर्चित भाषण में उन्होंने भारतीय संविधान को अपने लिए भगवद् गीता बताया था। इस भाषण में घोष ने कहा, 'जिस तरह से ये संसद प्रधानमंत्री के लिए एक मंदिर है, इसी तरह ये हमारे लिए भी एक मंदिर है और भारत का गणतंत्र हमारी पूजा है। संविधान हमारी भगवद् गीता है।' अप्रैल में बजट पर चर्चा के दौरान अपने संसदीय भाषण में घोष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ़ इशारा करते हुए कहा था, 'हम लड़ते हैं आपसे, संविधान हाथ में लेकर लड़ते हैं, हाथ में हमारे तलवार नहीं है सर।' इस भाषण में सयानी घोष ने भारत की विदेश नीति पर सवाल उठाते हुए कहा था, 'भारत किससे तेल ख़रीदेगा कितने दिनों के अंदर ख़रीदेगा, किससे दोस्ती निभाएगा किससे दुश्मनी बरक़रार रखेगा, कोई और देश का राष्ट्रपति हमें ट्विटर पर आकर लेक्चर देता है और आप कहते हैं कि हम विरोध ना करें और हम चुप बैठे।' सयानी अपने भाषणों में गीतों और शायरी का भी खूब इस्तेमाल करती हैं।

सतना में डोरमेट्री की खिड़की तोड़कर वन स्टॉप सेंटर से भागीं 3 नाबालिग

जागरण, सतना। प्रदेश के सतना में जवाहर नगर स्थित वन स्टॉप सेंटर से तीन नाबालिग लड़कियां फरार हो गईं। तीनों ने डोरमेट्री की पीछे वाली खिड़कियां तोड़ीं और यहां से भाग गईं। सोमवार सुबह घटना की जानकारी मिलने पर सेंटर प्रबंधन ने सिटी कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल पुलिस की अलग-अलग टीमें रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अन्य संभावित स्थानों पर उनकी तलाश कर रही हैं। सेंटर अधीक्षिका नीता श्रीवास्तव ने घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तीनों नाबालिग जिस कमरे में रह रही थीं, उसकी पीछे की खिड़की तोड़कर एक-एक कर फरार हुईं। सेंटर में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और मुख्य गेट पर चौकीदार भी तैनात था, इसके बावजूद किसी को भनक नहीं लगी, जिस खिड़की से लड़कियां भागीं, उसके ठीक पीछे सीएम राइज स्कूल का मैदान है। अनुमान लगाया जा रहा है कि वे उसी रास्ते से बाहर निकली हैं। इन तीनों बालिकाओं को बाल कल्याण समिति के आदेश पर वन स्टॉप सेंटर में अस्थायी आश्रय दिया था। ये सभी पहले भी अपने घर से भाग चुकी थीं, जिन्हें पुलिस ने दस्तयाब किया था।

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

सोमवार सुबह बालिकाओं के गायब होने की सूचना पर सिटी कोतवाली पुलिस ने अधीक्षिका की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस की टीमें शहर में नाबालिगों की तलाश कर रही हैं। रेलवे स्टेशन और स्मार्ट सिटी के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। इसके साथ ही पुलिस बालिकाओं के परिजनों और परिचितों से भी जानकारी जुटा रही है।

अमृत भारत ट्रेन का उद्घाटन फेरा आज, जल्द होगी नियमित

नगर संवाददाता, भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा बनारस-हडपसर अमृत भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन विशेष फेरे का संचालन किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 02531 बनारस-हडपसर उद्घाटन स्पेशल का शुभारंभ 28 अप्रैल को बनारस से शाम 4:45 बजे किया जाएगा। यह विशेष गाड़ी अत्याधुनिक अमृत भारत रेक (22 कोच) के साथ संचालित होगी। यह उद्घाटन विशेष ट्रेन पश्चिम मध्य रेलवे के बीना, रानी कमलापति, नर्मदापुरम, इटारसी एवं हरदा स्टेशनों से होकर संचालित होगी, जिससे भोपाल मंडल के यात्रियों को बेहतर एवं सुविधाजनक यात्रा विकल्प उपलब्ध होगा। रेल प्रशासन द्वारा बताया गया है कि इस उद्घाटन विशेष ट्रेन के नियमित संचालन की सूचना पृथक से जारी की जाएगी। यह नई अमृत भारत सेवा पूर्व एवं पश्चिम भारत के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए तेज, आरामदायक एवं आधुनिक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

प्रमुख ठहराव एवं समय सारणी: बीना आगमन 5:15 बजे, प्रस्थान 5:20 बजे, रानी कमलापति आगमन 07:35 बजे, प्रस्थान 07:40 बजे, नर्मदापुरम आगमन 8:50 बजे, प्रस्थान 8:55 बजे, इटारसी आगमन 9:25 बजे, प्रस्थान 9:30 बजे और हरदा: आगमन 10:20 बजे, प्रस्थान 10:25 बजे करेगी। ट्रेन अगले दिन 12:55 बजे हडपसर पहुंचेगी।

जहर खाकर 15 दिन की बेटी को गोद में लेकर निकली महिला, मौत

जागरण, देवास। प्रदेश के देवास में एक महिला ने सोमवार सुबह जहर खा लिया। जहर खाने के बाद वह 15 दिन की बेटी को गोद में लेकर घर से निकल गई। करीब 1 किमी दूर जमीन पर गिरी और उल्टी करने लगी। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन उसकी जान नहीं बची। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस के अनुसार- सुतारपुरा (पुंजापुरा) निवासी रामेश्वर सोमवार अलसुबह विवाह कार्यक्रम में शामिल होने खरगोन रवाना हुआ। पति के जाते ही रेशमीबाई ने जहर पी लिया। बिना किसी को बताए, उसने सो रही अपनी 15 दिन की बेटी को गोद में उठाया और घर से निकल गई। तीन बेटियों की नींद खुली तो उन्होंने मां को आवाज लगाई। आसपास नहीं दिखने पर परिवार से पूछा। इसके बाद सभी उसे खोजने लगे। करीब एक किमी दूर वह सड़क किनारे उल्टी करते मिली। परिवार वाले उसे तत्काल बागली के स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए, जहां से उसे देवास जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का कहना था कि पति-पत्नी में कोई विवाद नहीं था। रेशमीबाई ने ऐसा क्यों कदम उठाया, समझ नहीं आई। परिजनों के मुताबिक 15 दिन पहले ही रेशमीबाई ने जंगल में बच्ची को जन्म दिया था, उनका परिवार महुआ बीनकर जीवन-यापन करता है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

युवक ने जान देकर कुएं में गिरी बच्ची को बचाया

जागरण, छतरपुर। जिले के ओरछा रोड थाना क्षेत्र के सौंरा गांव में कुएं में गिरी एक किशोरी को बचाने के लिए किशन अहिरवार ने अपनी जान कुर्बान कर दी। किशन ने बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाल दिया, लेकिन खुद कुएं से बाहर नहीं निकल सके। जानकारी के मुताबिक, रामचरण अहिरवार की 15 साल की बेटी मानसी अचानक कुएं में गिर गई थी। खबर मिलते ही पास में मौजूद किशन अहिरवार तुरंत मौके पर पहुंचे और बिना किसी सुरक्षा के कुएं में कूद गए। उन्होंने साहस दिखाते हुए बच्ची को संभाला और किसी तरह रस्सी की तरफ धकेल कर ऊपर तक पहुंचाया, जहां मौजूद लोगों ने उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया। बच्ची के पिता रामचरण ने बताया कि बच्ची को बचाने के दौरान किशन अहिरवार खुद कुएं से बाहर नहीं निकल पाए। काफी देर तक जब वे नजर नहीं आए तो ग्रामीण भी कुएं में उतरे। कुछ देर में उन्हें खोज लिया गया और कुएं से निकालकर जिला अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों ने किशन के साहस को सलाम करते हुए उन्हें हीरो बताया।

बिजनेस प्लस

पतंजलि ने दिखाई 'चंदन वन' की राह, पहाड़ से पलायन रोकने की है 'मॉडल' में ताकत

हरिद्वार। देश में चंदन की खेती लंबे समय तक दक्षिण भारत तक सीमित मानी जाती रही, लेकिन अब यह धारणा बदल रही है। उत्तराखंड में पतंजलि की ओर से विकसित 'चंदन वन' मॉडल ने साबित किया है कि अनुकूल परिस्थितियों में उत्तर भारत में भी चंदन की सफल खेती संभव है। प्रदेश के कई जिलों में इसके सकारात्मक उदाहरण सामने आ चुके हैं। हरिद्वार स्थित पतंजलि के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने करीब दो दशक पहले चंदन की खेती पर प्रयोग शुरू किए थे, उस समय उत्तर भारत में इसकी खेती लगभग न के बराबर थी। पतंजलि के रिसर्च सेंटर और औषधीय उद्यान में लगाए गए चंदन के पौधों पर किए गए अध्ययन में सकारात्मक परिणाम मिले, जिसके बाद राज्य के कई जिलों में किसानों और निजी संस्थाओं ने इस मॉडल को अपनाना शुरू कर दिया। पतंजलि औषधीय उद्यान में लगाए गए पौधे कुछ ही वर्षों में विकसित होकर 'चंदन वन' के रूप में बदल गए। इसके बाद पौड़ी जिले सहित अन्य क्षेत्रों में भी यह प्रयोग सफल रहा। इस पहल ने उत्तराखंड में चंदन की खेती की संभावनाओं को मजबूत आधार दिया। जिससे 'चंदन वन' यानि चंदन की खेती को हाई-वैल्यू फसल के रूप में देखा जा रहा है। उत्तराखंड में बढ़ते पलायन को रोकने के लिए आचार्य बालकृष्ण ने इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन विजन 2047 आईआईटी रुड़की में अपना स्पष्ट 'विजन' रखा। उन्होंने कहा कि रोजगार की तलाश में लोग पहाड़ छोड़ रहे हैं, जबकि स्थानीय संसाधनों के सही उपयोग से यहीं समृद्धि लाई जा सकती है। उन्होंने यमकेश्वर ब्लॉक का एक अनुभव साझा किया। कुछ वर्ष पहले वे वहां की पहाड़ियों में पहुंचे, जहां बड़े हिस्से में जमीन बंजर और सूखी पड़ी थी। इसी चुनौती को अवसर में बदलने के उद्देश्य से उन्होंने जलवायु के अनुरूप चंदन सहित अन्य पौधों का रोपण शुरू कराया। शुरुआती प्रयासों के बाद धीरे-धीरे यह प्रयोग सफल हुआ और कुछ ही वर्षों में वही क्षेत्र हरियाली से आच्छादित हो गया। इसी क्रम में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने पैतृक क्षेत्र यमकेश्वर पहुंचे, जहां आचार्य बालकृष्ण ने उन्हें वह इलाका दिखाया। यह वही भूमि थी, जिसे पहले अनुपयोगी और बंजर माना जाता था, लेकिन अब वहां 'चंदन वन' और घनी हरियाली विकसित हो चुकी थी। इस परिवर्तन को देखकर योगी आदित्यनाथ कुछ क्षणों के लिए ठिठक गए, रोमांचित हो उठे और अचंभित रह गए।

नागदा-बीना ट्रेन में सफर कर रही महिलाओं के साथ शातिर चोरों ने की बड़ी वारदात

बैग के पास बैठे बच्चों को बातों में उलझाया चलती ट्रेन से पार किए 40 लाख के जेवर

जागरण, ब्यावरा। ट्रेनों में बढ़ती चोरी की घटनाएं और संदिग्ध गतिविधियां यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। ताजा मामला रुठियाई-मक्सी रेल ट्रैक का है। उज्जैन से ब्यावरा आ रही नागदा-बीना ट्रेन में सफर कर रही महिलाओं के साथ बड़ी वारदात हुई। उज्जैन के सूरज नगर निवासी आशा सुरतानिया अपनी बहन और बच्चों के साथ राजगढ़ शादी में शामिल होने आ रही थीं, उनके बैग में शादी में पहनने के लिए करीब 250 ग्राम सोना और 500 ग्राम चांदी के जेवर रखे थे। सफर के दौरान मक्सी और शाजापुर के बीच दो युवक ट्रेन में सवार हुए और आम यात्रियों की तरह बच्चों के पास बैठ गए। ऊपर रखे बैग पर उनकी नजर थी। बदमाशों ने बच्चों से बातचीत कर जानकारी हासिल कर ली कि वे लोग शादी में जा रहे हैं। मौका पाकर उन्होंने बैग को

काटकर उसमें रखे जेवरों से भरा डिब्बा चोरी कर लिया और रास्ते में उतर गए। चोरी इतनी सफाई से की गई कि महिलाओं को चोरी की घटना की भनक तक नहीं लगी। राजगढ़ शादी में पहुंचने के बाद जब बैग की जांच की तो वह कटा हुआ और उसमें रखा जेवरों से भरा डिब्बा गायब मिला तो उनके होश उड़ गए। बैग में रानी हार, अन्य हार, चूड़ियां, चैन, टॉप्स, पेंडल सेट के साथ चांदी के करधौने और पायल सहित बड़ी मात्रा में जेवर रखे थे। वर्तमान कीमत के अनुसार चोरी हुए जेवरों की कुल कीमत करीब 40 लाख रुपए आंकी गई है। सुरक्षा के इंतजाम नाकाफी घटना के अगले दिन सोमवार को पीड़ित महिलाएं अपने परिजनों के साथ ब्यावरा सिटी थाने पहुंचीं, यहां से उन्हें जीआरपी थाने भेजा गया। यहां उन्होंने शिकायत दर्ज कराई।

पराली के धुएं के चलते रोकी दो ट्रेन, एक को किया रिवर्स

ब्यावरा में सोमवार को पराली जलाने की एक घटना ने रेलवे संचालन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। खेतों में लगी आग से उठे घने धुएं के कारण रेलवे ट्रैक पर विजिबिलिटी लगभग शून्य हो गई, जिसके चलते दो ट्रेनों को बीच रास्ते रोकना पड़ा और एक ट्रेन को सुरक्षित स्थान पर रिवर्स करना पड़ा। बीना से नागदा की ओर जा रही एक यात्री ट्रेन जब ब्यावरा स्टेशन से लगभग 6 किलोमीटर पहले पहुंची, तो लोको पायलट को आगे का रास्ता दिखना बंद हो गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रेलवे अधिकारियों ने यात्री ट्रेन को पीछे की ओर रिवर्स कर सुरक्षित दूरी पर ले जाने का निर्णय लिया। इसके पीछे आ रही साबरमती एक्सप्रेस को भी ब्यावरा रेलवे स्टेशन पर रोकना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक रेल संचालन काफी देर तक प्रभावित रहा। रेलवे अधिकारियों ने सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ट्रैक के पूरी तरह सुरक्षित होने तक ट्रेनों को आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी।

बस ऑपरेटर पर फायरिंग, सरपंच पति सहित 15 पर केस

जागरण, शिवपुरी। प्रदेश के शिवपुरी में हथियारों से लैस बदमाशों ने एक बस संचालक के घर पर हमला कर दिया। वारदात कोतवाली क्षेत्र के सिंहनिवास गांव की है। बदमाशों ने टेरर टैक्स और पुरानी रंजिश के चलते इस घटना को अंजाम दिया। सरपंच पति और पूर्व मंत्री के भतीजे समेत अन्य आरोपियों ने घर में घुसकर ताबड़तोड़ फायरिंग की। हमले में बस संचालक जय सिंह बाल-बाल बच गए। गोली उनके बाएं हाथ को छूकर निकली। पुलिस ने 12 नामजद और 3 अज्ञात लोगों पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर लिया है। सरपंच पति का नाम प्रभात रावत और पूर्व मंत्री के भतीजे का नाम रोहित धाकड़ है। कुछ आरोपियों को हिरासत में भी ले लिया है। फरियादी जय सिंह ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले प्रभात, प्रमोद और प्रणट रावत से 2017 से विवाद चल रहा है। रात को तीनों भाई अपने साथियों के साथ 315 बोर की बंदूक, पिस्टल, देशी कट्टा, कुल्हाड़ी और लोहे की रॉड लेकर जबरन घर में घुस आए। प्रमोद ने 315 बोर की बंदूक से फायर किया, जो हाथ को छूकर निकला। वहीं प्रभात ने पिस्टल से दो फायर किए। इसके बाद आरोपियों ने घर में मौजूद दीवान सिंह, मजबूत सिंह और अरविंद के साथ लाठियों से मारपीट कर दरवाजे तोड़ दिए। डायल 112 का सायरन बजते ही हमलावर भाग निकले। जय सिंह के अनुसार, आरोपियों ने एक गैंग बना ली है जो इलाके में टेरर टैक्स मांगती है, उन पर भी पैसे देने का दबाव था, जिसे मना करने पर यह जानलेवा हमला किया गया। इससे पहले 2017 में भी इन्हीं तीनों भाइयों ने परिवार पर फायरिंग की थी, तब जय सिंह की आंख में छर्रे लगे थे। गैंग का प्रमुख आरोपी सरपंच पति प्रभात रावत इससे पहले पोहरी विधायक कैलाश कुशवाह को फोन पर जान से मारने की धमकी दे चुका है।

राजमार्गों में अवैध कट-प्वाइंट्स को चुनौती

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर कर प्रदेश से गुजरने वाले राजमार्गों में अवैध कट-प्वाइंट्स को चुनौती देते हुए इन्हें हटाने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया कि इनके कारण एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंच पाती हैं। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की खंडपीठ ने सड़क परिवहन मंत्रालय के सचिव, एनएचएआई, लोक निर्माण विभाग के एसीएस व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। डिंडोरी निवासी महावीर सिंह ने पक्ष स्वयं रखा।

10 जिलों में लू, 14 में हल्की बारिश, खजुराहो @46 डिग्री

भोपाल में सीजन का सबसे गर्म दिन, तापमान 43.4 डिग्री पर

आज से कई जिलों में कम होगी गर्मी

भोपाल। मध्य प्रदेश में सोमवार को मौसम के दो रूप देखने को मिले। एक तरफ जहां भीषण गर्मी रही, वहीं दूसरी ओर आसमान में बादल छाए रहे और कई जगह हल्की बारिश भी हुई। तेज हवा के साथ मौसम में ठंडक घुल गई। गर्मी की बात करें तो बुंदेलखंड में यह सबसे तेज रही। छतरपुर जिले के खजुराहो में सोमवार को सीजन में दस साल का रिकार्ड टूट गया। यहां दिन का अधिकतम तापमान 46 डिग्री तक पहुंच गया जो कि पिछले दस वर्ष में सबसे अधिक है। खजुराहो के बाद नौगांव में 45.5 डिग्री तापमान रहा। मौसम केंद्र भोपाल से जारी बुलेटिन के मुताबिक सोमवार को प्रदेश के लगभग दो दर्जन जिलों में भीषण गर्मी रही, एक दर्जन से अधिक जिलों में बादल छाए रहे। **ग्वालियर-चंबल में बारिश के आसार:** भीषण गर्मी के बाद अब मंगलवार से प्रदेश में मौसम करवट लेने वाला है। भोपाल मौसम केंद्र के मौसम वैज्ञानिक वीरेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण मप्र में बारिश हो सकती है। भारत के उत्तरी क्षेत्र में सिस्टम सक्रिय हो रहा है। जिसका असर पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश से होते हुए मप्र के ग्वालियर व चंबल संभाग में देखने को मिलेगा। इसका प्रभाव तीन से चार दिन रह सकता है।

14 जिलों में पारा 44 या उससे अधिक

सोमवार को मप्र में ऐसा पहली बार हुआ, जिसमें करीब 14 जिलों में दिन का अधिकतम तापमान 44 डिग्री या उससे अधिक रहा। इससे पहले कभी भी इतनी बड़ी संख्या में जिले इतनी तेज गर्मी में नहीं रहे। इन जिलों में टीकमगढ़, सीधी, सतना, रीवा, नौगांव, मंडला, खजुराहो, दमोह, दतिया, गुना, रायसेन, श्योपुर और रतलाम का नाम शामिल है। भोपाल और ग्वालियर में 43.4 डिग्री, इंदौर में 42 डिग्री, उज्जैन में 42.4 डिग्री और जबलपुर में 42.7 डिग्री तापमान रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक श्योपुर में 44.8 डिग्री, दतिया में 44.7 डिग्री, टीकमगढ़ में 44.5 डिग्री, रीवा, सीधी और सतना में 44.4 डिग्री तापमान रहा। इसके अलावा मुरैना, शाजापुर, दमोह, रतलाम, मंडला, गुना और रायसेन में भी पारा 44 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया। सागर जिले में मौसम ने अचानक करवट ली। सुबह तेज धूप के बाद दोपहर में बादल छाए और शाम को रहली व बंडा के ग्रामीण इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई, जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली।

शादी में फटी बच्चे की स्मार्ट वॉच, भाई भी झुलस गया

नर्मदापुरम में हुआ हादसा, हाथ की चमड़ी छिली

जागरण, नर्मदापुरम। प्रदेश के नर्मदापुरम में रविवार रात एक शादी समारोह में 10 साल के बच्चे की कलाई पर बंधी स्मार्ट वॉच में अचानक विस्फोट हो गया। हादसे में वॉच पहनने वाले बालक का हाथ झुलस गया, जबकि पास बैठा उसका भाई भी चपेट में आया। जानकारी के अनुसार, इटारसी रोड स्थित गार्डन में ग्राम चांदोन निवासी 10 वर्षीय जुड़वां भाई वेदांत चौधरी और सूर्यांश चौधरी शादी में शामिल होने आए थे। रात के समय दोनों भाई एक साथ बैठे थे। वेदांत ने अपने हाथ में स्मार्ट वॉच पहन रखी थी, तभी अचानक विस्फोट हुआ। स्मार्ट वॉच फटने से वेदांत के हाथ का हिस्सा झुलस गया। हाथ की चमड़ी छिल गई है। हादसे के बाद घबराए परिजन तुरंत बच्चों के पास पहुंचे। परिजन दोनों बच्चों को रात करीब 1.30 बजे नर्मदा अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने जांच कर इलाज किया। चोटें सामान्य होने के कारण इलाज के बाद दोनों को रात में ही घर भेज दिया।

दर्दनाक : बस के टायर के बीच फंसी महिला 30 फीट तक घिसटाई, मौत

जागरण, मुरैना। प्रदेश के मुरैना में जौरा रोड बैरियर चौराहे के पास एक तेज रफ्तार बस ने सड़क पार कर रही महिला को कुचल दिया। हादसे में महिला बस के टायर में फंस गई और चालक ने बस रोकने के बजाय उसे करीब 30 फीट तक घसीटा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी बस चालक मौके से फरार हो गया। सिविल लाइन पुलिस ने बस जब्त कर ली है। बस मालिक की पहचान हो गई है और फरार चालक की तलाश जारी है। जल्द गिरफ्तारी का दावा किया है। सिविल लाइन थाना प्रभारी उदयभान यादव के मुताबिक, मृतका कमला बघेल अपने परिजनों के साथ रिश्तेदारी में गमी में शामिल होने जा रही थी। परिजन बनामीर इलाके के बरीपुरा से मुरैना पहुंचे थे। यहां महिला वाहन से पानी पीने उतरी थी, इसी दौरान हादसे का शिकार हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची और बस के नीचे फंसे शव को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला।

मुरैना में पानी पीने उतरी महिला हादसे का शिकार

मंदाकिनी नदी सीवरेज परियोजना का विशेषज्ञ दल ने किया निरीक्षण

एमपीयूडीसी के कार्यों की सराहना

रीवा। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के प्रदूषण नियंत्रण एवं सीवरेज परियोजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों का उच्चस्तरीय विशेषज्ञ दल द्वारा स्फटिक शिला से भरतघाट तक नदी किनारे पैदल भ्रमण कर स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की के प्रोफेसर डॉ. ए.ए. काजमी के नेतृत्व में विशेषज्ञ दल के साथ नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी (एमपीयूडीसी) के मुख्य अभियंता शैलेन्द्र शुक्ला एवं उनकी टीम भी सम्मिलित रही। दल में डॉ. प्रवीण मुतियार (डायरेक्टर टेक्निकल, नमामि गंगे), कमल तिवारी (डायरेक्टर, डाइकी इंडिया लिमिटेड), दीनदयाल शोध संस्थान के इंजीनियर राजेश त्रिपाठी, नगर परिषद चित्रकूट के अधिकारीगण, सीवरेज परियोजना से संबंधित अधिकारी एवं संविदाकार करण पटेल सहित उनकी टीम उपस्थित रही। निरीक्षण के दौरान सीवरेज परियोजना अंतर्गत डाली गई आउटफॉल सीवर पाइपलाइन एवं नदी को प्रदूषणमुक्त करने हेतु किए गए विभिन्न प्रबंधों का विस्तृत अवलोकन किया गया। आईआईटी रुड़की के दल द्वारा एमपीयूडीसी के कार्यों की सराहना करते हुए विशेष रूप से नदी तट पर किए गए जटिल एवं चुनौतीपूर्ण सीवर कार्यों को सराहनीय बताया गया। डॉ. प्रवीण मुतियार ने कठिन परिस्थितियों

में किए गए कार्यों की प्रशंसा की, वहीं कमल तिवारी ने मंदाकिनी नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए अपनाए गए नाला ट्रेपिंग मॉडल तथा एसटीपी में ऑक्सीडेशन पोंड के स्थान पर एसबीआर तकनीक के उपयोग के निर्णय को अत्यंत प्रभावी बताया। प्रोफेसर डॉ. काजमी एवं उनके दल द्वारा होरिजॉन्टल ड्रिलिंग विधि से रामायणी कुटी से सियाराम कुटी तक लगभग 300 मीटर पाइपलाइन डालने तथा हार्ड रॉक स्ट्रेटा में सिंकिंग पद्धति से भरतघाट पंपिंग स्टेशन निर्माण जैसे जटिल कार्यों की भी सराहना की गई। मुख्य अभियंता शैलेन्द्र शुक्ला द्वारा संविदाकार को निर्देशित किया गया कि 30 जून तक शेष 1800 सीवर कनेक्शन पूर्ण किए जाएं तथा आगामी 20 दिनों में 4 एमएलडी सीवेज को एसटीपी तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही एसबीआर आधारित एसटीपी का निर्माण कार्य 8 माह की समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए।

ओबीसी आरक्षण बढ़ाने के विरुद्ध दलीलें सुनेगा कोर्ट

सोमवार से शुरू हो गई नियमित सुनवाई, आज फिर होगी बहस

जागरण, जबलपुर। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ के समक्ष सोमवार को ओबीसी आरक्षण मामला सुनवाई के लिए लगा। इस संबंध में एक साथ 86 याचिकाओं की सुनवाई होनी है। कोर्ट ने पहले दिन सायं चार बजकर 35 मिनिट से पांच बजकर 10 मिनिट तक सुनवाई की। इस दौरान सभी पक्षों से अंडरटेकिंग ली कि कौन कितने समय तक बहस करेगा। इसके बाद कोर्ट ने निर्धारित किया कि सर्वप्रथम ओबीसी आरक्षण के विरुद्ध याचिकाकर्ताओं के वकीलों को सुना जाएगा। इसके बाद राज्य शासन और फिर ओबीसी आरक्षण के पक्ष में याचिकाकर्ताओं के वकीलों को सुना जाएगा। मंगलवार को सुबह 11 बजे से आगे की सुनवाई होगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में अशिता दुबे व अन्य की ओर से दायर याचिका में ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षण बढ़ाकर 27 प्रतिशत किए जाने को चुनौती दी गई थी। इसके बाद से लगातार ओबीसी आरक्षण बढ़ाने के पक्ष और विपक्ष में सैकड़ों याचिकाएं दायर हुईं। सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संघी, ओबीसी के विशेष अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर, ओबीसी वर्ग के अधिवक्ता वरुण ठाकुर, मप्र शासन की ओर से महाधिवक्ता प्रशांत सिंह, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता केएम नटराजन पैरवी के लिए आगे आए।

रिपोर्ट केरल में सांप काटने के लगातार बढ़ रहे मामले, स्वास्थ्य विभाग के लिए चुनौती

आठ जहरीले सांपों की नहीं कोई एंटीवेनम

नई दिल्ली, जेएनएन। केरल में सांप काटने की घटनाओं में वृद्धि हो रही है। लगातार मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग के लिए यह एक बड़ी चुनौती बन गई है। दरअसल, प्रदेश में पाए जाने वाले आठ प्रमुख विषैले सांपों और किंग कोबरा के लिए कोई विशिष्ट एंटीवेनम उपलब्ध नहीं है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विभाग की परेशानी बढ़ गई है। फिलहाल डॉक्टर केवल लक्षणों के आधार पर मरीजों का इलाज कर पा रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, पिट वाइपर परिवार के सांप इस समस्या के केंद्र में हैं। इनमें सबसे खतरनाक कूबड़दार नाक वाला पिट वाइपर (हाइपनेल हाइपनेल) है, जो जंगलों, रबर बागानों और कृषि क्षेत्रों में आमतौर पर पाया जाता है। यह केरल में विषैले सांप काटने के लगभग 25 प्रतिशत मामलों के लिए जिम्मेदार है और इसकी मृत्यु दर सबसे अधिक बताई जाती है। बताया जाता है कि स्वास्थ्य एवं वन विभाग की ओर से बार-बार विशेष एंटीवेनम विकसित करने की सिफारिश के बावजूद राज्य सरकार अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पाई है। वर्तमान में ऐसे मरीजों का प्राथमिक उपचार डायलिसिस और प्लाज्मा थेरेपी के जरिए लक्षणों को नियंत्रित करने तक सीमित है। यही कारण है कि लगातार परेशानी बढ़ती जा रही है। मालाबार पिट वाइपर तिरुवनंतपुरम से कासरगोड तक के क्षेत्रों में आसानी से मिल जाता है। हालांकि इसे कूबड़दार नाक वाले सांप की तुलना में कम विषैला माना जाता है, लेकिन इसका काटना भी जानलेवा साबित हो सकता है।

किंग कोबरा के लिए कोई एंटीवेनम नहीं

किंग कोबरा की भयावह प्रतिष्ठा के बावजूद भारत में इसके लिए कोई स्वदेशी एंटीवेनम उपलब्ध नहीं है। असम में स्थापित एक उत्पादन संयंत्र को कम मांग के कारण बंद कर दिया गया था। हाल के वर्षों में देशभर में केवल तीन मामले दर्ज किए गए हैं। इसी प्रकार, पश्चिमी घाट के घने जंगलों में पाए जाने वाले मालाबार कोरल सांपों के लिए भी कोई एंटीवेनम नहीं है।

सांप के विष से तैयार होती है एंटीवेनम

वर्तमान में भारत में बहुसंयोजक एंटीवेनम मुख्य रूप से चेन्नई से एकत्रित विष का उपयोग करके तैयार किया जाता है। विशेषज्ञों ने केरल की स्थानीय सांप आबादी से विष संग्रह कर प्रभावी एंटीवेनम बनाने के लिए केंद्र सरकार से आग्रह किया है, लेकिन यह मांग अभी तक पूरी नहीं हुई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो केरल में सांप काटने से होने वाली मौतों की संख्या और बढ़ सकती है।

टवेरा और ट्रैक्टर ट्राली की भिड़ंत में पांच लोगों की मौत, 7 घायल

जागरण, नर्मदापुरम। प्रदेश के नर्मदापुरम में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात आंचलखेड़ा के पास एक टवेरा और अनाज से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली की भीषण टक्कर हुई। हादसे में टवेरा में सवार 5 लोगों की मौत हो गई और 7 लोग घायल हैं। सभी बुधनी में एक शादी समारोह से लौट रहे थे। सभी मृतक और घायल महेंद्रवाड़ी व माखननगर के रहने वाले थे। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार टवेरा में सवार लोग गांव के ही राघवेंद्र मोरण्या की शादी में शामिल हो बुधनी गए थे और रात में महेंद्रवाड़ी वापस लौट रहे थे। स्टेट हाइवे पर आंचलखेड़ा के पास क्रॉसिंग के दौरान टवेरा ट्रॉली के साइड से टकरा गई। टक्कर इतनी खतरनाक थी कि टवेरा के परखच्चे उड़ गए। मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहगीरों व ग्रामीणों की मदद से घायलों व मृतकों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डाक्टरों ने जांच के बाद पांच लोगों को मृत घोषित कर दिया।

मध्यम एवं बड़े कृषकों के लिए स्लॉट बुकिंग सुविधा प्रारंभ : मऊगंज कलेक्टर

कलेक्टर ने गेहूं उपार्जन केंद्र का किया निरीक्षण

मऊगंज जागरण। राज्य शासन द्वारा गेहूं उपार्जन के लिए किसानों के लिए स्लॉट बुकिंग की अवधि 9 मई तक बढ़ा दी गई है, अब छोटे, मध्यम एवं बड़े सभी किसान स्लॉट बुक कर समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय कर सकते हैं। इस व्यवस्था के माध्यम से कृषक निर्धारित समयानुसार उपार्जन केंद्रों पर पहुंचकर अपनी उपज का विक्रय कर सकेंगे, जिससे अनावश्यक भीड़, प्रतीक्षा समय तथा अव्यवस्था की स्थिति से बचाव होगा।

कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण

कलेक्टर संजय कुमार जैन ने गत दिवस पन्नी उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र पर उपलब्ध व्यवस्थाओं, तौल प्रक्रिया, भंडारण, साफ-सफाई एवं किसानों को प्रदान की जा रही सुविधाओं का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्लॉट बुकिंग प्रणाली का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए ताकि अधिक से अधिक कृषक इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने यह भी कहा कि उपार्जन केंद्रों पर किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। तौल में पारदर्शिता बनाए रखने तथा समय पर भुगतान की व्यवस्था को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने किसानों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को भी जाना। किसानों ने स्लॉट बुकिंग व्यवस्था को सुविधाजनक बताते हुए प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त सुझावों के आधार पर व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार किया जाए। उल्लेखनीय है कि प्रशासन द्वारा यह पहल जिले में उपार्जन प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित एवं किसान अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे न केवल कृषकों को सुविधा मिलेगी, बल्कि उपार्जन कार्य में पारदर्शिता एवं दक्षता भी सुनिश्चित होगी।जिले में राज्य शासन के निर्देशानुसार पंजीकृत किसानों से स्लॉट बुकिंग के आधार पर शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य 2585 एवं बोनस 40 रूपये प्रति क्विंटल कुल 2625 रूपये प्रति क्विंटल की दर से जिले में स्थापित 26 गेहूं उपार्जन केन्द्रों पर गेहूं उपार्जन का कार्य किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर पीके पांडेय, एसडीम मऊगंज एपी द्विवेदी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बीआरसीसी कार्यालय त्योंथर में भ्रष्टाचार पर नहीं लग रही लगाम

त्योंथर ब्यूरो। त्योंथर का बीआरसीसी कार्यालय इन दिनों भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरा हुआ है, इस संबंध में आमजनों के द्वारा दैनिक जागरण अखबार पर कई बार खबरें प्रकाशित की गई लेकिन प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार की जांच और कार्यवाही नहीं की गई। ग्रामीण जनों ने संवाददाता से बात करते हुए बताया कि कार्यालय में दो शिक्षकों द्वारा सोशल मीडिया पर उजागर किए गए मामलों ने न केवल विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि यह भी साबित कर दिया है कि नीचे से ऊपर तक जवाबदेही का तंत्र लगभग निष्क्रिय हो चुका है। शिक्षक समायोजन योजना द्वारा वेतन वसूली में गड़बड़ी और सपोर्टिंग सामग्री द्वारा शासकीय राशि में कथित घोटाले के आरोप कोई साधारण शिकायत नहीं है। ये सीधे-सीधे उस व्यवस्था पर चोट हैं, जो बच्चों के भविष्य और शिक्षा के नाम पर चल रही है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जब एक शिक्षक ने पारदर्शिता के तहत बिल-वाउचर मांगे, तो उसे जानकारी देने के बजाय धमकाने की कोशिश की गई। यह दर्शाता है कि कार्यालय में नियम नहीं, बल्कि दबाव और डर का शासन चल रहा है। और तो और, बीआरसीसी से जुड़े कर्मचारियों के परिजनों के माध्यम से शासकीय राशि के उपयोग के आरोप इस बात की ओर इशारा करते हैं कि हितों का टकराव खुलेआम नजरअंदाज किया जा रहा है। यह न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप देने जैसा है। सबसे बड़ा सवाल अब प्रशासनिक अधिकारियों पर खड़ा होता है—क्या जिला शिक्षा अधिकारी और डीपीसी इस पूरे मामले में निष्पक्ष जांच कर सख्त कार्रवाई करेंगे, या फिर फाइलों में दबाकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा?

ऑनलाइन स्व-गणना के लिए अब केवल 3 दिन शेष

मऊगंज कलेक्टर ने नागरिकों से पोर्टल पर स्व-गणना फार्म भरने की अपील की

मऊगंज जागरण। राष्ट्रीय जनगणना -2027 के तहत पोर्टल पर स्व-गणना का विकल्प ऑनलाईन उपलब्ध कराया गया है। इस पोर्टल में सभी नागरिक 30 अप्रैल तक अपनी जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी संजय कुमार जैन ने नागरिकों से अपील की है कि यदि अब तक आपने ऑनलाइन स्व-गणना फार्म नहीं भरा है, तो शीघ्र भर देवें। जल्दी करें, स्व-गणना के लिए अब केवल 3 दिन ही शेष बचे है। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट में गौ सेवकों के संगठनों स्वगणना का फॉर्म कलेक्ट्रेट चेंबर में ही कलेक्टर द्वारा भरवाया गया। कलेक्टर ने नागरिकों से अपील की है कि वे जागरूक नागरिक के रूप में अपनी सहभागिता से इस पुनीत राष्ट्रीय कार्य को सम्पन्न कराने में सहयोग दें। उन्होंने कहा है कि जिले में एक मई 2026 से प्रारंभ हो रहे जनगणना-2027 के पहले चरण, में मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य एक राष्ट्रीय दायित्व है। जिले के प्रत्येक नागरिक से पूर्ण निष्ठा और सक्रिय सहयोग के साथ इस कार्य को सफल बनाने में सहभागी बनने का आग्रह किया गया है। पोर्टल में स्व-गणना की जानकारी दर्ज करने के बाद एक एसई आईडी जनरेट होगा, जिसे एक मई से 30 मई के बीच प्रगणक के घर-घर भ्रमण के दौरान साझा करना आवश्यक होगा। प्रगणक द्वारा सत्यापन के बाद ही मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना की प्रक्रिया पूरी मानी जाएगी। स्व-गणना पूरी तरह ऐच्छिक है। यदि कोई व्यक्ति स्व-गणना नहीं करता है, तो प्रगणक तय अवधि में घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करेंगे। प्रथम चरण के दौरान प्रगणक एक मई से 30 मई, 2026 के मध्य प्रत्येक घर जाकर भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 33 प्रश्नों के माध्यम से जानकारी एकत्रित करेंगे। ये प्रश्न मकानों की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं तथा परिवार की परिसंपत्तियों से संबंधित होंगे। जानकारी का संकलन मोबाइल एप के माध्यम किया जाएगा। वर्तमान शताब्दी की तीसरी जनगणना वर्ष 2027 में संपादित की जानी है, जो राष्ट्र के भावी विकास के लिए आधारभूत और विश्वसनीय जन सांख्यिकीय आंकड़े उपलब्ध कराएगी। जनगणना 2027 की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इस बार की जनगणना में आधुनिक डिजिटल तकनीक का व्यापक स्तर पर उपयोग किया जा रहा है। पहली बार बड़े पैमाने पर मोबाइल ऐप आधारित डेटा संकलन किया जाएगा।

क्राइम कार्नर

खेतों में नरवाई पर आग लगाने से बढ़ा खतरा सेमरिया क्षेत्र में सामने आई आगजनी की घटना

जागरण, रीवा। किसानों द्वारा फसल कटाई के बाद नरवाई (पराली/फसल अवशेष) में आग लगाने की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। इससे खेतों के साथ-साथ आसपास के गांवों में भी खतरा बढ़ गया है। कई जगह आग बेकाबू होकर खेतों से निकलकर सड़कों और रिहायशी इलाकों तक पहुंच रही है, जिससे जान-माल का जोखिम बना हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आग लगने की सूचना देने के बावजूद दमकल वाहन समय पर नहीं पहुंच पा रहे हैं। दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में फायर ब्रिगेड की कमी और संसाधनों का अभाव स्थिति को और गंभीर बना रहा है। कई मामलों में ग्रामीणों को खुद ही आग बुझाने के प्रयास करने पड़ रहे हैं, जिससे हादसे का खतरा बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि नरवाई जलाने से न केवल पर्यावरण को नुकसान होता है, बल्कि मिट्टी की उर्वरता भी कम होती है। साथ ही धुआं बढ़ने से सांस संबंधी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे नवाई में आग न लगाएं और वैकल्पिक तरीकों का उपयोग करें। साथ ही फायर ब्रिगेड व्यवस्था को मजबूत करने और ग्रामीण क्षेत्रों में त्वरित राहत पहुंचाने की मांग भी उठने लगी है। ताजा मामला आज रीवा के सेमारिया विधानसभा से सामने आया जहा बस्ती से दूर स्थित खेत की नरवाई में लगी आग तेज धूप और हवा के साथ आसपास के खेतों से होकर बस्ती की ओर जा पहुंची। यहां बस्ती और फैलती आग को देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और वह आग पर काबू पाने में जुट गए। हालांकि ग्रामीणों ने इसकी सूचना दमकल विभाग को भी दी, लेकिन दमकल मौके पर नहीं पहुंचा, ऐसे में ग्रामीणों को खुद से आग बुझाने की मशक्कत करनी पड़ी।

कार की चपेट में आए 3 बाइक सवार घायल

एक अन्य कार को भी मारी टक्कर, बैकुंठपुर कस्बे में बीती रात हुई घटना

जागरण, रीवा। बैकुंठपुर में रविवार की रात करीब 9 बजे एक तेज रफ्तार कार ने दो बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी जिसमें तीन लोग घायल हुए। एक की हालत गंभीर होने से उसे संजय गांधी अस्पताल उपचार के लिए भेजा गया। बताया जा रहा है कि कार ने बाइक सवारों को टक्कर मारने के बाद रीवा की ओर से सिरमौर जा रही कार को टक्कर मार दी। जिसके बाद दोनों का कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। रीवा से सिरमौर जा रहे कार सवार प्रदीप सिंह ने बताया कि रीवा की ओर आ रही कार में तीन युवक सवार थे जो नशे की हालत में थे, जिन्होंने बाइक सवारों को टक्कर मारने के बाद तेज रफ्तार से उनकी कार को टक्कर मार दी। फिलहाल घटना की सूचना के बाद बैकुंठपुर पुलिस ने दोनों कारों को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बोलेरो में भड़की आग, जनहानि टली

रीवा। यूपी से पनवार जा रही बोलेरो में डभौरा में अचानक आग लग गई। बताया गया कि बोलेरो सवार पनवार से यूपी रिश्तेदारी में गए थे जहां से वापस लौटते समय डभौरा में कुछ रिश्तेदारों को छोड़ा गया। जैसे ही बोलेरो चालक ने वाहन चालू किया अचानक इंजन के पास से आग भड़क उठी। अचानक आग भड़कने से हड़कंप मच गया। जिसके बाद आसपास के लोगों ने आग पर काबू पाया। आशंका है कि शार्ट सर्किट से आग लग गई। फिलहाल आगजनी में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। अचानक बोलेरो में हुई आगजनी से कुछ देर के लिए अफरा तफरी का माहौल निर्मित हो गया, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए आग पर काबू पाया।

घर से गेहूं चुरा ले गए बदमाश, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

जागरण, रीवा। मऊगंज के नईगढ़ी थाना क्षेत्र के भनिगवां में किसान के घर से गेहूं चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। शिकायत के बाद पुलिस बदमाश की तलाश कर रही है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक चोरों ने दिन दहाड़े किसान के घर से क्विंटल भर से अधिक गेहूं को ही पार कर दिया। घटना घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें दो युवक गेहूं से भरी बोरियां चोरी कर ले जाते नजर आ रहे है। घटना की शिकायत रोहित पटेल ने नईगढ़ी थाना पुलिस से की है। पीड़ित के मुताबिक रविवार की दोपहर करीब 1 बजे जब घर में कोई नहीं था तभी दो की संख्या में आए अज्ञात चोरों ने 2 से 3 क्विंटल गेहूं पार कर दिया। पीड़ित नें बताया गेहूं चोरी की यह घटना उसके घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है, जिसमें दो युवक दिन दहाड़े गेहूं से भरी बोरियां चोरी कर ले जाते नजर आ रहे हैं। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने मामले को जांच में लिया है और सीसीटीवी फुटेज की मदद से चोरी करने वालों की पहचान कर उनकी तलाश में लगी हुई है।

रेलवे स्टेशन के पास अज्ञात युवक की मिली लाश

जागरण, रीवा। शहर के रीवा रेलवे स्टेशन के पास सोमवार को एक अज्ञात युवक के शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली। जानकारी के बाद मौके पर पहुंची सिविल लाइन पुलिस ने शव को पंचनामा कार्रवाई के बाद पीएम के लिए संजय गांधी अस्पताल की मर्चुरी में रखवाया है। मृतक के जेब से पुलिस को कल्याण जक्शन से हावड़ा जक्शन की टिकट मिली है। फिलहाल मृतक की शिनाख्त अब तक नहीं हो सकी है। पुलिस मृतक की पहचान के प्रयास में लगी हुई है। आशंका है कि मुंबई से आने वाली ट्रेन से युवक रीवा आया जहां उसकी मौत हुई है।

महाराजा पब्लिक स्कूल के छात्रों का रहा उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

जागरण, रीवा। बेला स्थित महाराजा पब्लिक स्कूल के छात्रों ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी 10वीं के परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन दिखाया है कक्षा 10वीं में सर्वाधिक 98 प्रतिशत पर्व अग्रवाल का रहा। इसके बाद क्रमशः प्रतिज्ञा पाण्डेय एवं नमन कुमार पाण्डेय का 96 प्रतिशत, अक्षिता शुक्ला एवं यश पाण्डेय का 94 प्रतिशत, शानिया शुक्ला एवंअनिकेत सिंह, का 93 प्रतिशत,आदित्य कुमार एवं अंशिका शुक्ला 92 प्रतिशत, विनीत रंजन एवं श्रेष्ठ सिंह 91 प्रतिशत, जान्हवी पाण्डेय, शुभी त्रिवेदी, एवं अनिरुद्ध सिंह परिहार का 90 प्रतिशत रहा। रुद्रांश मिश्रा, श्रजल गोश्वामी एवं अनिकेत सिंह 89 प्रतिशत, दिव्यांस द्विवेदी,एवं आर्य गुप्ता 88 प्रतिशत, रंजीत सिंह 87 प्रतिशत, दीपक सिंह एवं अतिश राठौर 86 प्रतिशत, आन्या आर्या,सत्यम कठेल, सूरज साकेत एवं देवांश त्रिपाठी का 85 प्रतिशत रहा। विद्यालय के 99 छात्रों नें परीक्षा में भाग लिया था जिसमें सभी छात्र उत्तीर्ण हो गए है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा। छात्रों के इस प्रदर्शन से विद्यालय प्रबंधन ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

राहगीरों को निःशुल्क पानी पिलाने खोला प्याऊ

त्योंथर ब्यूरो। जनहित बहुउद्देशीय समिति सोहागी द्वारा म. प्र. जन अभियाकन परिषद रीवा के सहयोग से ग्राम पंचायत सोहागी में निःशुल्क प्याऊ खोला गया जिससे आम रास्ते पर चलने वाले लोगों को मीठा पानी सुलभ हो सके। समिति के अध्यक्ष राजीव दुबे ने बताया कि समिति प्रत्येक वर्ष गर्मी में आम जान मानस को पानी पीने के लिए व्यवस्था करती है, उसी कड़ी मे इसलिए वर्ष भी इस कार्य मे मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक जागेश्वर ताम्रकार, ब्लॉक समन्वयक अनीता मिश्रा का मार्गदर्शन रहा एवं समाज सेवी शिवाकांत पाण्डेय एवं प्रदीप दुबे, अमित तिवारी का विशेष सहयोग रहा।

सूने घर का ताला तोड़कर लाखों की चोरी करने वाले चोरों का पुलिस अब तक नहीं कर सकी खुलासा

हनुमना, नि.प्र.। मऊगंज जिले के अंतर्गत विभिन्न ग्रामीण एवं नगरी इलाकों में चोरी का इजाफा लगातार देखने को मिल रहा है और पुलिस चोरी के खुलासा करने में नाकाम साबित दिखाई दे रही है ऐसा ही एक मामला जिले के शाहपुर थाना अंतर्गत खटखरी क्षेत्र में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। चोरों ने एक सूने घर को निशाना बनाते हुए नगदी सहित सोने-चांदी के जेवरातों पर हाथ साफ कर दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। किंतु खुलासा न होने के कारण फरियादी भय के माहौल में जीवन यापन कर रहे हैं ।

ससुराल गया था पीड़ित : संवाददाता को पीड़ित ने बताया कि मैं मुकेश कुमार गुप्ता (32 वर्ष), निवासी खटखरी वार्ड क्र. 16, 25 अप्रैल को अपनी पत्नी के साथ ससुराल कोरांव (उत्तर प्रदेश) गए हुए थे। घर पर उनका भाई उमेश गुप्ता और मजदूर संतोष गुप्ता मौजूद थे।

सोते रह गए भाई और मजदूर, चोरों ने किया हाथ साफ : संवाददाता को पीड़ित ने कि भाई उमेश और मजदूर संतोष देर रात काम से लौटकर घर के ऊपरी हिस्से में बने कमरे में सो गए थे। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने घर में प्रवेश किया और नीचे के कमरों में रखी अलमारी और पेटी का लॉक तोड़ दिया। सुबह जब उमेश की नींद खुली, तो उसे अपनी पैंट से 6,500 रुपये और विवो कंपनी का मोबाइल गायब मिला।

लाखों के जेवर और नगदी चोरी : जब परिजनों ने घर की तलाशी ली, तो देखा कि छत पर रखी पेटी का ताला टूटा हुआ था और सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने पेटी में रखे पत्नी के गहने, जिनमें हार, माथबेंदी, पायल, नथिया और लॉकेट शामिल थे, समेत 18,000 रुपये नगद पार कर दिए।

पुलिस ने दर्ज किया मामला : घटना की सूचना मिलने पर शाहपुर थाना (चौकी खटखरी) पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए अज्ञात चोरों के विरुद्ध बी.एन.एस. की धारा 331(4) और 305(ए) के तहत अपराध क्रमांक 0/26 दर्ज कर लिया है। मामले की जांच प्र.आर. हरि प्रसाद पटेल द्वारा की जा रही है। स्थानीय पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा। खटखरी निवासी फरियादी मुकेश गुप्ता ने पुलिस अधीक्षक मऊगंज एवं थाना प्रभारी शाहपुर से निवेदन और अपील किया गया है कि चोरी का जल्द से जल्द खुलासा किया जाए ताकि आम लोगों का भी पुलिस पर विश्वासनियता कायम रह सके।

सेवानिवृत कर्मचारियों की गरिमा एवं सुरक्षा प्रदान करने के लिए पुरानी पेंशन आवश्यक

मनिकवार, नि.प्र.। न्यू मूवमेंट फार ओल्ड पेंशन संघ रीवा मध्य प्रदेश ने सुप्रीम कोर्ट के अभी हाल ही में एक बयान का हवाला देते हुए कहा है कि सभी कर्मचारियों के सेवानिवृत होने पर उनको पुरानी पेंशन देनी चाहिए क्योंकि कर्मचारी की गरिमा सम्मान एवं बुढ़ापे में सुरक्षा प्रदान करने के लिए पुरानी पेंशन आवश्यक है । न्यू मूवमेंट फार ओल्ड पेंशन संघ रीवा का कहना है कि यह फैसला देश भर के कर्मचारियों के लिए हित में है। बहुत दिनों से कर्मचारियों द्वारा पुरानी पेंशन की मांग की जा रही है लेकिन भारत सरकार सभी कर्मचारियों की 2005 से पुरानी पेंशन बंद कर दी है एवं उसके स्थान पर नवीन पेंशन योजना जिसे एनपीएस का नाम दिया गया है शुरू की गई जो कर्मचारी के हित में नहीं है, एनपीएस योजना में कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद 2000 से लेकर 3000 तक का मासिक पेंशन प्राप्त होती है इसमें कर्मचारी बुढ़ापे में अपनी सुरक्षा एवं सम्मान की रक्षा कैसे कर पाएगा, वह दर दर की ठोकर खाने को मजबूर हो रहा। सभी कर्मचारियों की भारत सरकार से मांग है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले को मानते हुए कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल कर एनपीएस योजना को बंद करें। अभी हाल ही में शिक्षकों की टीईटी परीक्षा के संबंध में सुप्रीम कोर्ट में जो फैसला सुनाया था उसे सभी राज्य की सरकारों ने परीक्षा के संबंध में अधिकारियों को अमल करने के लिए निर्देशित किया था जो कर्मचारी के हित में नहीं था ऐसे निर्णय जो कर्मचारी के हित में होते हैं। वह भारत सरकार नहीं मानती है लेकिन ऐसे निर्णय जो कर्मचारी के हित में नहीं है उसे सरकार बहुत जल्द ही मान लेती है जो न्याय संगत नहीं है । उक्त आशय की जानकारी न्यू मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन संघ के जिला संयोजक गणेश प्रसाद पाठक ने दी । न्यू मूवमेंट फार ओल्ड पेंशन संघ रीवा मध्य प्रदेश ने मांग है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले को जल्द से जल्द भारत सरकार अमल करें एवं सभी राज्यों को पुरानी पेंशन देने के लिए सुझाव देकर कर्मचारियों की गरिमा सम्मान एवं बुढ़ापे की सुरक्षा प्रदान करें ।

सेवानिवृत्त बीडीओ ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह का निधन

क्षेत्र में शोक की लहर, अंतिम संस्कार आज

सेमरिया। बीड़ा निवासी सेवानिवृत्त बीडीओ ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह का लम्बी बीमारी के पश्चात 90 वर्ष की आयु में सोमवार 27 अप्रैल की दोपहर निधन हो गया है। वे पूर्व इलाकेदार स्व. लाल उपेन्द्र प्रताप सिंह के छोटे भाई थे। उनके दो पुत्र आशीष सिंह व अमित सिंह तथा एक पुत्री अलका सिंह हैं। सम्पूर्ण बीड़ा-सेमरिया क्षेत्र में नवीन खेती की क्रांति में उनका अभूतपूर्व योगदान रहा है, इनके ही अथक प्रयास से बीड़ा-सेमरिया में विद्युत लाइन व सड़क का विस्तार हुआ। स्व. ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह जनमानस में अत्यंत लोकप्रिय थे। स्व. सिंह के निधन से सम्पूर्ण क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है, अंतिम संस्कार आज सुबह सम्पूर्ण विधि-विधान के साथ बीड़ा गाँव में होगा ।

रीवा में होगी 'एक मोहब्बत ऐसी भी' की शूटिंग

आंचलिक डेस्क। रीवा में वेब सीरीज 'एक मोहब्बत ऐसी भी' की शूटिंग की शुरुआत होने जा रही है, सोमवार विधिवत शुरुआत हो गई। सभी कलाकार और टीम के सदस्य रीवा पहुंचे, जहां मंदिर में पूजा-अर्चना कर इस प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया गया। इस वेब सीरीज में काम करने वाले कलाकार मुंबई से आए हैं। पत्रकार वार्ता के दौरान वेब सीरीज के राइटर और डायरेक्टर ने बताया कि रीवा फिल्म निर्माण के लिए बेहद उपयुक्त स्थान है। उन्होंने शहर के विभिन्न लोकेशन का दौरा करने के बाद खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यहां का प्राकृतिक वातावरण और माहौल उन्हें बेहद पसंद आया। वेब सीरीज के डायरेक्टर अक्षय पांडे ने बताया कि उन्होंने कई वेब सीरीज और फिल्मों में काम किया है और कई शहरों में शूटिंग की है, लेकिन झीलों की नगरी रीवा का अनुभव अलग ही रहा। उन्होंने कहा कि यहां की लोकेशन और माहौल को देखते हुए उन्होंने अपनी नई वेब सीरीज की शूटिंग यहीं करने का फैसला लिया। वेब सीरीज में प्रमुख रूप से डायरेक्टर अक्षय पांडे, स्क्रिप्ट राइटर प्रमोद कुमार पांडे, चीफ एडिटर जीशान खान, एडिटर निखिल वर्मा, प्रोड्यूसर अंकित सिंह, कलाकार अमर तिवारी, तीव्रता तिवारी, शिवम चौधरी, अंकुश पटेल, पुष्पराज पटेल, अंशिका, खुशी, पलक और अंशी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

गोमती बनी अवैध शराब का अड्डा

सोहागी, नि.प्र.। त्योंथर चौकी क्षेत्र राजापुर चिल्ला पार पुल के पास संचालित एक गोमती में अवैध शराब की बिक्री धड़ल्ले से होने के आरोप लगे हैं। स्थानीय लोगों ने संवाददाता से बात करते हुए आरोप लगाया है कि ठेकेदार राकेश मधेशिया की सरपरस्ती में यह पूरा खेल चल रहा है, जहां खुलेआम शराब बिक्री के साथ-साथ अहाते जैसी व्यवस्था भी संचालित की जा रही है। स्थानीय लोगों ने आगे कहा कि स्थिति यह है कि लायसेंसी दुकान सिर्फ दिखावे तक सीमित रह गई है, जबकि असली कारोबार गोमती के अंदर फल-फूल रहा है। दिन-दहाड़े बोतलों की खनक, खुलेआम बैठकर शराबखोरी और आसपास के माहौल का बिगड़ता स्वरूप-ये सब जिम्मेदार विभागों की कार्यशैली पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है।

सांदीपनि पीएमश्री उत्कृष्ट एवं मॉडल स्कूल की मॉनिटरिंग समिति के लिए अजीत सिंह का नामांकन

मनिकवार, नि.प्र.। मध्य प्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कलेक्टर के अध्यक्षता मे सांदीपनि, पीएमश्री उत्कृष्ट एवं मॉडल स्कूल की मॉनीटरिंग व सुचारु रूप से संचालन जिला स्तरीय मॉनिटरिंग में गठित समिति में आरोग्य भारती महाकौशल प्रांत सह कोषाध्यक्ष व जिला इकाई रीवा के सचिव डाक्टर अजीत सिंह को मंत्रालय स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जिला रीवा के लिए नामांकित किए जाने पर आरोग्य भारती परिवार ने बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। इस समिति मे डाक्टर अजीत सिंह को नामांकित किए जाने के अलावा समिति के अध्यक्ष कलेक्टर के साथ सदस्य के रूप मे सम्भाग आयुक्त, जिला पुलिस अधीक्षक , सीएमओ जिला पंचायत, सीएमओ स्वास्थ्य, कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी, पीएचई, जिला महिला विकास अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक, जिला परिवहन अधिकारी, प्राचार्य समस्त सी एम राइस, जिला खाद्य अधिकारी को लेकर समिति का गठन किया गया है।

नर्माण कार्यों में उपयंत्री के सहयोग से शंकरपुर महीवा सरपंच एवं सचिव कर रहे अनियमितता

त्योंथर ब्यूरो । जनपद पंचायत त्योंथर अंतर्गत ग्राम पंचायत शंकरपुर महीवा में लगातार अनियमितता एवं भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं। संवाददाता को ग्रामीण जनों ने बताया कि ग्राम पंचायत में सरपंच और पंचायत सचिव तथा संबंधित उपयंत्री की मिली भगत से ग्राम पंचायत अंतर्गत कराए गए सभी निर्माण कार्यों में निर्धारित मापदंडों को दरकिनार करते हुए घटिया सामग्री का उपयोग करते हुए घटिया निर्माण कराया गया है जिसमें संबंधित उपयंत्री की मिली भगत से इनकार नहीं किया जा सकता है? ग्राम पंचायत वासियों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया है कि यदि सभी निर्माण कार्यों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तो मौके पर स्थल परीक्षण में निर्माण कार्यों में घटिया सामग्री का उपयोग किया जाना तथा घटिया निर्माण पाया जाएगा। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से अपील की है कि यदि उच्चस्तरीय जांच कराई जाएगी जो शासकीय राशि का दुरुपयोग किया जाना पाया जाएगा। लोगों ने यह भी कहा है कि संबंधित उपयंत्री के रक्षाकवच पर सरपंच एवं सचिव लगातार निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार कर रहे हैं।

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालय:- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना -** 9993315949 **सीधी-**7089620900 **सिंगरौली-**9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

अभिषेक (हैदराबाद)	380
केएल राहुल (दिल्ली)	358
वैभव (राजस्थान)	357

पर्पल कैप (गेंदबाज)

भुवनेश्वर (बेंगलुरू)	14
अंशुल कंबोज(चेन्नई)	14
इशान मलिंगा (हैदराबाद)	14

बाउंड्री मीटर

687 छक्के

1205 चौके

73 अर्धशतक

दिल्ली कैपिटल्स के डेविड मिलर के टी-20 में 12 हजार रन पूरे हो गए। उन्होंने आरसीबी के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
पंजाब	7	6	0	13	1.333
बेंगलुरु	8	6	2	12	1.919
हैदराबाद	8	5	3	10	0.815
राजस्थान	8	5	3	10	0.602
गुजरात	8	4	4	8	-0.475
चेन्नई	8	3	5	6	-0.121
दिल्ली	8	3	5	6	-1.060
कोलकाता	8	2	5	5	-0.751
मुंबई	7	2	5	4	0.736
लखनऊ	8	2	6	4	-1.106

मैच 39: भुवनेश्वर-हेजलवुड का कहर, पिछले मैच में रिकार्ड रन बनाने वाली दिल्ली अपने तीसरे सबसे छोटे स्कोर पर सिमटी

दिल्ली को 75 पर ढेर कर 39 गेंद में जीती आरसीबी

जेएनएन, नई दिल्ली

भुवनेश्वर कुमार (तीन ओवर में पांच रन पर तीन विकेट) और जोश हेजलवुड (3.3 ओवर में 12 रन पर चार विकेट) की कमाल की गेंदबाजी के दम पर गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल के 39वें मैच में सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स को 81 गेंद शेष रहते नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। कैपिटल्स की पारी को 16.3 ओवर में 75 रन पर समेटने के बाद आरसीबी ने देवदत्त पडिक्कल (13 गेंद में नाबाद 34 रन) और विराट कोहली (15 गेंद में नाबाद 23 रन) की आक्रामक बल्लेबाजी से 6.3 ओवर में एक विकेट पर 77 रन बनाकर एकतरफा जीत दर्ज की। टीम ने आठ मैचों में यह छठी जीत दर्ज कर तालिका में दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति और मजबूत की, जबकि दिल्ली की यह आठ मैचों में पांचवीं हार है। आरसीबी ने इसके साथ ही आईपीएल इतिहास में गेंद के हिसाब से दूसरा सबसे तेज लक्ष्य हासिल कर मौजूदा सत्र में 18 अप्रैल को कैपिटल्स से मिली हार का बदला भी चुकता कर लिया। पिछले मैच में पंजाब के खिलाफ दो विकेट पर 264 रन के साथ अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाली दिल्ली की टीम का यह आईपीएल में तीसरा सबसे कम स्कोर है। टीम के लिए अभिषेक पोरेल ने सबसे ज्यादा 30 रन का योगदान दिया। उनके अलावा डेविड मिलर (19) और काइल जैमीसन (12) ही दहाई के आंकड़े में रन बना सके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी को जैकब बेथेल ने पहली ही गेंद पर चौका लगाकर बेहतरीन शुरुआत दी। इसके बाद उन्होंने जेमीसन पर लगातार दो छक्के लगाकर पारी को मोमेंटम देने की कोशिश की, हालांकि दो गेंद बाद नटराजन ने मिड ऑन से पीछे दौड़कर लॉन्ग ऑन पर एक बेहतरीन कैच लपककर उनकी पारी को समाप्त किया। इसके बाद पडिक्कल ने सिर्फ 13 गेंदों में तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 34 रन बनाकर जीत को महज औपचारिकता बना दिया और अंत में लगातार दो छक्के लगाकर कोहली ने इस औपचारिकता को पूरा किया।

पहली बार आठ रन पर 6 विकेट गिरे

हेजलवुड और भुवनेश्वर की टेस्ट मैच जैसी ऑफ स्टंप के बाहर स्विंग होती गेंदों का कैपिटल्स के बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था और टीम ने शुरुआती तीन ओवर में नौ रन तक छह विकेट गंवा दिए। यह आईपीएल इतिहास में पहली बार आठ रन पर छह विकेट गिरे। पावरप्ले के बाद कैपिटल्स का स्कोर छह विकेट पर 13 रन था। यह आईपीएल में पावरप्ले का सबसे कम स्कोर है। इससे पहले राजस्थान ने 2009 में आरसीबी के खिलाफ दो विकेट पर 14 रन बनाए थे।

प्लेयर ऑफ द मैच: जोश हेजलवुड

दिल्ली के विकेटों का पतझड़

आईपीएल में डेब्यू कर रहे युवा बल्लेबाज साहिल पारख को भुवनेश्वर ने यॉर्कर से पारी की दूसरी ही गेंद पर क्लीन बोल्ड किया, जबकि अगली ओवर की पहली ही गेंद पर हेजलवुड ने शॉर्ट गेंद से पिछले मैच में नाबाद 152 रन बनाने वाले केएल राहुल को विकेट के पीछे आउट करा दिया। अगली गेंद पर समीर रिजवी भी भुवनेश्वर की बाहर निकलती गुड लेंथ पर बाहरी किनारा दे बैठे और विकेट के पीछे से फिर से जितेश शर्मा ने कोई गलती नहीं की। भुवनेश्वर के अगले ओवर की पहली गेंद पर स्टब्स का बाहरी किनारा लिया और स्लिप ने कोई गलती नहीं की। तीन गेंद बाद दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल भी ऐसी ही एक बाहर निकलती गेंद पर जितेश को कैच दे बैठे। पिछले मैच में राहुल का बेहतरीन साथ देने वाले और अपने शतक से चूकने वाले नीतीश राणा आठ गेंदों से टिककर खेल रहे थे, लेकिन हेजलवुड की बाहर निकलती और उछाल लेती बैक ऑफ लेंथ गेंद ने उनके संघर्ष को समाप्त किया और स्लिप पर पडिक्कल ने बाईं ओर डाइव लगाकर एक बेहतरीन कैच लपका। सातवें विकेट के लिए डेविड मिलर और अभिषेक पोरेल ने 35 रनों की साझेदारी की, लेकिन इसका कोई ज्यादा महत्व नहीं था। मिलर और जेमीसन (12) का विकेट गिरने के बाद दिल्ली की टीम सिर्फ 75 रन पर ऑलआउट हो गई।

9000 हजार रन आईपीएल में विराट कोहली (9012) के हो गए हैं। वे ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं, जिनके नाम 7183 रन दर्ज है।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स: 75/10 (16.3 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
साहिल परख बो. भुवनेश्वर	0	2	0	0
राहुल का. जितेश बो. भुवनेश्वर	1	3	0	0
राणा का. पडिक्कल बो. हेजलवुड	1	9	0	0
रिजवी का. जितेश बो. हेजलवुड	0	1	0	0
स्टब्स का. पडिक्कल बो. भुवनेश्वर	5	3	1	0
अक्षर का. जितेश बो. भुवनेश्वर	0	3	0	0
अभिषेक पोरेल बो. हेजलवुड	30	33	3	0
मिलर का. जितेश बो. सलाम	19	18	3	0
जैमिसन पगबाधा बो. क्रुणाल	12	13	1	1
कुलदीप बो. सुयश शर्मा	3	11	0	0
दुश्मांता चमीरा नाबाद	0	3	0	0

अतिरिक्त: 4, **कुल:** 16.3 ओवर में 75 रन पर सभी आउट, **विकेट पतन:** 1-0, 2-2, 3-2, 4-7, 5-7, 6-8, 7-43, 8-62, 9-71, 10-75, **गेंदबाजी:** भुवनेश्वर 3-0-5-3, हेजलवुड 3.3-0-12-4, रसिख सलाम 2-0-21-1, रोमारियो शेफर्ड 2-0-21-0, सुयश शर्मा 4-1-7-1, क्रुणाल पंड्या 2-0-9-1.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: 77/1 (6.3 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
बेथेल का. नटराजन बो. जेमिसन	20	11	1	2
विराट कोहली नाबाद	23	15	1	2
देवदत्त पडिक्कल नाबाद	34	13	3	3

अतिरिक्त: 0, **कुल:** 6.3 ओवर में एक विकेट पर 77 रन, **विकेट पतन:** 1-26, **गेंदबाजी:** जेमिसन 3-0-42-1, दुश्मांता चमीरा 2-0-18-0, अक्षर पटेल 1-0-5-0, टी नटराजन 0.3-0-12-0.

खेल एक नजर

फील्ड में बाधा, हेलमेट फेंका, रघुवंशी पर लगा जुर्माना

लखनऊ, जेएनएन। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के विकेटकीपर बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी पर 'ऑब्स्ट्रक्शन ऑफ द फील्ड' (फील्डिंग में बाधा पहुंचाना) दिए जाने के बाद गुस्सा दिखाने के कारण उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उनके खाते में एक डिमैरिट अंक भी जोड़ा गया है। रघुवंशी को रविवार को लखनऊ के खिलाफ मैच के दौरान आचार संहिता का उल्लंघन करने दोषी पाया गया। उन्होंने केकेआर की पारी के पांचवें ओवर में घटी घटना के बाद पवेलियन लौटते समय गुस्से में सीमा रेखा पर अपने बल्ला मारा था और डग आउट में अपना हेलमेट फेंका था। केकेआर ने सुपर ओवर में यह मैच जीता था। आईपीएल में बयान में कहा, केकेआर के विकेटकीपर बल्लेबाज रघुवंशी पर लखनऊ के खिलाफ खेले गए आईपीएल मैच के दौरान खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए आईपीएल की आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन का दोषी पाया गया है और उन पर उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

बीमार होने के बावजूद जीती कोको गॉफ, मैड्रिड ओपन के चौथे दौर में

मैड्रिड, जेएनएन। अमेरिका की स्टार खिलाड़ी कोको गॉफ बीमार पड़ने और कोर्ट पर उल्टी करने के बावजूद मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में पहुंच गई हैं। पिछले साल मैड्रिड ओपन के फाइनल में पहुंचने वाली गॉफ ने सोराना सिर्स्टिया के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके 4-6, 7-5, 6-1 से जीत दर्ज की। गॉफ का अगला मुकाबला 13वीं वरीयता प्राप्त लिंडा नोस्कोवा से होगा। गॉफ ने दूसरे सेट के बीच में कोर्ट पर उल्टी कर दी थी, जिससे वह थोड़ा असहज महसूस करने लगी थी। उन्होंने कहा कि जब मैंने कोर्ट पर उल्टी कर दी, तो मुझे अच्छा नहीं लग रहा था। इसके बाद पहले और दूसरे गेम के बाद मुझे लग रहा था कि जैसे मेरी सारी ऊर्जा छीन ली गई है। इससे पहले विश्व में चौथे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक अज्ञात बीमारी के कारण अमेरिकी खिलाड़ी एन ली के खिलाफ मैच के बीच से हट गई थी। गॉफ ने कहा कि मुझे मैच से हटना पसंद नहीं है। मैं ऐसा तब तक नहीं करती जब तक मुझे सच में यह न लगे कि मेरे पास कोई और विकल्प नहीं है।

पाक में श्रीलंका के साथ वनडे त्रिकोणीय सीरीज खेलेगा इंग्लैंड

कराची, जेएनएन। आईसीसी वनडे विश्व कप की तैयारी के तौर पर पाकिस्तान में श्रीलंका के साथ एक त्रिकोणीय वनडे सीरीज में हिस्सा लेगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के सूत्र ने सोमवार को बताया कि लंबी बातचीत के बाद इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने आखिरकार इस त्रिकोणीय सीरीज में हिस्सा लेने को मंजूरी दे दी है। पीसीबी ने इस त्रिकोणीय सीरीज के लिए श्रीलंका क्रिकेट की सहमति पहले ही हासिल कर ली थी। इस सीरीज के दिसंबर-जनवरी में होने की उम्मीद है। सूत्र ने बताया कि पीसीबी शायद सिर्फ दो जगहों लाहौर और कराची में ही मैच करवाएगा।

ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से रौंदकर भारत थॉमस कप के क्वार्टर फाइनल में

अब अंतिम ग्रुप मुकाबले में चीन से होगा सामना

जेएनएन, होर्सेंस (डेनमार्क)

भारतीय पुरुष टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को ग्रुप-ए के मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से करारी शिकस्त देकर थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारत और चीन इस ग्रुप में शीर्ष पर हैं। 2022 के चैंपियन भारत ने कनाडा पर 4-1 से जीत के साथ शुरुआत की थी। चीन ने अपने पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराया था। उसने सोमवार को कनाडा को 4-1 से पराजित किया। भारत और चीन अब बुधवार को अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे, जिससे ग्रुप में शीर्ष स्थान का फैसला होगा। पेरिस ओलंपियन और राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन ने एफ्रेम स्टीफन सैम पर 21-14, 21-16 से जीत हासिल करके भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। यूएस ओपन चैंपियन और हाल में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में उपविजेता रहे आयुष शेट्टी ने श्रेय ढांड को 21-8, 21-6 से आसानी से हराकर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष युगल जोड़ी ने रिजकी हिदायत और जैक यू को 21-14, 21-16 से हराकर स्कोर 3-0 कर दिया। इससे भारत की क्वार्टर फाइनल में जगह सुनिश्चित हो गई। विश्व चैंपियनशिप 2023 और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय ने आधे घंटे से भी कम समय में ऋषि होंडा भूपति पर 21-11, 21-17 से जीत हासिल की। हरिहरन अमसाकरुनन और एमआर अर्जुन ने दूसरे युगल मुकाबले में एंडिका रामाडियांस्या और एफ़्रैम स्टीफ़न सैम को 21-12, 21-10 से हराया जिससे भारत इस मुकाबले में क्लीन स्वीप करने में सफल रहा।

चोटिल सेंटनर की जगह महाराज मुंबई इंडियंस में

मुंबई, जेएनएन। दक्षिण अफ्रीका के स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर केशव महाराज को आईपीएल के बाकी मुकाबलों के लिए मुंबई इंडियंस की टीम में न्यूजीलैंड के मिचेल सेंटनर के विकल्प के तौर पर शामिल किया गया। सेंटनर कंधे की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उन्हें यह चोट यहां वानखेड़े स्टेडियम में चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ टीम के पिछले मैच के दौरान लगी थी। आईपीएल ने बयान में कहा, मुंबई इंडियन्स ने दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज को मिचेल सेंटनर के विकल्प के तौर पर टीम में शामिल किया है। सेंटनर बाएं कंधे में लगी चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से बाहर हो गए हैं। बयान के अनुसार, सेंटनर को यह चोट मुंबई इंडियन्स के पिछले घरेलू मैच के दौरान चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ बाउंड्री के पास कैच लेने की कोशिश करते समय लगी थी। आईपीएल ने कहा, अनुभवी बाएं हाथ के स्पिनर महाराज हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में खेले थे।

किंग्स का विजय रथ रोकने रॉयल्स को करना होगा खास

पंजाब बनाम राजस्थान: मैच में हो सकती है छक्कों की बारिश

मुल्लांपुर, जेएनएन। पिछले कुछ मैचों में अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर पाने वाले राजस्थान रॉयल्स को मंगलवार को आईपीएल के 40वें मैच में अगर पंजाब किंग्स का अजेय रथ रोकना है, तो रन बनाने के लिए जूझ रहे कप्तान रियान पराग को आगे बढ़कर नेतृत्व करना होगा। पंजाब इस सीजन इकलौती ऐसी टीम है, जिसने अब तक हार का मुंह नहीं देखा है। दूसरी ओर युवा खिलाड़ियों से भरी राजस्थान ने लगातार चार जीत से सीजन शुरू करने के बाद उन्हें पिछले चार में से केवल एक मैच में जीत मिली है। इसके बावजूद वे फिलहाल टॉप-4 में बने हुए हैं। रिकी पोंटिंग का मुख्य कोच का पद संभालने और श्रेयस अय्यर के कप्तान बनने के बाद पंजाब में आमूलचूल बदलाव देखने को मिले हैं और उसने तब से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले साल उसकी टीम उप विजेता रही थी और इस साल उसने शुरू से ही अच्छा प्रदर्शन किया है। विराट कोहली ने वर्षों तक अपनी शानदार निरंतरता के दम पर 'लक्ष्य का पीछा करने में माहिर यानी चेज-मास्टर' का तमगा अपने नाम किया था और अब अय्यर भी उसी राह पर हैं। कप्तान और बल्लेबाज के रूप में उन्होंने बेहद दबाव वाली परिस्थितियों में सराहनीय धैर्य का प्रदर्शन करते हुए पंजाब के टूर्नामेंट में अब तक अजेय रहने में अहम भूमिका निभाई है। अय्यर ने शानदार कप्तानी की है, लेकिन उनकी पूरी टीम ने एकजुट होकर अपना योगदान दिया है।

घर में न्यूजीलैंड के खिलाफ बड़ा लक्ष्य हासिल कर जीता बांग्लादेश

तौहीद का अर्धशतक, बांग्लादेश ने पहला टी-20 छह विकेट से जीता

चटगांव, जेएनएन। तौहीद हृदय (27 गेंद में नाबाद 51 रन) के अर्धशतक की बदौलत बांग्लादेश ने सोमवार को न्यूजीलैंड को पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में छह विकेट से हरा दिया। तौहीद छठा अर्धशतक जड़ने के साथ परवेज हुसैन (14 गेंद में 28 रन) के साथ 57 रन जोड़ने के बाद शमीम हुसैन (13 गेंद में नाबाद 31) के साथ पांचवें विकेट के लिए 49 रन की नाबाद साझेदारी की, जिससे बांग्लादेश ने 18 ओवर में चार विकेट पर 183 रन बनाकर जीत दर्ज की। घरेलू मैदान पर यह बांग्लादेश का सबसे बड़ा सफल लक्ष्य है, जिसे उन्होंने 12 गेंद शेष रहते जीत लिया। न्यूजीलैंड ने इससे पहले छह विकेट पर 182 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। मेहमान टीम की ओर से डेन क्लीवर और सलामी बल्लेबाज कैटेन क्लार्क ने 51-51 रन बनाए। टिम रॉबिन्सन के शून्य पर रन आउट होने के बाद क्लार्क और क्लीवर ने दूसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी की। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने बांग्लादेश के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को रोककर रखा, जिससे 11वें ओवर में मेजबान टीम का स्कोर तीन विकेट पर 77 था।

शेवरोन चैंपियनशिप जीतकर दुनिया की नंबर एक महिला गोल्फर बनी नेली कोर्डा

ह्यूस्टन, जेएनएन। अमेरिका की नेली कोर्डा शेवरोन चैंपियनशिप जीतकर फिर से दुनिया की नंबर एक महिला गोल्फर बन गई हैं। कोर्डा ने चौथे और आखिरी दौर में दो अंडर 70 के स्कोर के साथ पांच शॉट की जीत हासिल की और अपने करियर का तीसरा मेजर खिताब जीता। उन्होंने कुल 18 अंडर 270 का स्कोर बनाया। यह उनकी एलपीजीए में 17वीं और विश्व स्तर पर 21वीं जीत थी। इससे यह 27 वर्षीय अमेरिकी स्टार अगस्त के बाद पहली बार महिला विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर वापसी करने में सफल रही। कोर्डा ने न केवल शुरू से अंत तक बढ़त बनाए रखी, बल्कि किसी अन्य खिलाड़ी ने उनके सामने चुनौती पेश ही नहीं की।

दक्षिण अफ्रीका ने 4-1 से सीरीज जीती, अंतिम टी-20 में हारा भारत

बेनोनी, जेएनएन। कप्तान लॉरा वोलवार्ट के नाबाद अर्धशतक के बाद नोनकुलुलेको मलाबा और नेदिन डि क्लर्क की धारदार गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने पांचवें और अंतिम महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में सोमवार को भारत को 23 रन से हराकर पांच मैच की सीरीज 4-1 से अपने नाम की। दक्षिण अफ्रीका के 156 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम मलाबा (15 रन पर दो विकेट) और डि क्लर्क (26 रन पर दो विकेट) की प्रभावी गेंदबाजी के सामने आठ विकेट पर 132 रन ही बना सकी।

एलिज मारी मार्क्स, क्लो ट्रायोन और अयाबोंगा खाका ने भी एक-एक विकेट चटकाया। भारत की ओर से भारत फुलमाली ने सर्वाधिक 40 रन बनाए। उनके अलावा रिचा घोष (नाबाद 25) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (22) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाईं। दक्षिण अफ्रीका की धारदार गेंदबाजी के सामने भारतीय टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम कभी लक्ष्य के करीब पहुंचने की स्थिति में भी नहीं दिखी। दक्षिण अफ्रीका ने इससे पहले बेहतरीन फॉर्म में चल रही वोलवार्ट की नाबाद 92 रन की पारी से छह विकेट पर 155 रन बनाए।

सिटी स्पोर्ट्स

अंडर-15 क्रिकेट: रेलवे को 41 रन से हराकर मयंक अकादमी बनी चैंपियन

प्लेयर ऑफ द मैच: वेद पाठक, **प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट:** रिषभ पांडेय, **बेस्ट बल्लेबाज:** आर्यवीर मेघवानी, **बेस्ट गेंदबाज:** आदित्य सोलंकी, **बेस्ट फील्डर:** जीवेश शुक्ला, **बेस्ट विकेटकीपर:** कनन मिश्रा

भोपाल, खेप्र। मयंक चतुर्वेदी क्रिकेट अकादमी ने रेलवे यूथ को 41 रन से हराकर प्रथम शहीद भगत सिंह अंडर-15 क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। ओल्ड कैंपियन मैदान पर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मयंक अकादमी ने निर्धारित 40 ओवर में आठ विकेट खोकर 191 रन बनाए। आर्यवीर मेघवानी ने 57 और इशान तिवारी ने नाबाद 49 रन की शानदार पारी खेली। रेलवे यूथ के नमस्ते ने 3 और अंश यादव ने 2 विकेट लिए। जवाब में रेलवे यूथ की टीम 150 रनों पर ऑलआउट हो गई। ग्रंथ प्रजापति ने 63 और युवराज ने 28 रन बनाए। मयंक अकादमी के वेद पाठक ने 3 और यशवर्धन ने एक विकेट झटका।

रॉयल निमाड़ ईगल्स महिला टीम के लिए खिलाड़ियों ने दिए ट्रायल

भोपाल। मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग (सिंधिया कप) 2026 के अंतर्गत आईसेक्ट समूह की महिला क्रिकेट टीम 'रॉयल निमाड़ ईगल्स' के लिए चयन ट्रायल्स का आयोजन स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में किया गया। प्रदेश से लगभग 50 महिला खिलाड़ियों ने ट्रायल में हिस्सा लिया और बैटिंग, बॉलिंग, फील्डिंग एवं विकेटकीपिंग में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर आईसेक्ट इंडिया के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, आरएनटीयू की प्रो चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वात्स, मप्र लीग की ऑब्जर्वर शुभ्रा गोयल, टीम की कोच भावना श्रीवास्तव, हेड कोच संजय पांडे और टीम के डायरेक्टर क्रिकेट जी. सतीश कुमार उपस्थित रहे।

दिलजोत-पूनम ने जीता कांस्य

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश वाटर स्पोर्ट्स अकादमी की खिलाड़ी दिलजोत कौर और पूनम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशिया कप रोइंग चैंपियनशिप में एक-एक कांस्य पदक अर्जित किए। यह चैंपियनशिप दक्षिण कोरिया में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में दिलजोत एवं पूनम ने बेहतरीन तालमेल के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए यह पदक अपने नाम किए। यह खिलाड़ी अकादमी में रोइंग कोच कैप्टन दलवीर सिंह राठौर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण हासिल करती हैं।

हॉकी: खिताबी मुकाबले में मप्र की भिड़ंत हरियाणा से

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश की महिला हॉकी टीम मंगलवार को चौथी अस्मिता सब-जूनियर हॉकी लीग के फाइनल में हरियाणा के खिलाफ खिताबी जीत के इरादे से उतरेगी। टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाली मप्र की टीम ने सेमीफाइनल में आंध्रप्रदेश को 6-2 से शिकस्त दी थी। यह लीग ग्वालियर स्थित एलएनआईपीई में खेली जा रही है। सेमीफाइनल में खिलाड़ियों ने हर क्वार्टर में शानदार तालमेल दिखाते हुए लगातार गोल किए और विपक्षी टीम को वापसी का कोई अवसर नहीं दिया। मध्यप्रदेश की ओर से तन्वी ने दो गोल दागे। प्रियंशी भंवर, तान्वी, हिरवा पुरोहित एवं भाविका ने एक-एक गोल कर टीम की जीत को शानदार बनाया।

सिंगरौली से मरीज लेकर रीवा आ रही एंबुलेंस हादसे का शिकार

रीवा। सिंगरौली से मरीज को उपचार के लिए रीवा संजय गांधी अस्पताल आ रही 108 एंबुलेंस रविवार की रात सड़क हादसे का शिकार हो गई। बताया जा रहा है कि एंबुलेंस का चालक अचानक बीती रात एंबुलेंस वाहन से नियंत्रण खो बैठा और एंबुलेंस सड़क से नीचे उतरकर क्षतिग्रस्त हो गई, घटना में एंबुलेंस सवार घायल हो गए। आसपास के लोगों ने सूचना गुढ़ पुलिस को दी जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एफआरवी और एंबुलेंस की मदद से एसजीएमएच पहुंचवाया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक नेशनल हाईवे 39 रीवा-सीधी रोड पर गुढ़ बायपास के समीप एक 108 एम्बुलेंस सोमवार की सुबह क्षतिग्रस्त अवस्था में मिली। गुढ़ पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक एंबुलेंस सिंगरौली से रीवा एसजीएमएच मरीज को लेकर जा रही थी, तभी आशंका है कि चालक को झपकी आ गई और वाहन अनियंत्रित होकर सड़क के नीचे उतरकर दुर्घटना का शिकार हो गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस में फंसे लोगों को आनन फानन में अस्पताल पहुंचाया जहां घायलों को उपचार चिकित्सकों द्वारा एसजीएमएच में किया जा रहा है।